।। श्री हरिः ।।

नमामि देवी नर्मदे

अमृत दर्शन

नर्मदापुरम का प्रथम हिन्दी दैनिक

RNI No. MPHIN /2004 /13927

वर्ष - 21 अंक - 318

नर्मदापुरम
रविवार, 31 अगस्त 2025

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

खास बात

पिता की इकलौती सन्तानें बहुत कम योग्य निकला करती हैं।
- अज्ञेय

पीएम मोदी का गर्मजोशी से हुआ स्वागत, 7 साल बाद पहुंचे चीन

एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने तियानजिन पहुंचे मोदी

नई दिल्ली/तियानजिन ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को दो दिवसीय दौरे पर चीन के तियानजिन पहुंचे, जहां वे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। चीन के तियानजिन में भारतीय समुदाय ने पीएम मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने तियानजिन पहुंचने पर सोशल मीडिया पर लिखा, 'तियानजिन, चीन पहुंचा। एससीओ शिखर सम्मेलन में विचार-विमर्श और विभिन्न विश्व नेताओं से मुलाकात को लेकर उत्सुक हूं।' विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भी पोस्ट कर जानकारी दी कि प्रधानमंत्री मोदी एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए तियानजिन पहुंच गए हैं और इसके साथ ही उन्होंने भारत की अब तक की एससीओ बैठकों में भागीदारी की मुख्य झलकियां साझा कीं।

यह प्रधानमंत्री मोदी की सात सालों मे पहली चीन यात्रा है। हालांकि प्रधानमंत्री की यह 7वीं शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर बैठक होगी। इससे पहले वे छह बार एससीओ शिखर सम्मेलनों में हिस्सा ले चुके हैं। इनमें नई दिल्ली (वर्चुअल, जुलाई 2023), समरकंद (उज्बेकिस्तान, सितंबर 2022), दुशांबे (ताजिकिस्तान, वर्चुअल, सितंबर 2021), मॉस्को (रूस, वर्चुअल, नवंबर 2020), बिश्केक (किर्गिस्तान, जून 2019) और छिंगदाओ (चीन, जून 2018) शामिल हैं।

एससीओ की स्थापना 15 जून 2001 को हुई थी। यह एक बहुपक्षीय संगठन है। इसमें वर्तमान में 10 सदस्य देश, 2 पर्यवेक्षक और 14 संवाद भागीदार शामिल हैं। भारत 2005 में पर्यवेक्षक के रूप में एससीओ में शामिल हुआ और 2017 में एक पूर्ण सदस्य देश बन गया। भारत एससीओ के वार्षिक बजट में 5.9 प्रतिशत योगदान देता है। भारत ने सितंबर 2022 में समरकंद शिखर सम्मेलन में एससीओ राष्ट्राध्यक्षों की परिषद की अध्यक्षता संभाली थी।

दावा : नोबेल के लिए नॉमिनेट नहीं किया इसलिए भारत पर थोपा टैरिफ

वॉशिंगटन। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत और अमेरिका के बीच तनाव की असल वजह ट्रम्प की नोबेल प्राइज की ख्वाहिश है। रिपोर्ट में बताया गया है कि ट्रम्प ने 17 जून को पीएम मोदी से फोन पर बातचीत की थी। इस दौरान ट्रम्प ने कहा था कि उन्हें भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने पर कितना गर्व है। इसके बाद ट्रम्प ने मोदी से कहा कि पाकिस्तान उन्हें नोबेल पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करने वाला है। ट्रम्प ने इशारों में भारत से भी ऐसा करने को कहा। मोदी इससे नाराज हो गए थे। मोदी ने ट्रम्प से साफ कह दिया कि भारत-पाक के बीच हुए सीजफायर से अमेरिका का कोई लेना देना नहीं है। यह भारत और पाकिस्तान के बीच सीधे तौर पर हुआ है।

ग्वालियर पर्यटन कॉन्क्लेव: 75 करोड़ के विरासत कार्यों का हुआ शिलान्यास

कॉन्क्लेव में मिले साढ़े तीन हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव : सीएम

- पर्यटन क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने 7 निवेशकों को जारी किये एलओए, मप्र पर्यटन के डिजिटल प्रचार के लिए हुए 4 एमओयू
- सीएम ने रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव ग्वालियर में प्रमुख निवेशकों और हितधारकों से किया संवाद

पर्यटन को बढ़ावा एवं विरासतों के संरक्षण के लिए शिलान्यास एवं विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के पर्यटन को बढ़ावा देने एवं विरासतों के संरक्षण के लिए विकास कार्यों का शिलान्यास एवं विमोचन किया। स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत ग्वालियर में ऐतिहासिक फूलबाग क्षेत्र में 17 करोड़ रूपये के विकास कार्यों और राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय में 58.46 करोड़ रूपये के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के डेलबर्टो संस्था के सहयोग से प्रदेश की पारंपरिक शिल्प एवं बुनाई कला को बढ़ावा देने के लिए शिल्पकारों के उत्पादों के Craftgroom ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और ग्वालियर किले के संरक्षण, सौंदर्यीकरण और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तैयार की गई कार्ययोजना का विमोचन किया गया।

ग्वालियर ■ एजेंसी

पर्यटन किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती में बड़ी अहम भूमिका निभाता है। पर्यटन से राष्ट्रीय आय तो बढ़ती ही है, साथ ही बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी सृजित होते हैं। पर्यटन और तीर्थाटन, ये हमारे देश और विशेषकर मध्य प्रदेश की समृद्धि के प्रमुख प्रवेश द्वार हैं। मध्यप्रदेश, देश का दिल है। प्रदेश की वैश्विक पहचान को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए ही पर्यटन विकास को विशेष महत्व दिया जा रहा है। राज्य सरकार समावेशी प्रयासों के जरिए समाज के सभी वर्गों को जोड़कर पर्यटन क्षेत्र के विस्तार और संवर्धन के लिए लगातार कार्य कर रही है। शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ग्वालियर के राजमाता विजया राजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित दो दिवसीय रीजनल टूरिज्म कान्क्लेव को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि कॉन्क्लेव में साढ़े तीन हजार करोड़ के निवेश का प्रस्ताव प्राप्त हुआ हैं। पर्यटन क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए 6 निवेशकों को लैटर ऑफ अलॉटमेंट प्रदान किये गये, इससे 60 करोड़ से अधिक का निवेश और बड़ी संख्या में रोजगार सृजन होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और धार्मिक धरोहरें विश्व स्तर पर आकर्षण का केंद्र हैं। इनके संरक्षण और प्रचार-प्रसार से प्रदेश न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि 'आत्मनिर्भर, विकसित और समृद्ध भारत' के लक्ष्य को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में आज राष्ट्रीय लघु उद्योग दिवस मनाया जा रहा है। इस शुभ अवसर पर ग्वालियर में पहली बार रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव हो रहा है।

डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ग्वालियर संगीत सम्राट तानसेन और बैजू बावरा की विरासत है। राजा मानसिंह तोमर संगीत विश्वविद्यालय, ग्वालियर के भवन निर्माण के लिए 50 करोड़ की धनराशि आवंटित की गई है। जीवाजी विश्वविद्यालय में पीएम उषा योजना के तहत विकास कार्यों के लिए भी बड़ी धनराशि दी गई है। ग्वालियर के राजा मानसिंह किले में विभिन्न विकास कार्यों के लिए इंडिगो कंपनी ने अपने कॉर्पोरेट सोशल रेस्पांसिबिलिटी फंड (सीएसआर कोष) से 100 करोड़ रुपए दिए जा रहे हैं। सीएम ने कहा कि पीएम मोदी पूरी दुनिया को देश की विरासतों और पर्यटन केंद्रों के बारे में बता रहे हैं। वे मेक इन इंडिया, मेड इन इंडिया, वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी अपनाओ अभियान के जरिए देश के नागरिकों को स्वदेशी से स्वाबलंवन की ओर प्रवृत्त कर रहे हैं।

मप्र पर्यटन के डिजिटल प्रचार-प्रसार के लिए एमओयू

मध्य प्रदेश के पर्यटन स्थलों, गतिविधियों और आयोजनों के व्यापक स्तर पर इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग और प्रचार-प्रसार के लिए याप डिजिटल, क्रायोन्स एडवरटाइजिंग, ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइज़ेस लिमिटेड, कॉन्सेप्ट कम्युनिकेशन्स के साथ अनुबंध किया गया। इन समझौतों से न केवल निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा, बल्कि स्थानीय समुदाय और कलाकार भी प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होंगे।

संक्षिप्त समाचार

सीएम डॉ. मोहन पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी की 21 फीट ऊंची प्रतिमा का आज करेंगे अनावरण

मुरैना। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एक दिवसीय भ्रमण पर 31 अगस्त की सुबह 11 बजे मुरैना आ रहे हैं। मुख्यमंत्री लगभग 4 घंटे तक मुरैना जिले के चार स्थानों पर पहुंचकर आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेंगे। इस दौरान पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 21 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव करेंगे। इसके साथ ही जिले के औद्योगिक क्षेत्र पिपरसेवा में 300 करोड़ की लागत से स्थापित होने वाली सोलर एनर्जी स्टोरेज एवं हाइड्रोजन उत्पादन यूनिट का भूमि पूजन भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री लगभग दोपहर 12 बजे भगवान शनिदेव के दर्शन कर धर्म लाभ लेंगे। इस अवसर पर मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, सांसद शिवमंगल सिंह तोमर सहित सभी जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज मुरैना जिले को कई सौगात देने वाले हैं।

एएआई के वरिष्ठ प्रबंधक राहुल विजय 232 करोड़ के गबन के आरोप में गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के वरिष्ठ प्रबंधक राहुल विजय को लगभग 232 करोड़ रुपये के गबन के आरोप में गिरफ्तार किया है। सीबीआई को एएआई से एक शिकायत मिली, जिसके आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। सीबीआई के अनुसार, राहुल विजय पर आरोप है कि उन्होंने देहरादून हवाई अड्डे पर तैनात रहते हुए सरकारी रिकॉर्ड में हेराफेरी कर एएआई के पैसों में धोखाधड़ी की और 232 करोड़ रुपये अपने निजी खाते में जमा कर लिए।

कटरा-जम्मू मार्ग पर रेल यातायात बाधित, 51 ट्रेनें रद्द

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे ने शनिवार को बताया कि बीआर 17 ट्रैक पर पटरी खिसकने के कारण कठुआ-माधोपुर पंजाब के बीच रेल यातायात अगले आदेश तक निलंबित कर दिया गया। इसके चलते बड़ी संख्या में ट्रेनों का संचालन प्रभावित हुआ है। रेलवे के अनुसार इस व्यवधान के चलते 51 ट्रेनें रद्द, एक ट्रेन को शॉर्ट-टर्मिनेट तथा दो ट्रेनों को शॉर्ट-ओरिजिनेट किया गया। जिन ट्रेनों को रद्द किया गया, उनमें जम्मूतवी-नई दिल्ली राजधानी (12426/12425), वंदे भारत एक्सप्रेस (22439/22440/22477/22478), श्रीशक्ति एक्सप्रेस (22461/22462), उत्तर संपर्क क्रांति (12445/12446), आर्चना एक्सप्रेस (12355/12356), हिमगिरी एक्सप्रेस (12331/12332), स्वराज एक्सप्रेस (12471/12472), अंडमान एक्सप्रेस (16031), मालवा एक्सप्रेस (12919/12920) समेत कई लंबी दूरी की ट्रेनें शामिल हैं। इसके अलावा, वाराणसी-जम्मूतवी (12237/12238) और कोलकाता टर्मिनल-जम्मूतवी (13151/13152) एक्सप्रेस को अंबाला कैंट से शॉर्ट-टर्मिनेट अथवा शॉर्ट-ओरिजिनेट किया जाएगा।

अंतर्मना उवाच

पर्वों के पर्वराज का तीसरा चरण - उत्तम आर्जव

उत्तम आर्जव - मिल तो सबसे लेता है, लेकिन मिलता किसी में नहीं..!

उत्तम आर्जव धर्म कहता है - माया से मुक्त होकर जियो। *छल, कपट करने वाले जीव को भगवान बनने का सुख नहीं मिलता।* ***वो सोचता है -***

- *राम राम जपना, पराया माल अपना।*
- *वक्त पड़े वाका - गधे को कहे काका।*
- *रघुपति राघव राजा राम, जैसा मोका वैसा काम।*
- *गंगा गये तो गंगादास, जमुना गये तो जमुनादास।*

ऐसी नीति, कुटिल नीति, वक्र नीति वालों के भीतर न धर्म ठहर सकता, न उत्तम आर्जव धर्म आ सकता।

आज की राजनीति से ज्यादा गन्दी, धर्म की राजनीति हो गई है। ***कुछ तथाकथित लोग धर्म और धर्म गुरुओं को लेकर धर्म में राजनीति का काम कर रहे हैं।*** *पंथ और संप्रदाय धर्म नहीं है बाबू - ये तो आवरण है, दिया है। मूल तो ज्योति का है। ऐसे नकली धर्मात्माओं से बचना।* ***अन्यथा बंदर के हाथ में चाकू*** *जैसा हाल होगा तुम्हारा और हमारा।* ***आज धर्म की राजनीति करने वालों के हर चेहरे धुंधले हैं। कहीं कुछ भी स्पष्ट नहीं है।***

कल तक जो कद, पद वाले धर्मात्माओं में दुष्कृत्यों के प्रति जो झिझक और शर्मिन्दगी थी, आज वह झिझक, शर्म, लिहाज सब कुछ खत्म सा हो गया है। ***पहले शरीफ लोग दिन के उजाले में बदनाम गलियों से गुजरने से बचते थे, लेकिन अब ऐसा कुछ भी नहीं है।*** *आज तो हालात ऐसे हैं कि बदनामी, शर्म और लिहाज का नामोनिशान मिट सा गया है।*

जिसकी ढपली उसका राग जैसा अलाप हो रहा है..!

उत्तम आर्जव धर्म कहता है - छल, कपट, माया से मुक्त होकर धर्म ध्यान पूजा, पाठ, सेवा भक्ति करो, अन्यथा - हाथी का स्नान समझो...!!!

■ **अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज**

रियासी के माहोर में भूस्खलन, एक ही परिवार के 7 लोगों की मौत, रामबन में बादल फटने से 4 मरे

रियासी ■ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले की माहोर तहसील के भद्दर गांव में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में एक घर के ढह जाने से एक ही परिवार के सात लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों के अनुसार यह घटना शनिवार सुबह हुई जब भूस्खलन ने एक खड़ी ढलान पर स्थित घर को अपनी चपेट में ले लिया। इससे घर मलबे में दब गया। घटना के समय घर में परिवार के कई सदस्य मौजूद थे।

अधिकारी ने बताया कि सात लोग मलबे में दबे हुए थे। पुलिस, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन के कर्मियों को तुरंत मौके पर भेजा गया। मलबे में दबे सात लोगों के शव बरामद किए गए हैं। मृतकों की पहचान घर के मालिक नजीर अहमद पुत्र

बहार दीन निवासी बद्दर, उनकी पत्नी वजीरा बेगम, बेटे बिलाल अहमद, मोहम्मद मुस्तफा, मोहम्मद आदिल, मोहम्मद मुबारक और मोहम्मद वसीम के रूप में हुई है। नजीर अहमद के सभी पांच बेटे नाबालिग थे।

बादल फटने से चार लोग बहे

रामबन जिले की राजगढ़ तहसील में बादल फटा है। इसमें 4 लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति लापता है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बचाव दल ने प्रभावित क्षेत्र से 4 शव बरामद किए हैं और लापता व्यक्ति का पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

देश में बनी वस्तुएं ही खरीदें नागरिकः शिवराज

विदिशा ■ प्रतिनिधि

केंद्रीय किसान कल्याण तथा कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को मध्य प्रदेश के प्रवास के दौरान विदिशा में नागरिकों से स्वदेशी वस्तुएं अपनाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर हम सभी को स्वदेशी वस्तुएं अपनाने की आवश्यकता है। यदि हम देश में निर्मित वस्तुओं को खरीदेंगे तो देश के लोगों को रोजगार मिलेगा और देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान शनिवार को विदिशा में मेजर ध्यानचंद की 120वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री मोदी के आव्हान पर हर गली, हर मैदान, खेले सारा हिंदुस्तान की थीम पर एसएटीआई विदिशा से आयोजित साइकिल रैली में शामिल हुए। उन्होंने स्वयं एसएटीआई परिसर से स्वामी विवेकानंद तिराहे तक साइकिल चलाकर खेल गतिविधियों में हिस्सा लेकर फिट रहने का संदेश

दिया। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान एसएटीआई से साइकिल चलाते हुए नगर के नीमताल, बस स्टैंड से होते हुए स्वामी विवेकानंद चौराहा पहुंचे। इस दौरान अन्य जनप्रतिनिधियों, नागरिकों और स्कूली बच्चों ने भी इस रैली में साइकिल चलाई। इसके पहले केंद्रीय मंत्री चौहान ने एसएटीआई परिसर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि फिट वही रहते हैं जो हिट रहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भी देश को फिटनेस का मंत्र दिया है।

महाराष्ट्र के बीड में तेज रफ्तार कंटेनर से कुचलकर छह पैदल यात्रियों की मौत

मुंबई ■ एजेंसी

महाराष्ट्र के बीड़ जिले में धुले-सोलापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर नमलगांव फाटा फ्लाईओवर के पास शनिवार की सुबह एक तेज रफ्तार कंटेनर से कुचलकर छह पैदल यात्रियों की मौत हो गई है। बीड़ ग्रामीण पुलिस की टीम ने इस मामले में कंटेनर चालक को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की छानबीन कर रही है।

बीड में हुए इस दर्दनाक सड़क हादसे की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि आज सुबह छह लोग धुले-सोलापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर से पेंडगांव में देवदर्शन के लिए जा रहे थे। तभी नमलगांव फाटा फ्लाईओवर के पास पीछे से आ रहे तेजरफ्तार कंटेनर ने इन सभी को कुचल दिया और

कंटेनर चालक कंटेनर को लेकर फरार हो गया। इस घटना में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो घायलों को तत्काल बीड़ जिला अस्पताल में पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी दोनों की भी मौत हो गई। इस घटना में मृतकों की पहचान विशाल श्रीकिसन काकड़े, अमोल नामदेव गर्जे, आकाश कोलसे, पवन जगताप, किशोर टोर और एक अन्य के रुप में गई है।

राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा से ममता अभिषेक ने बनाई दूरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी तथा पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' के पटना समापन कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। पार्टी की ओर से बहरामपुर से सांसद और पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान तथा ललितेश त्रिपाठी को प्रतिनिधित्व के लिए भेजा जाएगा। राहुल ने ममता और अभिषेक को पटना आने का न्योता दिया था।

नोएडा में देश की पहली टेम्पर्ड ग्लास निर्माण इकाई शुरू, केंद्रीय मंत्री ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्वनी वैष्णव ने शनिवार को नोएडा में मोबाइल उपकरणों के लिए देश की पहली टेम्पर्ड ग्लास निर्माण इकाई का उद्घाटन किया। इसे ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स और अमेरिका की कॉर्निंग इंकॉरपोरेटेड के संयुक्त उद्यम से स्थापित किया गया है। इकाई 'इंजनियर बॉय कोर्निंग' ब्रांड के अंतर्गत उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद तैयार करेगी और इससे घरेलू व अंतरराष्ट्रीय बाजारों में आपूर्ति होगी।

इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि टेम्पर्ड ग्लास मोबाइल फोन का एक महत्वपूर्ण सहायक उपकरण है और इसका स्वदेशी निर्माण आत्मनिर्भर भारत तथा 'मेक इन इंडिया' अभियान की दिशा में अहम कदम है। चरणबद्ध तरीके से भारत मोबाइल फोन में उपयोग होने

वाले सभी घटकों का निर्माण कर रहा है। इसमें चिप्स, कवर ग्लास, लैपटॉप और सर्वर उपकरण शामिल हैं। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही भारत में निर्मित चिप बाजार में आएगी। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन 6 गुना बढ़कर 11.5 लाख करोड़ तक पहुंचा है। इसमें से 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात हुआ है और 25 लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिला है।

सीएम ने किया स्वदेशी से स्वावलंबन विषय पर राज्य स्तरीय संगोष्ठी का शुभारंभ

स्वदेशी उत्पादों का उपयोग है सच्ची राष्ट्रसेवा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री एवं जनअभियान परिषद के अध्यक्ष डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वदेशी वस्तुएं केवल उत्पाद ही नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय अस्मिता, धरोहर और हमारे मान-सम्मान का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया वोकल फॉर लोकल अभियान भारतीयता की इसी भावना को आगे बढ़ाने का माध्यम है। हमारे देशी उत्पाद न केवल विदेशी उत्पादों से अधिक मजबूत, किफायती और गुणवत्तायुक्त हैं, बल्कि इन्हें खरीदने पर हमें अधिकतम लाभ भी मिला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से आत्मीय आह्वान किया कि हर भारतीय नागरिक को न केवल स्वयं स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करना चाहिए, बल्कि अपने आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। यही देश प्रेम हमारी

अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा। स्वदेशी भावना ही सच्ची राष्ट्रसेवा का सहज मार्ग है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागार में जनअभियान परिषद और स्वदेशी जागरण मंच के संयुक्त तत्वावधान में %स्वदेशी से स्वावलंबन% विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव व अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन एवं भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि कर इस एक दिवसीय संगोष्ठी का विधिवत् शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनअभियान परिषद द्वारा स्वदेशी अभियान के लिए तैयार किए गए पोस्टर एवं ब्रोशर का भी विमोचन किया। इस ब्रोशर में स्वदेशी वस्तुओं की सूची दी गई है। कार्यक्रम में जन अभियान परिषद और स्वदेशी जागरण मंच के मध्य स्वदेशी उत्पादों के प्रचार-प्रसार की जनजागृति के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

बेंगलुरु भगदड़ मामला: आरसीबी ने मृतकों के परिवारों को 25 लाख मुआवजा देने की घोषणा की

बेंगलुरु। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) ने उन प्रत्येक पीड़ित परिवारों को 25 लाख रुपये की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है, जिन्होंने 4 जून को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ में अपनों को खो दिया था। आरसीबी ने शनिवार को अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर इस संबंध में एक बयान जारी किया है। दरअसल, आरसीबी ने आईपीएल 2025 का खिताब जीता था। टीम ने 3 जून को अहमदबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में पंजाब किंग्स को 6 रन से मात देकर 18 साल के आईपीएल ट्रॉफी के इंतजार को खत्म किया था।

एआई के जरिये जानेंगे भगवान श्रीकृष्ण और मध्यप्रदेश से जुड़े प्रसंग

रवीन्द्र भवन में होगी आज कृष्णायन की भव्य प्रस्तुति

भोपाल ■ निसं

करूणाधाम आश्रम और नव प्रयास सांस्कृतिक एवं सामाजिक विकास समिति के संयुक्त तत्वावधान में रविवार 31 अगस्त को रविंद्र भवन में कृष्णायन की प्रस्तुति हंसध्वनि सभागृह में संध्या 6:30 बजे से होगी। आश्रम के पीठाधीश्वर गुरुदेव श्री सुदेश जी शांडिल्य महाराज ने बताया कि कृष्णायन एक संगीतमय महागाथा में सुनो वो, जो कभी कहा नहीं गया की प्रस्तुति होगी। राधाअष्टमी के पावन अवसर पर श्री कृष्ण और मध्यप्रदेश से जुड़ी संपूर्ण कथा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित दृश्यों के साथ मध्यप्रदेश से जुड़े अनकहे प्रसंगों और भावनात्मक संगीत से सजी एक प्रस्तुति होगी। मनसाधक मोहित शेवानी और लेखक प्रबुद्ध सौरभ की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है।

समिति के संरक्षक और विधायक श्री भगवान दास सबनानी ने बताया कि निःशुल्क प्रवेश पत्र प्राप्त करने के लिये करूणधाम आश्रम, नेहरू नगर या ई-45, 45 बंगला, बाणगंगा चौराहा से संपर्क किया जा सकता है।

पूर्व में इस विषय पर कम चर्चा हुई है लेकिन भोपाल के रहने वाले कलाकार मोहित शेवानी ने युवा संगीतज्ञों के साथ मिलकर एक ऐसा कार्यक्रम तैयार किया है जिसमें कृष्ण और मध्यप्रदेश के संबंध को विस्तार से बताया गया है। कृष्णायन नाम का यह डेढ़ घंटे का कार्यक्रम आधुनिक तकनीक के साथ कथा वाचन करने का एक रोचक उदाहरण है। इस कार्यक्रम में जहां मोहित कृष्ण और मध्य प्रदेश के संबंधों की कथाएं सुनते हैं वहीं पर उनके साथ मौजूद युवा संगीतज्ञ इस प्रस्तुति को संगीत और गीतों से भरते हैं।

मोहित ने बताया कि उन्हें हमेशा से ऐसा लगता था कि यह बहुत महत्वपूर्ण विषय है जिस पर काम चर्चा हुई है और इसका आम जनमानस के पटल तक पहुंचना बहुत आवश्यक है।

मध्यप्रदेश और कृष्ण का सम्बन्ध बताएगा कृष्णायन

कृष्णायन के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण और मध्यप्रदेश के बीच के सम्बन्ध पर रोचक संगीतमय कथा सुनाई जाएगी। कृष्ण सनातन आस्था के आराध्य हैं। वे श्रीहरि विष्णु के दस अवतारों में से आठवें अवतार हैं। कृष्ण के भक्त उन्हें अलग-अलग रूप में पूजते हैं। कोई भगवान के रूप में, कोई माखनचोर के रूप में, कोई गोकुल रक्षक के रूप में, कोई सखा के रूप में तो कोई भगवद्गीता के ज्ञानोपदेशक के रूप में। जीवन के अलग-अलग आयु में उनके द्वारा की गई लीलाओं का वर्णन कथावाचक करते आए हैं। यदि एक वृहद पैमाने पर देखा जाए तो आमतौर पर कृष्ण को गोकुल कुरुक्षेत्र या द्वारका से सम्बद्ध बताया जाता है। लेकिन वर्तमान मध्यप्रदेश से कृष्ण का संबंध न केवल गहरा है बल्कि विस्तृत और व्यापक भी है।

भोपाल। महिला एवं बाल विकास मंत्री कु. निर्मला भूरिया व महापौर श्रीमती मालती राय ने स्वदेशी सुरक्षा एवं स्वावलंबन अभियान के तहत अखिल भारतीय महिला शोध, प्रशिक्षण एवं विचार वर्ग का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। राजधानी के एनआईटीटीआर के सभागार में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर महापौर श्रीमती मालती राय ने विभिन्न स्टॉलों एवं उन पर प्रदर्शित उत्पादों का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय सहसंगठक सतीश कुमार, अखिल भारतीय महिला प्रमुख श्रीमती अर्चना मीणा, प्रोफेसर चंद्रचारू त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में प्रशिक्षण एवं विचार वर्ग की सहभागी व गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

राज्य की पुरातात्विक धरोहर को सहेजने के लिए किया जा रहा है नवाचार

भोपाल। राज्य की पुरातात्विक महत्व की कला को सुदृढ़ करने और सतत बाज़ार की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से नर्मदापुरम में कला और शिल्प पर आधारित स्टार्टअप के लिए राफ्ट एंड रीज़न ने तसल्ली ब्रांड के अंतर्गत नवाचार प्रारंभ किया है। इसमें नर्मदापुरम, भोपाल, छिंदवाड़ा, सीहोर, महेश्वर तथा धार जिले के चिन्हित शिल्प पर नवाचार किया जा रहा है। इसके अंतर्गत पुरातात्विक महत्व की कलाकृति को स्टोन पाउडर से बनाया जा रहा है और इस पर स्थानीय सागौन लकड़ी के साथ प्रयोग भी किया जा रहा है। यह कार्य हाथकरघा एवं हस्तशिल्प संचालनालय भोपाल, पुरातत्व संचालनालय भोपाल एवं पाटर्स द स्टूडियो नर्मदापुरम के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदेश के हर जिले में खुलेंगे प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के कार्यालय

भोपाल। प्रदेश के प्रत्येक जिले में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) के कार्यालय खोले जाएंगे। पर्यावरण संरक्षण और जल-वायु प्रदूषण पर प्रभावी रोक के लिए राज्य सरकार ने यह निर्णय लिया है। इन दफ्तरों से ही जिला स्तर पर प्रदूषण की नियमित मानिटरिंग भी की जाएगी। इसके साथ ही प्रदेशभर में सिंगल यूज प्लास्टिक पर कड़ाई से रोक लगाने की भी तैयारी की जा रही है। दरअसल इस प्रक्रिया की शुरुआत कटनी, गुना और देवास जिलों से हो चुकी है, जहां पहले क्षेत्रीय कार्यालय थे, जिन्हें अब जिला कार्यालयों में बदला जा रहा है। शिकागो यूनिवर्सिटी के एनर्जी पालिसी इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में वायु प्रदूषण का स्तर तय सीमा से आठ गुना अधिक पाया गया था। इसी को देखते हुए जिलों में पीसीबी के कार्यालय खोलने का निर्णय लिया गया है।

तिरंगा यात्रा निकालेंगे सरकार से नाराज कोटवार

भोपाल। सरकार से नाराज प्रदेश के कोटवार तिरंगा यात्रा निकालेंगे। इनका जमावड़ा 4 सितंबर को होगा। जहां यह सेंट्रल लाइब्रेरी मैदान से जवाहर चौक तक पैदल मार्च कर अपनी नाराजगी जाएंगे। बाद में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को संबोधित मांग पत्र भी सौंपेगें। इसके पहले यह सभी जिलों में प्रदर्शन कर अपनी मांगों से सरकार व प्रशासन को अवगत करा चुके हैं। आजाद कोटवार कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष अरवीर यादव ने बताया कि राजस्व विभाग के रवैये से प्रदेश भर के कोटवारों में नाराजगी है। क्योंकि भिंड जिले की अटेर तहसील में बिना कारण बताए जहां 31 कोटवारों को तहसीलदार ने हटा दिया है। इसके साथ ही दूसरी तहसील से 6 कोटवारों को निकालकर उनकी सेवा भूमि पर कब्जा कर जमा लिया गया है। जबकि खंडवा जिले की पंधाना तहसील में एक कोटवार की एक अधिकारी के बंगले पर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई और न तो उसकी जांच कराई गई और नही परिवार को मुआवजा दिया गया।

स्मार्ट मीटर लगाने वाली कम्पनी के इंजीनियर पाकिस्तानी

भोपाल। पूर्व नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस विधायक अजय सिंह ने कहा है कि मध्य प्रदेश के घरों में बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने वाली कम्पनी के अधिकारी, इंजीनियर पाकिस्तानी मूल के है इसलिए ठेके के बहाने नागरिकों का डाटा एकत्र कर उसका दुरूपयोग होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

पंचायत और विधानसभा चुनाव के लिए बिछने लगी चौसर

मप्र में भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टियां अभी से चुनावों की तैयारी में जुटी

भोपाल ■ निसं

मप्र में भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टियां मिशन मोड में काम कर रही हैं। संगठन का गठन करने और पार्टी को मजबूत करने के साथ ही दोनों पार्टियां एक-दूसरे को घेरने में लगी हुई हैं। दरअसल, दोनों पार्टियों का पूरा फोकस 2027 पंचायत और 2028 विधानसभा चुनावों पर है। भाजपा सेवक बनो, शासक नहीं की नसीहत दे रही है, जबकि कांग्रेस युवाओं को साध रही है। मप्र की राजनीति में फिलहाल कोई बड़ा उलटफेर या सीधा टकराव देखने को नहीं मिल रहा है, लेकिन सतह के नीचे भाजपा और कांग्रेस आगामी चुनावी महासंग्राम के लिए रणनीतियां बनाने में जुट गए हैं।

भाजपा और कांग्रेस, दोनों ही जानते हैं कि 2027 के पंचायत चुनाव और 2028 के विधानसभा चुनाव ही असली कसौटी होंगे। पंचायत चुनाव जहां जमीनी स्तर पर पकड़ और संगठन की मजबूती का लिटमस टेस्ट होंगे। वहीं विधानसभा चुनाव सीधे सत्ता की कुंजी सौंपेंगे। यही वजह है कि दोनों खेमों में रणनीतिक स्तर पर गतिविधियां तेज हैं। बैठकों का दौर चल रहा है, संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया जा रहा है, और संभावित उम्मीदवारों पर भी विचार-मंथन जारी है। कांग्रेस जहां अपनी पिछली गलतियों से सबक लेकर वापसी की राह तलाश रही है, वहीं भाजपा अपनी सत्ता बरकरार रखने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। जातिगत समीकरण, क्षेत्रीय प्रभाव, और स्थानीय मुद्दों पर गहन विश्लेषण किया जा रहा है। नए चेहरों को आगे लाने और पुराने धुरंधरों को सक्रिय करने पर भी जोर दिया जा रहा है।

पिछले विधानसभा चुनाव और उसके बाद हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा से बुरी तरह पराजित होने के बाद कांग्रेस ने देश के साथ प्रदेश में भी संगठन पर ध्यान दिया है और इसे संगठन सृजन का नाम दिया गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी खुद इस अभियान की मानीटरिंग कर रहे हैं।

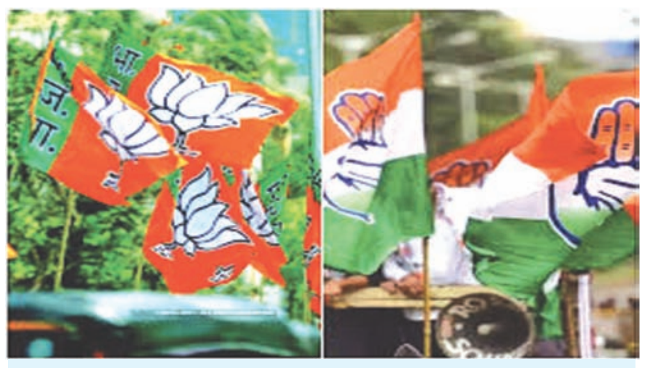

दोनों पार्टियों का संगठन पर फोकस

गौरतलब है कि विधानसभा चुनावों में अभी तीन साल का वक्त है पर प्रदेश का सियासी पारा अभी से गर्मा गया है। प्रदेश के दोनों प्रमुख राजनीतिक दल भाजपा और कांग्रेस अभी से अपने संगठनों को कसने में लग गए हैं। भाजपा जहां तीन महीने से अधिक समय पहले ही अपने सभी जिलाध्यक्षों का ऐलान कर चुकी हैं वहीं अब कांग्रेस ने भी अपने सभी 71 संगठनात्मक जिलों के अध्यक्ष घोषित कर दिए हैं। फिलहाल वह जिलाध्यक्षों के ऐलान के बाद उपजे असंतोष को थामने में लगी है। वहीं भाजपा अपने 61 जिलाध्यक्षों के चयन के बाद अब जिला कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया में लग गई है।

जिलों की कार्यकारिणी पर दिल्ली ने भी बनाए रखी है नजर

स्वदेशी, दुग्ध उत्पादन बढने समेत संगठन ऐसे कार्यक्रमों को हाथ में ले रहा है जो सीधे जनता पर असर करते है। पार्टी ने पहली बार जिलों में कार्यकारिणी के गठन के पहले प्रदेश से पर्यवेक्षकों को जिलों में भेजा है। ये पर्यवेक्षक जिलों का दौरा कर लौट आए हैं और अब इनके दिए हुए नामों पर विचार हो रहा है। यह भी पहली बार हो रहा है कि जिलों की कार्यकारिणी पर दिल्ली भी नजर बनाए हुए है। भाजपा चुनाव के पहले हमेशा की तरह संगठन को पूरी तरह चाक-चौबंद करना चाहती है। बूथस्तर तक के कार्यक्रम अभी से तैयार हो रहे हैं ताकि कार्यकर्ताओं को काम मिलता रहे। कुल मिलाकर प्रदेश में अभी से सियासी माहौल रोचक हो रहा है। आने वाले दिनों में कुछ नेताओं के भी इधर-उधर होने की संभावना सूत्र जता रहे हैं।

डीआरआई की टीम ने भोपाल में की कार्यवाही

युगांडा की महिला 4 करोड़ के कोकीन, क्रिस्टल मेथ के साथ गिरफ्तार

भोपाल ■ निसं

डीआरआई की टीम ने भोपाल रेलवे स्टेशन पर युगांडा की महिला को करीब 4 करोड़ रुपए कीमत के 147 ग्राम कोकीन और 370 ग्राम क्रिस्टल मेथ के साथ गिरफ्तार किया है। दिल्ली से मुंबई जा रही आरोपी महिला को अमृतसर-सीएसटीएम एक्सप्रेस ट्रेन से पकड़ा गया।

गौरतलब है की डीआरआई की बीते 15 दिनों में यह तीसरी बड़ी कार्रवाई है। जानकारी के अनुसार डीआरआई अफसरो को इनपुट मिला था की दिल्ली से मुंबई जा रही ट्रेन अमृतसर-सीएसटीएम एक्सप्रेस से एक विदेशी महिला ड्रग्स लेकर जा रही है। इसके बाद टीम ने रेलवे सुरक्षा बल के साथ महिला को भोपाल स्टेशन पर हिरासत में ले लिया। हिरासत में ली गई महिला नाबायुंगा जरिया युगांडा की रहने वाली है, जो गुरुवार को ट्रेन के एसी कोच में सफर कर रही थी। कार्यवाही के दौरान उसके पास से 147 ग्राम कोकीन और 370 ग्राम क्रिस्टल मेथ बरामद हुआ। आरोपी महिला ने बताया कि वह यह नशीला पदार्थ मुंबई तक पहुंचाने का काम कर रही थी। डीआरआई टीम आरोपी महिला से आगे की पूछताछ कर उसका नेटवर्क और अन्य साथियो की जानकारी जुटा रही है। उल्लेखनीय है की डीआरआई ने बीते दिनो 16 अगस्त को जगदीशपुर इलाके में एक फैक्ट्री का भंडाफोड़ कर 92 करोड़ की मेफेड्रोन जब्त की थी। इसके चार दिन बाद राजधानी एक्सप्रेस से दो तस्करों को गिरफ्तार कर लगभग 24 करोड़ का हाइड्रोपोनिक वीड (गांजा) बरामद किया गया।

भोपाल रियासत की शत्रु संपत्तियों पर कार्रवाई की जाए

खरीदी-बिक्री, नामांतरण और हस्तांतरण पर रोक की मांग की

भोपाल ■ निसं

भोपाल क्रिएशन एंड प्रोजेक्शन डॉटकॉम के संचालक एवं समाजसेवी अमिताभ अग्निहोत्री ने भोपाल रियासत की विवादित शत्रु संपत्तियों और मर्जर संपत्तियों पर कार्रवाई को लेकर 75 पृष्ठीय ज्ञापन भोपाल कलेक्टर को सौंपा। इसमें दस्तावेजों और सुझावों सहित इन संपत्तियों की खरीदी-बिक्री, नामांतरण और हस्तांतरण पर रोक लगाने की मांग की गई है। अग्निहोत्री ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि उनके ज्ञापन पर राष्ट्रपति कार्यालय ने 1 अगस्त 2025 को मुख्य सचिव, म.प्र. शासन को कार्यवाही का निर्देश दिया। इसके बाद मुख्य सचिव ने 4 अगस्त को राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव को पत्र भेजकर जांच करने को कहा। वहीं प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी 12 अगस्त को इस ज्ञापन पर कार्रवाई करते हुए सीएम हेल्पलाइन के संचालक को पत्र भेजा है।

ज्ञापन में तत्कालीन प्रमुख सचिव माला श्रीवास्तव की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा गया कि ग्राम धरमपुरी (श्यामला हिल्स) के 1933, 1949 और 1959 के राजस्व रिकॉर्ड में नवाब परिवार की कोई निजी संपत्ति दर्ज नहीं थी। इसके बावजूद वहां नवाब परिवार द्वारा संपत्ति बेचे जाने और कब्जे का मुद्दा उठाया गया। रिपोर्ट के आधार पर 13 गांवों और भोपाल शहर में नवाब की संपत्तियों पर रोक लगाने की भी मांग की गई है।

उन्होंने यह भी बताया कि मर्जर एग्रीमेंट के अनुसार नवाब को केवल 1395 एकड़ भूमि व्यक्तिगत संपत्ति के रूप में दी गई थी, लेकिन राजस्व रिकॉर्ड में 1984.13 एकड़ भूमि उनके नाम दर्ज है। इस विसंगति को राज्य शासन की संपत्ति मानते हुए राजसात करने की मांग की गई। हलालपुरा, बोरबन, लाऊखेड़ी और शहर भोपाल की सैकड़ों एकड़ भूमि को शत्रु संपत्ति घोषित करने का भी निवेदन किया गया। उन्होंने केंद्र सरकार के उस पत्र का हवाला भी दिया जिसमें नवाब की पुत्री आबिदा सुल्तान (पाकिस्तानी नागरिक) को उत्तराधिकारी मानकर उनकी संपत्तियों को शत्रु संपत्ति घोषित किया गया है। इसके बावजूद राज्य शासन ने अब तक कार्रवाई नहीं की।

एम्स भोपाल में फार्माकोविजिलेंस पर सीएमई: उभरते उपचारों के दौर में मरीजों की सुरक्षा पर जोर

भोपाल ■ निसं

एम्स भोपाल ने मरीजों की सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ करने के लिए फार्माकोविजिलेंस: उभरते उपचारों के दौर में मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना विषय पर एक सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम फार्माकोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित किया गया, जो कि फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया के अंतर्गत मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के लिए एडवर्स ड्रग रिएक्शन मॉनिटरिंग सेंटर और रीजनल ट्रेनिंग सेंटर के रूप में कार्य करता है।

इस अवसर पर कार्यक्रम का उद्घाटन एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) माधवानंद कर ने किया। उन्होंने मरीजों की सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग और स्वास्थ्य पेशेवरों के निरंतर प्रशिक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। सीएमई में 120 से अधिक स्वास्थ्य पेशेवरों ने भाग लिया, जिनमें डॉक्टर, फार्मासिस्ट, नर्स, दंत चिकित्सक एवं विभिन्न मेडिकल, आयुष और फार्मेसी कॉलेजों, डेंटल कॉलेजों तथा भोपाल और विदिशा के एनएबीएच मान्यता प्राप्त अस्पतालों के स्नातकोत्तर छात्र शामिल थे। यह कार्यक्रम फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया द्वारा प्रायोजित था। प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रियाओं की सक्रिय रिपोर्टिंग करने वाले स्वास्थ्य पेशेवरों को 'पेशेंट सेफ्टी चैंपियन' के रूप में सम्मानित किया गया।

साथ ही, एम्स भोपाल के त्वचा रोग विभाग को 'पेशेंट सेफ्टी चैंपियन ट्रॉफी' प्रदान की गई। सीएमई में विभिन्न विषयों पर सत्र आयोजित किए गए, जिनमें त्वचा संबंधी प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रियाओं की पहचान एवं प्रबंधन, फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया की भूमिका एवं कार्यप्रणाली तथा प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रिया रिपोर्टिंग की विधियां शामिल रहीं।

ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन में दाखिले का अंतिम मौका

भोपाल। एमपी के कॉलेजों में ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन की क्लासेस में दाखिले के लिए अब अंतिम मौका दिया जा रहा है। उच्च शिक्षा विभाग ने स्पेशल सीएलसी राउंड की घोषणा की है, जिसमें विद्यार्थी पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर प्रवेश पा सकेंगे। कॉलेज में दाखिले का यह आखरी मौका है। स्पेशल राउंड में आखरी दिन शाम 5 बजे तक फीस जमा कर एडमिशन लेना अनिवार्य है। इसके बाद कॉलेज में प्रवेश मान्य नहीं होगा। जानकारी के मुताबिक, यह चरण 1 सितंबर से 6 सितंबर तक होगा। इस दौरान विद्यार्थी सीधे संबंधित कॉलेज पहुंचकर अवेलेबल सीट पर एडमिशन ले सकेंगे। आदेश में कहा गया है कि यह कॉलेजों में प्रवेश का अंतिम चरण होगा। इसमें विद्यार्थी केवल रजिस्टर्ड सीट पर ही दाखिला पा सकेंगे।

रानी कमलापति-दानापुर-रानी कमलापति के मध्य पूजा स्पेशल ट्रेन का संचालन

रेल प्रशासन त्यौहारों पर यात्रियों को बेहतर सुविधा प्रदान करने हेतु सदैव प्रयासरत

भोपाल ■ निसं

रेल प्रशासन द्वारा त्यौहारों पर यात्रियों को बेहतर सुविधा प्रदान करने हेतु सदैव प्रयासरत रहता है। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेल ने दुर्गा, दिवाली एवं छठ पूजा त्यौहारों के पर्व पर अतिरिक्त यात्री यातायात को क्लीयर करने एवं यात्रियों की सुविधा के लिए रानी कमलापति-दानापुर-रानी कमलापति के मध्य द्वि-साप्ताहिक 11-11 ट्रिप पूजा स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह गाड़ी पश्चिम मध्य रेल के रानी कमलापति से प्रस्थान कर नर्मदापुरम , इटारसी, पीपरिया, गाडरवारा, नरसिंहपुर, जबलपुर, सिहोरा रोड, कटनी, मैहर एवं सतना स्टेशनों से होकर गन्तव्य को जाएगी। इस स्पेशल ट्रेन की पश्चिम मध्य रेल के स्टेशनों की विस्तृत जानकारी निम्न है।

पूजा स्पेशल ट्रेन गाड़ी संख्या 01667 रानी कमलापति से दानापुर स्पेशल ट्रेन 27 सितंबर से 1 नवंबर 2025 तक द्वि-साप्ताहिक शनिवार एवं मंगलवार को एक्सप्रेस ट्रेन रानी कमलापति स्टेशन से दोपहर 14:25 बजे प्रस्थान कर, नर्मदापुरम 15:25 बजे , इटारसी 15:55 बजे, पीपरिया 17:10 बजे, गाडरवारा 17:45 बजे, नरसिंहपुर 18:25 बजे, जबलपुर रात 19:25 बजे, सिहोरा रोड 20:10 बजे, कटनी 21:20 बजे, मैहर 22:10 बजे, सतना 22:45 बजे पहुँचकर और अगले दिन रविवार एवं बुधवार को सुबह 08:45 बजे दानापुर स्टेशन पहुँचेगी।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01668 दानापुर से रानी कमलापति स्पेशल ट्रेन 28 सितंबर से 2 नवंबर 2025 तक द्वि-साप्ताहिक रविवार एवं बुधवार को एक्सप्रेस ट्रेन दानापुर स्टेशन से सुबह 11:00 बजे प्रस्थान कर प्रयागराज छिवकी रात 20:30 बजे, पहुंचकर अगले दिन सतना मध्य रात्रि 00:55 बजे, मैहर 01:28 बजे, कटनी 02:30 बजे, सिहोरा रोड 03:13 बजे, जबलपुर 03:50 बजे, नरसिंहपुर 05:00 बजे , गाडरवारा 05:30 बजे, पिपरिया 06:00 बजे, इटारसी 0710 बजे, नर्मदापुरम 07:48 बजे पहुंचकर और सोमवार एवं गुरुवार को सुबह में 08:55 बजे रानी कमलापति स्टेशन पहुँचेगी।

भोपाल मंडल से गुजरने वाली 9 स्पेशल ट्रेनों के फेरे बढ़ाए

रेल प्रशासन द्वारा आगामी त्यौहारों को देखते हुए एवं यात्रियों की सुविधा तथा उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से मौजूदा कोच संरचना, पथ और समय पर स्पेशल ट्रेनों के फेरों को विस्तारित किया गया है। विस्तारित स्पेशल ट्रेनें पश्चिम रेलवे से प्रारम्भ होकर पश्चिम मध्य रेल से होकर गुजरती है। इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है :-

- ट्रेन संख्या 09025 वलसाड-दानापुर स्पेशल 29 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09026 दानापुर - वलसाड स्पेशल को 30 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। यह ट्रेन पमरे के इटारसी, मदनमहल, कटनी एवं सतना से गुजरती है।
- ट्रेन संख्या 09031 उधना-जयनगर स्पेशल को 28 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09032 जयनगर-उधना स्पेशल को 29 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। यह ट्रेन पमरे के इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, मदनमहल, कटनी एवं सतना से गुजरती है।
- ट्रेन संख्या 09039 उधना-धनबाद स्पेशल को 26 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09040 धनबाद-उधना स्पेशल को 28 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। यह ट्रेन पमरे के इटारसी, जबलपुर, कटनी एवं सतना से गुजरती है।
- ट्रेन संख्या 09045 उधना-पटना स्पेशल को 26 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09046 पटना-उधना स्पेशल को 27 दिसंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

जनजातीय छात्र-छात्राओं को एयरफोर्स भर्ती की मिली विशेष जानकारी

भोपाल ■ निसं

जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त कार्यालय एवं एयरमैन सिलेक्शन सेंटर,भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में विभागीय छात्रावासों में निवासरत छात्र-छात्राओं के लिए भारतीय वायुसेना में भर्ती प्रक्रिया पर केंद्रित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, काउंसलिंग अधिकारी अमित कुमार अरजरिया तथा एयरफोर्स की ओर से कमांडिंग ऑफिसर सहित एयरमैन सिलेक्शन टीम के सदस्य उपस्थित रहे। एयरमैन सिलेक्शन सेंटर के इंस्ट्रक्टर ने विद्यार्थियों को वायुसेना के विभिन्न तकनीकी एवं गैर- तकनीकी शाखाओं में भर्ती की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने आवश्यक शैक्षणिक योग्यता, शारीरिक मानक, मेडिकल स्टैंडर्ड तथा चयन प्रक्रिया से जुड़े चरणों की जानकारी दी। इसके साथ ही अग्निवीर योजना के अंतर्गत मिलने वाले वेतन और भत्तों की जानकारी भी साझा की।

कार्यशाला में विद्यार्थियों को प्रेरित करने के उद्देश्य से भारतीय वायुसेना के इतिहास और वर्तमान उपलब्धियों पर आधारित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

संक्षिप्त समाचार

उज्जैन में एक फोन से एसडीएम की नींद उड़ी

उज्जैन। उज्जैन में एक धमकी भरे फोन ने एसडीएम की नींद उड़ा दी। उन्होंने बड़नगर थाने में मामला दर्ज कराया, जिसमें पीडब्ल्यूडी की महिला एसडीओ पर आरोप लगाए हैं। एसडीएम ने पुलिस को बताया कि फोन करने वाले ने खुद को एसडीओ का मामा बताते हुए देख लेने की धमकी दी है। बड़नगर एसडीएम धीरेंद्र पराशर ने पुलिस को बताया कि उन्होंने सावन सवारी के दौरान पीडब्ल्यूडी की एसडीओ साक्षी तंतवाय को बैरिकेडिंग की व्यवस्था करने को कहा था, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। पराशर ने इसकी शिकायत कलेक्टर से की थी। एसडीओ साक्षी का कहना है कि किसी तरह की धमकी नहीं दिलवाई। मेरे संज्ञान में ये मामला आया तो मैं भी थाने गई थी।

जिला अस्पताल में हंगामा, जननी एंबुलेंस पर किया पथराव

सतना। सतना जिला अस्पताल में शुक्रवार देर रात बड़ा हंगामा हो गया। मरीज को रेफर करने के दौरान परिजनों और एंबुलेंस चालकों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि परिजनों ने दो जननी एंबुलेंस पर ही हमला कर दिया। गुस्साए लोगों ने पत्थरबाजी कर वाहनों के शीशे चकनाचूर कर दिए और तोड़फोड़ मचाई। इस घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, 45 वर्षीय मरीज अर्चना नामदेव को गंभीर हालत के चलते जिला अस्पताल से रीवा रेफर किया गया था। नियमों के तहत डॉक्टरों ने परिजनों को 108 एंबुलेंस बुलाने की सलाह दी, लेकिन परिजन तुरंत अस्पताल की जननी एंबुलेंस को अपने साथ ले जाने पर अड़ गए। इस पर एंबुलेंस चालकों ने आपत्ति जताई और कहा कि जननी वाहन सिर्फ गर्भवती महिलाओं के लिए आरक्षित है। इसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया और देखते ही देखते मामला बढ़ते-बढ़ते तोड़फोड़ तक पहुंच गया।

टाइगर रिजर्व से गांव पहुंचा हाथियों का दल, खेतों में मचाई तबाही

उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के ताला कोर क्षेत्र से निकलकर चार जंगली हाथी शुक्रवार रात मानपुर बफर परिक्षेत्र के मझखेता गांव में पहुंच गए। हाथियों के अचानक गांव की ओर रुख करने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। बताया गया कि हाथियों ने गांव से सटे खेतों में खड़ी धान की फसल को बुरी तरह नुकसान पहुंचाया। पिछले कुछ वर्षों से बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में हाथियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि हाथियों का झुंड भोजन और पानी की तलाश में कई बार कोर एरिया से बाहर निकलकर गांवों की तरफ आ जाता है। कभी ये हाथी खेतों में फसल उजाड़ देते हैं, तो कभी घरों के पास पहुंच जाने से ग्रामीणों की जान पर भी खतरा मंडराता है। यही वजह है कि स्थानीय लोगों में हाथियों की मौजूदगी को लेकर हमेशा डर का माहौल रहता है। शुक्रवार रात जब हाथियों का झुंड मझखेता गांव की तरफ बढ़ा तो ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी। देखते ही देखते दर्जनों लोग घरों से बाहर निकल आए। किसी ने मशाल जलाई, तो किसी ने टीन बजाना शुरू किया।

जबलपुर में बचपन के दोस्त ने रची हत्या की साजिश

गर्लफ्रेंड और ड्राइवर ने युवक की लाश को नहर में फेंका, पीएम रिपोर्ट से खुलासा

जबलपुर ■ निसं

जबलपुर में एक युवक नितेश विश्वकर्मा की हत्या का चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। 24 अगस्त की रात घर से निकले नितेश की लाश 26 अगस्त को बरगी के सगड़ा नहर में मिली थी। शुरुआत में इसे आत्महत्या समझा गया, लेकिन पीएम रिपोर्ट और पुलिस जांच में सामने आया कि नितेश की हत्या की गई थी। हत्या की साजिश उसके बचपन के दोस्त रमनदीप, गर्लफ्रेंड मीनाक्षी और ड्राइवर तौकीर ने मिलकर रची थी। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

रमनदीप, मास्टरमाइंड

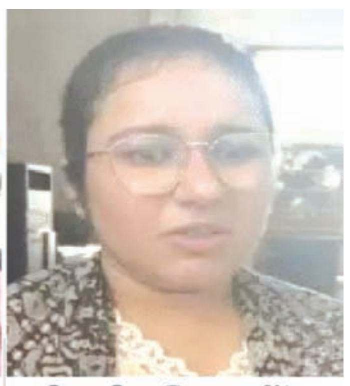

मीनाक्षी भाटिया, गर्लफ्रेंड

नहर किनारे मिली लाश और कार: 24 अगस्त की रात रांझी थाना क्षेत्र के संजय नगर निवासी 26 वर्षीय नितेश विश्वकर्मा इनोवा कार लेकर घर से निकला था। देर रात तक घर नहीं लौटने पर पिता ने कॉल किया, लेकिन फोन बंद मिला। अगले दिन परिजनों ने रांझी थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

26 अगस्त की शाम बरगी थाना पुलिस को नहर किनारे एक इनोवा कार खड़ी होने की सूचना मिली। कार खुली हुई थी, लेकिन उसमें कुछ नहीं मिला। थोड़ी ही दूरी पर पानी में झाड़ियों के बीच नितेश की लाश बरामद की गई।

दोस्त बना हत्याकांड का मास्टरमाइंड: पुलिस जांच में पता चला कि नितेश विश्वकर्मा का रांझी मस्ताना चौक निवासी रमनदीप बचपन का दोस्त था। दोनों स्कूल के समय से साथ रहते थे। अप्रैल 2024 में उन्होंने मिलकर बैंक से दो हाइवा गाड़ियां फाइनेंस कराई। इन्हें उदयपुर से खरीदा गया था।

गाड़ियां लेने के बाद रमनदीप ने कहा कि पूरा व्यापार मैं संभालूंगा और हिसाब-किताब भी मैं ही संभालूंगा। कुछ समय बाद उसने नितेश को बताया कि काम में 13 लाख रुपए का नुकसान हो गया है।

इस पर नितेश ने विरोध जताया और कहा कि जब सारा काम तूम देख रहे हो तो नुकसान भी तुम्हारा ही होना चाहिए। इसी बात को लेकर एक माह पहले दोनों के बीच विवाद हुआ था। इसी विवाद के बाद रमनदीप ने नितेश की हत्या की साजिश रच डाली।

गर्लफ्रेंड और ड्राइवर ने दिया साथ

पुलिस के अनुसार हत्या की साजिश में रमनदीप की गर्लफ्रेंड मीनाक्षी भाटिया और ड्राइवर तौकीर भी शामिल थे। तीनों ने मिलकर योजना बनाई और रमनदीप ने गौर स्थित एक होटल से मीनाक्षी और तौकीर को लगातार निर्देश दिए। इसी प्लान के तहत नितेश की हत्या की गई और लाश नहर में फेंक दी गई।

प्लान के मुताबिक रमन ने 24 अगस्त को मीनाक्षी से कहा कि नितेश को कॉल करके शहर में बुलाओ। फिर उसे बरगी डैम घूमने के लिए ले जाना। युवती ने वही किया जो रमनदीप ने कहा था। मीनाक्षी के कहने पर नितेश शहर पहुंचा, और फिर दोनों साथ में बरगी के लिए निकल गए। इस दौरान दोनों ने साथ में शराब भी पी।

इधर, रमनदीप पल-पल की खबर ले रहा था। दोनों के पीछे उसने अपने ड्राइवर तौकीर खान को लगा रखा था। मीनाक्षी नितेश की कार में बैठकर नहर के किनारे पहुंची। अधिक शराब पीने के कारण नितेश को होश कम था।

सीएलसी का अंतिम चरण है स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश ले सकती है

पहले आओ पहले पाओ के आधार पर 1 से 6 सितम्बर 2025 तक

बुदनी ■ बसंत मांझी

उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिये मध्यप्रदेश के शासकीयअनुदान प्राप्त अशासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश हेतु पहले आओ पहले पाओ के आधार पर 1 सितम्बर से 6 सितम्बर 2025 तक विशेष सीएलसी चरण की अनुमति प्रदान की जाती है। यह प्रवेश का अंतिम चरण है जिसकी प्रक्रिया निम्नानुसार है समस्त प्रवेश पहले आओ पहले पाओ के आधार पर प्रदान किया जायेंगे ।सुविधा केवल रिक्त सीटों के लिए होगी ।रिक्त सीटों की जानकारी विद्यार्थी के लॉगिन एवं महाविद्यालय के लॉगिन पर प्रदर्शित होंगी ।पंजीकृत विद्यार्थी सम्बंधित महाविद्यालय में सीधे प्रवेश शुल्क जमा कर प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे ।विद्यार्थी जिस महाविद्यालय में प्रवेश चाहता है वहां सीट रिक्त होने पर सीधे महाविद्यालय पहुँच कर प्रवेश प्राप्त कर सकेगा ।प्रवेश के विषय में समस्त जानकारी/समस्या हेतु सम्बंधित महाविद्यालय के हेल्प सेंटर पर संपर्क करें ।नवीन पंजीकृत विद्यार्थी केवल एक कॉलेज में पंजीयन कर सकेंगे। सम्बंधित महाविद्यालय के हेल्प सेंटर पर वेरिफिकेशन उपरांत शुल्क जमा कर उसी दिन प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे। मेजर माइनर के अतिरिक्त अन्य विषय में प्रवेश प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की पात्रता विश्विद्यालय अपने स्तर पर निर्धारित कर सकेंगे। समस्त सम्बंधित प्राचार्य विश्विद्यालय से समन्वय कर पात्रता निर्धारण की कार्यवाही करेंगे ।उक्त प्रक्रिया 1 सितंबर से 6 सितंबर 2025 तक आयोजित की जाएगी।

उक्त प्रक्रिया के अंतर्गत 6 सितंबर 2025 को शाम 5 बजे तक प्रवेश शुल्क जमा कर प्रवेश प्राप्त किया जा सकता है । 6 सितंबर 2025 को निर्धारित समय के बाद प्रवेश मान्य नहीं होंगे।

प्रेस क्लब खरगोन सिटी चुनाव 4 सितंबर को, पत्रकारों में भारी उत्साह

खरगोन ■ निसं

शहर में प्रेस क्लब खरगोन सिटी के चुनाव 4 सितंबर को होंगे। चुनाव को लेकर शहर के पत्रकारों में भारी उत्साह। 11 सदस्यीय निर्वाचन समिति ने अधिक से अधिक पत्रकार साथियों को मतदान कराने की मंशा से निष्पक्ष लिए निर्णय।

खरगोन में लंबे समय से पत्रकार प्रेस क्लब चुनाव की प्रतीक्षा में थे। पत्रकारों के चुनाव को लेकर पिछले दिनों एक बैठक आहूत गई थी और उसमें चुनाव संचालक मंडल सहित चुनाव अधिकारी नियुक्त किये गए थे। इस संचालक मंडल में चुनाव अधिकारी सहित 11 सदस्सीय चुनाव संचालन समिति गठन किया गया था।

इसमें मुख्य चुनाव अधिकारी के रूप में वरिष्ठ पत्रकार आशुतोष पुरोहित, सहायक चुनाव अधिकारी उमेश रेवलिया, तरुण सोनी नियुक्त किया गया था। मुख्य चुनाव अधिकारी श्री पुरोहित ने कहा निर्वाचन संचालन समिति की कई दौर की बैठक के बाद पत्रकारों की मतदाता सूची को मूर्त रूप दिया गया। इसमें लगभग 125 से अधिक पत्रकार अपने मत का प्रयोग करेंगे। सहायक चुनाव अधिकारी श्री रेवलिया एवं श्री सोनी सहित चुनाव संचालन समिति ने पत्रकारों से अपील की है कि समस्त पत्रकार साथी मतदान प्रक्रिया में शामिल होकर पत्रकारिता के मूल्यों की रक्षा हितार्थ प्रेस क्लब खरगोन सिटी को मजबूती प्रदान करें। चुनाव संचालक मंडल में वरिष्ठ पत्रकार, अजीजुद्दीन शेख, ओम रामणेकर, नरेंद्र भटोरे, संदीप ठक्कर, विशाल छटीए, श्याम कुशवाह, अनवर ज़िन्दरान, नाजिम शेख शामिल हैं।

उज्जैन के महिदपुर में धार्मिक चल समारोह के दौरान स्टंटबाजी

उज्जैन। उज्जैन के पास महिदपुर में धार्मिक चल समारोह के दौरान ट्रैक्टर से स्टंट कर रहे ड्राइवर का बैलेंस बिगड़ गया और ट्रैक्टर पलट गया। इसका वीडियो भी सामने आया है। इस दौरान ड्राइवर समेत 6 लोग ट्रैक्टर पर सवार थे। महिदपुर में शुक्रवार को देवनारायण भगवान का चल समारोह निकल रहा था। दोपहर करीब 1 बजे यात्रा में शामिल एक ट्रैक्टर चालक गाने की धुन पर ट्रैक्टर चलाने का प्रयास करते हुए स्टंटबाजी करने लगा। चालक ने थाने के सामने ही ट्रैक्टर को तेज गति से लापरवाहीपूर्वक बीच सड़क पर घुमाया। बैलेंस बिगड़ने पर ट्रैक्टर पलट गया और उस पर सवार सभी गिर गए। हालांकि समारोह में शामिल लोगों ने तुरंत सभी को निकालकर ट्रैक्टर सीधा कर दिया। हादसे में किसी को चोट नहीं आई, लेकिन सार्वजनिक आयोजन में भीड़ के सामने इस तरह के स्टंट को लेकर जिम्मेदारों पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

शासकीय कुसुम महाविद्यालय में व्याख्यान माला का आयोजन

सिवनी मालवा ■ निसं

नगर की शासकीय कुसुम स्नातकोत्तर महाविद्यालय जिला नर्मदापुरम में आज स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं क्रीडा विभाग के अंतर्गत राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ राजेश कुमार रघुवंशी के मार्गदर्शन में व्याख्यान माला का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में मेजर ध्यानचंद जी की छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई द्य इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन पर राष्ट्रीय खेल दिवस मनाता है ताकि खेल जगत के दिग्गजों का सम्मान किया जा सके और शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा दिया जा सके। 2025 का विषय, शांतिपूर्ण समाज को बढ़ावा देने के लिए खेल , एकता और टीम वर्क को बढ़ावा देने में खेलों की भूमिका पर ज़ोर देता है द्य इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री नारायण बावरिया ब्लॉक सामान्य खेल एवं युवक कल्याण विभाग सिवनी मालवा ने विद्यार्थियों को बताया कि खेलों में कई गैर-एथलेटिक करियर विकल्प मौजूद हैं, जिनमें खेल विपणन, इवेंट मैनेजमेंट, खेल पत्रकारिता, कोचिंग, खेल मनोविज्ञान, खेल प्रबंधन और खेल डेटा विश्लेषण जैसे क्षेत्र शामिल हैं। नौकरी के अवसरों के लिए डिग्री, प्रमाणन या शॉर्ट-टर्म कोर्स के साथ-साथ इंटर्नशिप और नेटवर्किंग से अनुभव प्राप्त करना महत्वपूर्ण है।

नर्मदा अंचल कबड्डी अकादमी ने रचा इतिहास

बालिका वर्ग राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम, बालक वर्ग राज्य स्तरीय में उपविजेता

सिवनी मालवा ■ निसं

नर्मदा अंचल कबड्डी अकादमी सिवनी मालवा की बालिका टीम ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार उपलब्धि हासिल कर नगर का नाम रोशन किया है। महाराष्ट्र के चिपलून में आयोजित लागोरी नेशनल टूर्नामेंट में बालिका वर्ग ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में देशभर की 12 टीमें शामिल हुई थीं।

अकादमी की संरक्षक एवं विकासखंड स्रोत समन्वयक संगीता यादव ने बताया कि कोच पलक राठौर के नेतृत्व में टीम की कप्तान कनक जाट और खिलाड़ी ईशीका जाट, रक्षा राजपूत, डाली भिलाला, वंदना, एल्विन, भूमि और एनी ने दमदार प्रदर्शन किया।

इसी प्रकार अकादमी की बालक टीम ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट खेल दिखाते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस टीम में आकाश सोलंकी, अल्फेज, युवराज लोवंशी, आकाश उईके, आशीष, वेदांत, नक्श लोवंशी, अफजल खान, सिद्धार्थ भार्गव, आनंद, आयुष, रितेश और आर्यन शामिल रहे।

दोनों टीमों की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर खिलाड़ियों का नगरवासियों ने फूल-मालाओं और पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम में संगीता यादव, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा दीपिका यादव, नगर पालिका उपाध्यक्ष स्वार्थी शैलेंद्र, लीना यादव शर्मा, अंजली सोनी, पूर्णिमा जोशी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

इसके अतिरिक्त भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा द्वारा जिला अध्यक्ष प्रीति शुक्ला की अध्यक्षता में खिलाड़ियों का विशेष सम्मान किया गया।

बच्चे की मौत के मामले में ड्राइवर को सजा

स्कूल से 19 बच्चे बिठाकर ले जा रहा था, 3 साल की सजा, 5 हजार जुर्माना

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर में एक स्कूली बच्चे की मौत के मामले में अपर सत्र न्यायालय ने ऑटो चालक को दोषी करार दिया है। ऑटो चालक कमल प्रजापति को 3 साल की सजा और 5 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है।

घटना 19 नवंबर 2018 की है। स्काई लार्क पब्लिक स्कूल का छात्र सूरज अपनी बहन के साथ ऑटो में स्कूल से घर लौट रहा था। ऑटो में क्षमता से अधिक 19 बच्चे सवार थे। रास्ते में सूरज ऑटो से गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया।

स्कूल के शिक्षक सत्यपाल ने घटना की सूचना बच्चे के परिवार को दी। शिक्षक के साथ सूरज को अस्पताल ले जाया गया। जेएएच के ट्रामा सेंटर में डॉक्टरों ने सूरज को मृत घोषित कर दिया।

पीड़ित के पिता अशोक नरवरिया की शिकायत पर महाराजपुरा थाने में ऑटो चालक और शिक्षक के खिलाफ मामला दर्ज किया था। न्यायालय ने शिक्षक सत्यपाल को बरी कर दिया। लेकिन, लापरवाही से ऑटो चलाने और क्षमता से अधिक बच्चे बिठाने के आरोप में चालक को दोषी पाया गया।

क्षमता से ज्यादा बच्चे ऑटो में बिठाने का था आरोप: ऑटो चालक ने 19 बच्चों को बिठाया था। क्षमता से ज्यादा बच्चे बैठे होने के बावजूद वह लापरवाही से ऑटो चला रहा था। इसके चलते सूरज ऑटो से गिर गया था।

संकुल प्राचार्य की उपस्थिति में हुआ विदाई समारोह, ग्रामीण जन भी रहे उपस्थित

सिवनी मालवा ■ निसं

संकुल केंद्र शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल हिरन खेड़ा के अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल मकोडिया में पदस्थ माध्यमिक शिक्षक प्रतिभा नामदेव को अर्धवार्षिकी आयु 62 वर्ष पूर्ण करने के उपरांत समारोह आयोजित कर भावभीनी विदाई दी गई कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन अर्चन के पश्चात की गई कार्यक्रम का संचालन शाला के शिक्षक शैलेंद्र रामटेके द्वारा किया गया साल में पदस्थ शिक्षिका रीमा सिंह द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया संकुल प्राचार्य द्वारा शाल श्रीफल से स्वागत किया गया तथा सेवानिवृत्ति प्रमाण पत्र भी दिया गया संस्था के छात्र-छात्राओं ग्रामीण जनों तथा संस्था की ओर से भी स्मृति चिन्ह दिए गए संकुल प्राचार्य द्वारा बताया गया कि शासन से बीमा, ग्रेच्युटी, एनपीएस का भुगतान समय सीमा में किया जाएगा संस्था के प्राचार्य ए0जी0 गोस्वामी द्वारा भी शुभकामनाएं प्रेषित की गई कार्यक्रम में संकुल प्राचार्य राकेश साहू, सोमलवाडा प्राचार्य राममोहन रघुवंशी, ग्राम सरपंच ताराबाई, उप सरपंच प्रतिनिधि राम सुभाष लोवंशी, पूर्व उप सरपंच रामकृष्ण लोवंशी, विधायक प्रतिनिधि गोविंद लोवंशी, सचिव जसवीर यादव, लोकेश गौर, मुकेश दीवान, गोहरपाल नामदेव, हरिप्रसाद परेवा, राधिका नामदेव, आशा बरखने तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित थी।

महापौर अमृता अमर यादव के मार्गदर्शन में कार्यक्रम आयोजित

नगर निगम सभागृह में मूर्तिकारों एवं व्यवसायियों का सम्मान समारोह सम्पन्न

खरगोन ■ निसं

आज नगर निगम सभागृह में नगर निगम अध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा, एमआईसी सदस्य राजेश यादव, सोमनाथ काले तथा आयुक्त मती प्रियंका राजावत की अध्यक्षता एवं निर्देशन में मूर्ति निर्माण प्रशिक्षकों, आईईसी कार्यकर्ताओं, मूर्तिकारों एवं व्यवसायियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर 50 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत: कार्यक्रम का शुभारंभ गणपति बप्पा मोरया के जयघोष से हुआ। मंच संचालन कर रहे सहायक जनसंपर्क अधिकारी गौरव खरे ने सर्वप्रथम एमआईसी सदस्य सोमनाथ काले को आमंत्रित किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में उपस्थित सभी मूर्तिकारों और व्यवसायियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि आप सबने इतने कम समय में निगम और पर्यावरण को इस पहल के ज़रिए जो सहयोग दिया है, वह वास्तव में सराहनीय है।

प्रशिक्षण और निःशुल्क प्रतिमा निर्माण: इसके पश्चात मास्टर ट्रेनर धर्मेन्द्र जोहरी ने बताया कि इस वर्ष मौसम प्रतिकूल होने के बावजूद उनकी टीम ने निःशुल्क 250 से अधिक मिट्टी की गणेश प्रतिमाएँ निर्मित कर वितरित कीं।

अध्यक्ष एवं आयुक्त का संदेश: अध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा ने अपने उद्बोधन में स्पष्ट किया कि POP की मूर्तियाँ जलाशयों एवं जीव-जंतुओं के लिए गंभीर खतरा हैं, क्योंकि ये जल में आसानी से विलय नहीं होतीं और लंबे समय तक प्रदूषण फैलाती रहती हैं। उन्होंने कहा कि मिट्टी की प्रतिमा न केवल पर्यावरण-अनुकूल है, बल्कि भगवान गणेश के प्रति सच्ची श्रद्धा का प्रतीक भी है।

आयुक्त श्रीमती प्रियंका राजावत ने कहा कि इस वर्ष 75% से अधिक मूर्तिकारों और व्यवसायियों ने मिट्टी की प्रतिमाएँ बनाईं और बेचीं। आगामी वर्ष हमारा लक्ष्य 100% रहेगा और इसे हम दृढ़ता से पूरा करेंगे। उन्होंने साथ ही नगर निगम द्वारा बनाए गए कृत्रिम विसर्जन कुंडों की जानकारी साझा की और अपील की कि सभी नागरिक मिट्टी की मूर्तियों का उपयोग करें और विसर्जन केवल कृत्रिम कुंडों में करें।

सम्मान समारोह: इसके उपरांत सम्मान समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें मास्टर ट्रेनर धर्मेन्द्र जोहरी सहित अनेक मूर्तिकारों और समूहों को सम्मानित किया गया। इनमें प्रमुख रूप से –

- अर्पणा सोनाने (दिव्यांग छात्रावास में प्रशिक्षण दिया)
- एनआरएलएम महिला मंडल- रेखा बाई, चेतन प्रजापति (राधे-राधे सेल्फ हेल्प ग्रुप)
- राकेश पन्नालाल, मधुरी राजेश, शुभम प्रजापति, राहुल प्रजापति, गौतम प्रजापति, गोपाल प्रजापति, राजेन्द्र प्रजापति, विजय प्रजापति, महेश प्रजापति, सुनील प्रजापति, श्याम प्रजापति, दिलीप प्रजापति, अश्विनी प्रजापति, पवन प्रजापति, शारदा प्रजापति सहित अन्य नाम शामिल हैं।

बारिश से नाले का पानी अस्पताल के आईसीयू वार्ड में घुसा, स्टाफ और मरीजों के परिजन हुए परेशान

खरगोन। मध्य प्रदेश के निमाड़ अंचल में इन दिनों बारिश का दौर जारी है। खंडवा, खरगोन, बड़वानी और बुरहानपुर जिलों में रुक-रुककर बारिश हो रही है। तेज हवा और आंधी के चलते कई स्थानों पर फसलों को नुकसान पहुंचा है। कुछ जगहों पर खेतों में जलभराव से पूरी की पूरी फसलें तबाह हो चुकी हैं। खरगोन जिले में शुक्रवार देर शाम शुरू हुई मूसलाधार बारिश करीब तीन घंटे तक जारी रही। भारी बारिश से नदी-नाले उफान पर आ गए। जिला अस्पताल के बाहर का नाला भी बरसाती पानी से ओवरफ्लो हो गया जिससे जलजमाव की स्थिति बन गई।

नाले का पानी अस्पताल परिसर में भी घुस गया, जिससे आईसीयू वार्ड में जलभराव हो गया। पानी भरने से मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। परिजनों को स्टूल और पलंग का सहारा लेना पड़ा, वहीं गलियारों में पानी भरने से उन्हें उसी पानी से होकर गुजरना पड़ा।

अनमोल वचन

एक बुद्धिमान व्यक्ति के प्रश्न में ही आधा उत्तर छिपा रहता है।
सोलोमन इब्न गेबिरोल

हमारी पहचान हमेशा हमारे द्वारा छोड़ी गई उपलब्धियों से होती है।
अमरीकी कहावत

भारत-जापान दोस्ती से नये वैश्विक संतुलन की कोशिश

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारत-जापान ज्वाइंट इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए जापान की टेक्नोलॉजी और भारत के टैलेंट से दोनों देशों के साथ दुनिया की तस्वीर बदलने की बात कही। भारत की विकास यात्रा में जापान की अहम भूमिका रही है। मेट्रो से मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर से स्टार्टअप तक अनेक विकास, तकनीकी एवं औद्योगिक क्षेत्रों में हमारी साझेदारी आपसी विश्वास का प्रतीक बना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा केवल एक राजनयिक औपचारिकता नहीं, बल्कि इक्कीसवीं सदी की नई एशियाई शक्ति संरचना का संकेत है। यह यात्रा भारत और जापान के बीच 'दोस्ती के नए दौर' का आगाज है, जो वैश्विक व्यापार, सुरक्षा और रणनीतिक संतुलन पर गहरा असर डालेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारत-जापान ज्वाइंट इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए जापान की टेक्नोलॉजी और भारत के टैलेंट से दोनों देशों के साथ दुनिया की तस्वीर बदलने की बात कही। भारत की विकास यात्रा में जापान की अहम भूमिका रही है। मेट्रो से मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर से स्टार्टअप तक अनेक विकास, तकनीकी एवं औद्योगिक क्षेत्रों में हमारी साझेदारी आपसी विश्वास का प्रतीक बना है। भारत विश्व की सबसे तेज विकसित होती अर्थ-व्यवस्था है। बहुत जल्द विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा, जिसमें दोनों देशों की निकटता से नये आयाम उद्घाटित होंगे। आज वैश्विक परिदृश्य में सबसे बड़ी चुनौती अमेरिका और चीन, अमेरिका एवं भारत के बीच चल रही 'टैरिफ वार' है। अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी शुल्क ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार की दिशा बदल दी है। इस टकराव का असर केवल अमेरिका-चीन पर नहीं पड़ा, बल्कि भारत जैसे उभरते बाजारों और विकसित होते देशों पर भी गहरा संकट आया है। भारत के निर्यात को नुकसान पहुँचा है, कच्चे माल की कीमतों में अस्थिरता आई है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है। ऐसे समय में भारत-जापान का एक-दूसरे के और नजदीक आना एक 'रणनीतिक अवसर' है। जापान तकनीक, पूँजी और नवाचार में अग्रणी है, वहीं भारत के पास विशाल मानव संसाधन, बड़ा बाजार और विकास की अपार संभावनाएं हैं। मोदी की यह यात्रा इन दोनों शक्तियों को एक साझा मंच पर लाने का प्रयास है, ताकि अमेरिका की टैरिफ वार से बने शून्य की भरपाई की जा सके।

निश्चित ही अमेरिका का भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाना भारत के सामने एक बड़ी चुनौती है और इस चुनौती का सामना करने में भारत सक्षम भी है। इन्हीं जटिल स्थितियों के बीच भारत अपने उत्पादों के लिए नए बाजार की तलाश में है। प्रधानमंत्री मोदी जापान के बाद चीन जाएंगे और वहां एससीओ समिट में भी हिस्सा लेंगे। चीन में प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन से भी हो सकती है। मोदी की यह जापान यात्रा केवल व्यापार तक सीमित नहीं है। चीन के विस्तारवाद, अमेरिका की अनिश्चित नीतियों और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे हालात में भारत और जापान का साथ आना 'संतुलनकारी शक्ति' की तरह काम करेगा। दोनों देशों ने 'इंडो-पैसिफिक रणनीति' को मजबूती देने पर जोर दिया है, जिसका उद्देश्य एशिया में शांति, स्थिरता और मुक्त व्यापार सुनिश्चित करना है।

जापान भारत का पूराना मित्र राष्ट्र है। भारत और जापान के रिश्तों की नींव कोई आज की नहीं है। आठवीं शताब्दी में बोधिसेना नामक भारतीय साधु ने नारा के तोदाईजी मंदिर में भगवान बुद्ध की मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा की थी। यह पहला ऐतिहासिक संपर्क माना जाता है। आगे चलकर स्वामी विवेकानंद, रवींद्रनाथ टैगोर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और जस्टिस राधा बिनोद पाल जैसी हस्तियों ने दोनों देशों के रिश्तों को गहरा किया। आजादी की लड़ाई के दौरान नेताजी सुभाषचन्द्र बोस और आजाद हिन्द फौज को जापान से मिला समर्थन एवं सहयोग इस बात का प्रमाण है कि दोनों देशों के रिश्ते सन् 1947 से पहले से ही प्रगाढ़ एवं मित्रतापूर्ण थे। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद भारत ने जापान के साथ अलग शांति संधि की, जिससे दोनों देशों के बीच आधिकारिक रिश्तों की शुरुआत हुई। आज भारत-जापान साझेदारी में रक्षा, विज्ञान, शिक्षा, संस्कृति और रणनीतिक सुरक्षा जैसे कई क्षेत्र शामिल हैं। मित्रता एवं सहयोग की यह विरासत आज भी जारी है, यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी की यह जापान की 8वीं यात्रा है। उन्होंने जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा को 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित करने के लिए धन्यवाद भी दिया।

मोदी की यह जापान यात्रा निश्चित तौर पर दूरगामी उद्देश्यों से जुड़ी है। दोनों देशों के साझेदारी से नयी दिशाएं उद्घाटित होंगी, हालांकि इस साझेदारी की राह आसान नहीं है। भारत को अपनी नौकरशाही जटिलताओं, बुनियादी ढाँचे की कमी और नीतिगत अस्थिरताओं को दूर करना होगा, ताकि जापानी निवेशकों का विश्वास बढ़ सके। वहीं जापान को भी यह समझना होगा कि भारत का बाजार केवल उपभोक्ताओं का नहीं बल्कि एक साझेदारी की संभावनाओं का बाजार है। अमेरिका की टैरिफ वार ने वैश्विक व्यापार को असंतुलित किया है, लेकिन भारत-जापान की साझेदारी इसे संतुलन की दिशा दे सकती है। यदि यह रिश्ता आगे बढ़ता है, तो भारत केवल जापान का साझेदार ही नहीं रहेगा, बल्कि पूरे एशिया में 'नई शक्ति धुरी' का केंद्र बन सकता है। भारत-जापान की निकटता एवं आपसी समझौते अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण है, व्यापारिक दृष्टिकोण से भरपूर संभावनाएं हैं। इससे सप्लाई चेन का नया केंद्र विकसित होगा। वैसे भी जापान, चीन पर निर्भरता घटाना चाहता है। भारत इसके लिए सबसे स्वाभाविक विकल्प है। यदि जापानी उद्योग भारत में बड़े पैमाने पर निवेश करते हैं तो 'मेक इन इंडिया' को नई ऊर्जा मिलेगी।

हाई-टेक सहयोग से सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत-जापान साझेदारी एशिया की नई तकनीकी धुरी बना सकती है। यह व्यापारिक संतुलन का भी आधार है। अमेरिका और यूरोप के बाजार अस्थिर हैं। भारत-जापान मिलकर 'एशिया-प्रशांत' को स्थिर और सशक्त व्यापारिक क्षेत्र बना सकते हैं। दोनों देश बुनियादी ढाँचा निर्माण करते हुए एक दूसरे के विकास में सहायक होंगे। जापान का विशेष अनुभव और वित्तीय सहयोग भारत की मेट्रो रेल, हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन और बंदरगाह परियोजनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह न केवल भारत की अर्थव्यवस्था को गति देगा, बल्कि दोनों देशों को दीर्घकालिक साझेदार बनाएगा। निश्चित दौर पर मोदी की जापान यात्रा केवल दोस्ती का नया अध्याय नहीं है, बल्कि अमेरिका-चीन टकराव से उपजे शून्य को भरने की कोशिश है। यह भारत को एक 'पैसिव खिलाड़ी' से 'ग्लोबल लीडर' की भूमिका में लाने का अवसर है।

भारत-जापान की दोस्ती का नया दौर बदलती वैश्विक परिस्थितियों और शक्ति-संतुलन का निर्णायक पहलू है। आज की दुनिया बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है।

सम्पादकीय

गाजा में इजराइल का नरसंहार

इजरायल की सेना ने गाजा के सबसे बड़े शहर गाजा सिटी को युद्ध क्षेत्र में बदल दिया है। इजरायली सेना ने यहां पर मानवीय मदद पर भी पूरी तरह से रोक लगा दी है। गाजा शहर में रहने वाले हजारों नागरिकों को पिछले कई महीनो से भोजन नहीं मिल पा रहा है। हजारों लोगों की पहले ही मौत हो चुकी है। यहां के नागरिकों को पानी भी नहीं मिल रहा है। भोजन और पानी के अभाव में बूढे, बच्चे, महिलाओं ने हजारों की संख्या में दम तोडा है। अब इजराइल ने गाजा सिटी को ही युद्ध क्षेत्र घोषित कर दिया है। इजरायल की सेना लगातार फिलिस्तीनी नागरिकों के ऊपर कहर ढा रही है। अभी तक 80000 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। सारी दुनिया इस नरसंहार को चुपचाप देख रही है। इतने बड़े नरसंहार के बाद भी सारी दुनिया के देश चुप बैठे हैं। इजरायल की लड़ाई, आतंकी संगठन हमास के साथ थी। फिलिस्तीन की सरकार और नागरिक दो पाटों के बीच में फंसी हुई हैं। एक और इजरायल की सेना कहर बरपा रही है। दूसरी ओर हमास के लडाके फिलिस्तीन पर अपना दबाव बनाए हुए हैं। वहां की सरकार के नियंत्रण में कुछ नहीं है। इजराइल भी हमास से लड़ने के बहाने फिलिस्तीन के नागरिकों को मारकर अपनी भडास निकाल रहा है। जब फिलिस्तीन में सरकार के पास सेना ही नहीं है। ऐसी स्थिति में 2 देशों के बीच में यह युद्ध नहीं हो रहा है। इजराइल आतंकवादी संगठन हमास से लड़ रहा है। इसके बाद भी फिलिस्तीन के निर्दोष नागरिक जिनमें बुजुर्ग बच्चों और महिलाएं शामिल हैं। उनको मारकर फिलिस्तीन की जमीन पर कब्जा कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा परिषद इस नरसंहार को रोकने के जो भी प्रयास किए थे। वह सफल नहीं हुए। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी बड़ी-बड़ी डींग हाक रहे हैं। उसके बाद भी फिलिस्तीन के निर्दोष नागरिक लगातार मारे जा रहे हैं। आतंक की जो पराकाष्ठा हो सकती है। वह गाजा में देखने को मिल रही है। हमास के आतंकवादी संगठन से ज्यादा इजरायल की सेना में क्रूरता देखने को मिल रही है। इजराइल ने गाजा सिटी को खतरनाक क्षेत्र घोषित कर दिया है। इसके बाद जितनी बर्बरता इजरायल की सेना कर सकती है, कर रही है। सारी दुनिया चुपचाप तमाशा देख रही है। जब एक छोटे से देश फिलिस्तीन को लेकर सुरक्षा परिषद और अमेरिका जैसे देश इस नरसंहार को रोकने कुछ नहीं कर पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में आसानी के साथ समझा जा सकता है, रूस और यूक्रेन के बीच जो युद्ध पिछले कई महीनो से चल रहा है। उसे अमेरिका और नाटो के देश कैसे रोक पाएंगे। गाजा में इजराइल की सेना से लड़ने वाला कोई नहीं है। मासूम नागरिक वहां पर इजरायली सेना और नेतन्याहू के पागलपन का शिकार हो रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की यह चुप्पी बता रही है, अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं अपनी प्रासंगिकता खो चुकी हैं। भारत जैसा संवेदनशील धार्मिक राष्ट्र इस नरसंहार को रोकने के लिए जो प्रयास कर सकता था, वह नहीं कर रहा है। यह एक आश्चर्यजनक बात है। जिसकी लाठी उसकी भैंस वाला सिद्धांत एक बार फिर दुनिया के देशों के बीच में देखने को मिल रहा है। इजरायल-फिलिस्तीन, रूस-यूक्रेन, इरान इत्यादि देशों में हजारों निर्दोष बेसहारा लोगों की हत्या हो रही है। वर्तमान स्थिति यह बताती है, विकास और पूंजीवाद के रास्ते चलते हुए मानव समाज कितना असंवेदनशील एवं निर्मम हो चुका है। दुनिया के देश मिलकर भी इजराइल को नरसंहार करने से नहीं रोक पा रहे हैं। इजराइल लगातार फिलिस्तीन पर कब्जा करता चला जा रहा है। दुनिया के ताकतवर देशों के बीच में जिस तरह की तल्खी देखने को मिल रही है। उससे तीसरे विश्व युद्ध की आशंका यदा-कदा सामने आने लगी है। सारी दुनिया, प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध की भारी तबाही देखने के बाद भी, कोई सबक नहीं सीख पाई है। तो भगवान ही मालिक है। जिस फिलिस्तीन के पास अपनी कोई सेना नहीं है। इजरायल की सेना नागरिकों मार रही है। ल्म्बे समय तक नरसंहार करने के बाद भी हमास के लड़ाकों से इजराइल नहीं जीत पा रहा है। निर्दोष नागरिकों को मारकर इजराइल अपनी दादागिरी और आतंक को सही ठहरना चाहता है। इस स्थिति में मानवता और मानव अधिकारों की बात करना बेमानी है।

चिंतन-मनन

इस तरह रामचरित मानस बना धर्म शास्त्र

करीब पांच सौ साल पहले तक कोई धर्म ग्रंथ हिंदी में नहीं था। सभी धर्म ग्रंथ संस्कृत में थे और चूंकि मध्य काल में शिक्षा दीक्षा का चलन काफी कम हो गया था, भक्ति भावना या धर्म श्रद्धा के लिए लोग संस्कृत विद्वानों की ओर ही ताकते थे। ऐसा कोई शास्त्र नहीं था, जो लोगों की अपनी भाषा में हो। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस लिख कर एक समाधान दिया था, लोकिन कठिनाई यह थी कि विद्वानों और धर्माचार्यों ने इसे मान्यता नहीं दी। इसलिए धर्म भावना से भरे लोगों के मन में यह फांस अटकी रहती थी कि वे राम कथा से तो प्रेरणा ले रहे हैं लेकिन उनकी जानकारी का जो स्त्रोत है, वह धर्म शास्त्र नहीं है। क्योंकि धर्मशास्त्र तो संस्कृत में ही हो सकता है। पुरानी मान्यता है कि कोई शास्त्र अथवा ग्रंथ लोकप्रिय होने से स्वीकार्य नहीं हो जाता। स्वीकार्य वह रचना होती है जिसे विद्वतजनों ने मान्यता दी हो। तुलसीदास के मन में मानस की शुरुआत करते ही यह बात आई थी। उन्होंने हिंदी में ही रामकथा की रचना शुरू की। दो वर्ष सात महीने और छब्बीस दिन में सन् 1576 में यह रचना पूरी हुई। कहते हैं कि रचना लेकर गोस्वामी जी काशी चले गए। वहां विश्वनाथ मंदिर में पहली बार इसका पाठ किया। वहां पंडितों ने रचना को सराहा तो सही लेकिन संस्कृत में नहीं होने की वजह से इसे काव्य की मान्यता नहीं दी। गोस्वामीजी इससे क्षुब्ध हो गए। मानस के संबंध में प्रचलित किवदंतियों के अनुसार काशी विश्वनाथ मंदिर में रखे जाने के बाद ग्रंथ पर सत्यम, शिवम सुंदरम के साथ भगवान शिव का नाम लिखा मिला। अनुश्रुति के अनुसार यह काशी विश्वनाथ की स्वीकृति थी। लेकिन इस कहानी को मनगढंत माना गया है। रामचरितमानस के संबंध में इस तरह की कितनी ही कहानियां प्रचलित है जो उसकी महिमा को व्यक्त करती है। जैसे एक तो यही कि रामचरित मानस को चुराने के लिए चोर गए, वहां तुलसी की कुटिया में राम और लक्ष्मण पहरा देते हुए दिखाई दिए। इस तरह की तमाम किवदंतियों के बावजूद मानस को शास्त्र की मान्यता नहीं मिली थी। उस समय के प्रसिद्ध रामभक्त संत नाभादास ने मानस के महत्व को समझा और इस ग्रंथ को लेकर विद्वानों के पास गए। स्वामी ज्ञानानंद, हरीराम तर्कवागीश, गदाधर भट्टाचार्य, विश्वेश्वर सरस्वती, माधव सरस्वती, नारायण तीर्थ आदि विद्वानों ने रामचरित मानस को देखा पढ़ा और सराहा, किंतु उसे शास्त्र की मान्यता देने में असमर्थता जताई। असमर्थता इसलिए कि इनमें से कोई भी विद्वान रामचरितमानस पर टिप्पणी करता तो यह उसकी अपनी राय होती। हरीराम तर्कवागीश ने राय दी कि प्रयाग पुंभ के समय सभी संतजन और विद्वान एकत्रित होंगे। ग्रंथ को उनके सामने रखा जाए, सभी संत और धर्माचार्य विचार करें फिर इस संबंध में सर्वसम्मति से इस विषय में कोई निर्णय लिया जाए। पुंभ पर्व में अभी सात वर्ष की देर थी। इसलिए साल भर बाद 1577 में होने वाले समष्टि समारोह (संत समागम) पर अर्धपुंभ पर उस बारे में विचार की बात सोची गई। यह अर्धपुंभ का अवसर भी था। संगीति की अध्यक्षता अद्वैत वेदांत के प्रमुख विद्वान मधुसूदन सरस्वती कर रहे थे। उन्होंने संगीति में उपस्थित सभी विद्वानों से ग्रंथ की परीक्षा के लिए कहा। इस काम में लगभग एक माह लगा।

बस, तुम प्रेम की विलक्षणता की कविताएँ

सुरेश गुप्ता

अग्रज कवि सुधीर सक्सेना का नया कविता संग्रह बस, तुम पढ़ा, तो पढ़ता ही चला गया। कब रात का दूसरा पहर आ गया, पता ही नहीं चला। सोचा 79 कविताओं पर ही बस, क्यों। सुधीरजी एक सैकड़ा कविताएँ भी इस संग्रह में पिरोते तो भी प्यास नहीं बुझती।

सुधीरजी की भाषा, उनके भाषायी वितान से मैं उनके पत्रकारीय लेखन के दिनों से ही मुरीद हूँ, बल्कि यूँ कहें कि इश्क करता रहा हूँ। पूर्व में अनेक संग्रहों की कविताओं में उन्होंने अपने भाषायी कौशल का यथेष्ट प्रमाण दिया है। बस, तुम में तो उनका यह कौशल अपने उरूज पर है। उनकी भाषा कब देशज और जनपदीय हो जाती है, कब विशुद्ध देवनागरी और कब नितांत वैज्ञानिक शब्दावली से बावस्ता हो जाती है, वह पढ़ते ही बनता है।

इस संग्रह को पढ़ते सुधीरजी की दो कविताएँ जब चन्द्रमा बजाता है बाँसुरी और तुम, समुद्र से नहाकर निकली और पहाड़ को तकिया बनाकर लेट गयी, घास के बिछौने पर अम्लान। बरबस याद आ गयीं। मुझे लगता था कि इनसे बढ़कर प्रेमिल भावाभिव्यक्ति क्या ही हो सकती है। अपनी छोटी सोच में मैं गलत था। बस, तुम की कविताएँ उन कविताओं से कहीं आगे, कहीं गहरी, ऐन्द्रिक और प्रेम की आदिम सुरंग में पैबस्त है।

ये कविताएँ तुम्हें, जिसे प्रेम किया और उन्हें भी जिन्हें चाहा कि उनमें भी तुम्हारा ही अक्स था - अपनी पत्नी के दिवंगत होने के बाद पहले संग्रह में यह पंक्तियाँ सुधीरजी के अप्रतिम प्रेम के साथ ही साहस को भी बताती हैं, भला कौन व्यक्ति, फिर चाहे वह कवि ही क्यों न हो, ऐसा लिख सकता है। मुझे लगता है यह साहस, उनके पत्रकारिता कर्म के पार्श्व से इन पंक्तियों में आ पाया।

संग्रह की पहली कविता की इन पंक्तियों को देखे -

गयी ही कहाँ हो तुम कहीं तुम हो अनुपस्थिति में उपस्थित, मेरा एकालाप भी वार्तालाप है तुमसे मुसलसल लोक की बस लोक जाने पर हमारे वास्ते रहा प्रेम कल्पद्रुम साथ थी, मेरे, हो, रहोगी एक तुम ! बस, तुम !!

कवि, अपनी प्रेयसी, जो पत्नी भी बनी, और अब देवलोक भी चली गई, को अब भी अपने पास ही रहेगी, की कामना को शब्दों में रूपावित करता है, तो पाठक, सुधीरजी और भाभीजी के प्रेम राग को अपनी गीली आँखों में बंद और साँसों में तरंगित करने से रोक नहीं पायेगा। मैं आऊंगा तुम्हारे पास भी कुछ ऐसी ही कविता है।

अपनी दिवंगत पत्नी के लिए लिखी ये सभी 79 कविताएँ प्रेम के, अनुराग के, मिलन के भावों को जिस विलक्षणता के साथ प्रकट करती है, वह कवि के साथ हमें भी उनके प्रेमल संसार में लिये जाती है। ऐसा बहुत कम होता है कि किसी दूसरे के प्रेम, प्रेमिका, दिवंगत पत्नी के साथ साहचर्य से हम इस हद तक प्रभावित हो कि इस जन्म में नहीं तो अगले जन्म में ही सही ऐसा प्रेम हम भी करें और हो सके तो उसे कविता में पिरोये, की खूवाहिश कर बैठे। इस संग्रह को पढ़कर ऐसी ही ख्वाहिश होती है हमारी।

सुप्रिया साथ है खुले आसमान तले बारिश में बरसात में सचमुच बरसती है शराब।

या

प्रेम से नहीं मौत की तारीख लालबत्ता प्रेम से बदल जाती है जिंदगी आमूलचूल।

या

वक्ष की स्मृति में है आलिंगन होंठों की स्मृति में है चुम्बन स्मृति और कुछ नहीं चाहती फिर से हरी हो स्मृतियाँ।

जैसी पंक्तियाँ में भरी प्रेम की स्मृतियों की शराब भला कौन नहीं पीना चाहता। अति साँकरी प्रेम की गली सुधीरजी की इस संग्रह की कविताओं में अभूतपूर्व विस्तार पाती है, वह देश-विदेश में भ्रमण कराती है पाठक को प्रेम, प्रेमिका, आंगिक सौष्ठव से एकाकार करती। कभी कंपित होती, कभी सुवासित करती। कवि कहता भी है -

सातवीं ऋतु है प्रेम सातों ऋतुओं को समाये अपने आप में।

या

नीम सन्नाटे में हठात बजती है चूड़ियाँ जब-जब ऐसा होता है हिनहिना उठते हैं सूरज के सातों घोड़े

या

प्रिया की एक चितवन और मैं उछाल दूंगा काल को किसी गेंद की तरह दूर बहुत दूर किसी ग्रह के अनजान आसमान में।

बस, तुम संग्रह में कविता में प्रेम, जिस तरह गुंफित हुआ है, वह कवि की भाव और शब्द सम्पदा से ईर्ष्या पैदा करता हैं। प्रेम कभी गाँठ हो जाता है, कभी गुम्मढ़, कभी मिस्टिरियस क्रास, कभी उबटन, कभी व्यूह, कभी शहद, कभी नमक, कभी सोना, कभी गोदना, कभी रसायन, कभी जीरा और न जाने कितने बिम्बों में। प्रेयसी इस संग्रह में वसुंधरा है तो चेरी-पलाश जित्ती लाल भी, वीरबहुटी भी, उपमाओं से भरी है। प्रेयसी की याद, उसके साथ बिताये पल, सुना संगीत, पी शराब जैसे प्रसंग जितना सुधीर भाई को उद्वेलित कर रहे हैं, पाठक भी उद्वेलित हुए बिना नहीं रहेगा, इसमें कोई संशय नहीं है।

इस संग्रह की कविताओं की भावभूमि अपनी प्रिया की गहन स्मृतियों की है। यह कवि की प्रेम यात्रा की बानगी भी है। इन कविताओं में अपनी प्रिया, अपनी सहधर्मिणी के साथ कवि की बराबर की मौजूदगी है। यह बराबर ही मौजूदगी ही सच्चे अर्थों में प्रेम का मर्म बताती है। आख़िर जिस प्रेम की बात कवि कर रहा है, बता रहा है, वह अकेला नहीं होता। इस प्रेम में एक और एक मिलकर ही प्रेम का अर्थ प्रकट करते हैं और भरपूर करते हैं। यह प्रेम देह और गेह का प्रेम कहकर नकारा नहीं जा सकता। संग्रह की कविताएँ एक साथ प्रेम का उजला पक्ष और प्रेयसी या संगिनी, जो भी चाहे कहे, की अनुपस्थिति के कोहरे को जताती है। साथ ही स्मृतियों के बहाने प्रेम को कालातीत भी बताती है। इसमें कुछ अतिरेक अगर है भी तो वह बेहद खूबसूरती से अपनी जगह बनाकर अनिवार्य सा लगता है।

ऐसी मान्यता रही है कि कविता जीवन की पदार्थमयता से ही अपना शिल्प और रूप पाती है। सुधीरजी की इन कविताओं में उनका प्रेम, सांसारिक क्रियाकलापों-प्रकृति के ब्यौरों से एकाकार होकर, अद्भुत रूप से उद्भूत होता है। कविता सच कहती है और यहाँ जो कविताएँ हैं वे सुधीरजी और उनकी प्रेयसी, संगिनी के संसार का सच है। बहुत दिनों बाद पूर्णत-प्रेम पर एकाग्र यह संग्रह, जो प्रेम में थे, जो प्रेम में होना चाह रहे हैं के साथ ही सबको पसंद आयेगा। उन्हें भी जो कविता को शिल्प, भाषा और भाव के प्रतिमानों पर आंक कर देखने-पढ़ने के आदी हैं।

प्रकाशक, आधार प्रकाशन, पंचकुला से है।

पर्यावरणीय मंजूरी विवाद की जमीनी स्थिति

राज कुमार सिन्हा

मध्यप्रदेश राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण (सिया) की कार्यशैली को लेकर विवाद सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। मई 2025 में, सिया ने एक दिन में ही 450 परियोजनाओं को मंजूरी देकर स्वीकृत कर दिया गया था। जबकि आवश्यकता अनुसार साझी बैठक बुलाना अनिवार्य था। इस प्रक्रिया में बैठक आयोजित नहीं की गई, फाइलें जानबूझकर लंबित रखी गईं, और समय सीमा समाप्त होने पर स्वीकृति अपने आप मान ली गई, जो नियमों का उल्लंघन है।इसमें 200 से अधिक परियोजनाएं खनन विभाग से संबंधित थीं, जिसमें भ्रष्टाचार की गंभीर आशंका है। पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना 2006 के अनुसार, पर्यावरणीय मंजूरी के लिए संबंधित प्राधिकरण की सामूहिक बैठक आवश्यक है। यह नियम पूरी तरह नजरअंदाज किया गया। तकनीकी मूल्यांकन, जन-सुनवाई जैसी प्रक्रियाओं की अनदेखी हुई। कई मामलों में खनिज की मात्रा या नाम तक बदल दिए गए ताकि गैरकानूनी कृत्यों को कानूनी रूप दिया जा सके।आरोप है कि इस पूरा मामला खनन माफिया और दलालों को फायदा पहुंचाना था। अधिकारियों ने अनुमति प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर सिया की स्वायत्तता कमजोर करने का प्रयास किया गया है।अन्य परियोजनाओं की मंजूरी पर भी विवाद उठी- जब सहमति से ये मंजूरियां दी गईं, तब सदस्य सचिव ने असहमति जताई और प्रक्रिया को अवैध करार दिया। 28 मार्च से 21 अप्रैल 2025 तक सिया में कोई बैठक नहीं हुई, सैकड़ों फाइलें लंबित रहीं। अप्रैल-मई 2025 में केवल तीन बैठकें हुई-लेकिन इनमें भी अधिकांश स्वीकृतियां सदस्य सचिव ने अकेले दी। सिया के चेयरमैन शिवनारायण सिंह चौहान ने इन फर्जी मंजूरियों को उजागर किया, कई बार बैठक बुलाने का अनुरोध किया, लेकिन जवाब नहीं मिला। उन्होंने मुख्यमंत्री और केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय को पत्र भेजकर इस प्रक्रिया को गैरकानूनी बताया। साथ ही एफआईआर दर्ज करने की मांग की। चेयरमैन एसएनएस चौहान ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाया है कि मूल्यांकन प्रक्रिया को दर किनार कर 237 परियोजनाओं को पर्यावरणीय स्वीकृतियां दें दी गई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि सिया की सदस्य सचिव उमा महेश्वर और पर्यावरण विभाग के प्रमुख सचिव नवनीत कोठारी ने मिलकर प्राधिकरण की बैठकों में देरी की, ताकि खनन माफियाओं को फायदा पहुंचाया जा सके। आरोप है कि इसके लिए सिया की अनिवार्य मूल्यांकन प्रक्रिया को भी दरकिनार कर कई प्रोजेक्ट्स को बिना अधिकार स्वीकृति दे दी। 24 जुलाई 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र वन एवं पर्यावरण मंत्रालय और मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव-प्रधान सचिव को नोटिस जारी किया। यह नोटिस 237 अवैध पर्यावरणीय मंजूरियों को लेकर जारी किया गया था, जहां सदस्य सचिव द्वारा सिया को बायपास कर स्वीकृतियां दी गई थी। कोर्ट ने पूछा कि ये मंजूरियां बिना सिया की बैठक के कैसे दी गईं, और उनसे दो सप्ताह में जवाब मांगा गया।इस मामले पर विगत सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इसमें सुप्रीम कोर्ट ने मामले को बहुत गंभीर माना और केंद्र सरकार से जवाब मांगा है।इस मामले में कोर्ट ने टिप्पणी किया है कि आईएएस अधिकारी पर्यावरण स्वीकृति जारी करेंगे, तो फिर राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण की स्वतंत्र संस्था होने का क्या मतलब रह जाएगा? राज्य पर्यावरण प्रभाव प्राधिकरण के गठन की पृष्ठभूमि मध्य प्रदेश राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण को भारत सरकार के पर्यावरण और वन मंत्रालय ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के नियम 5 के उप-नियम (3) के तहत पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना 2006 के अन्तर्गत अधिसूचित किया है, जिसमें नई परियोजनाओं या गतिविधियों पर कुछ प्रतिबंध और निषेध लगाए गए हैं, मौजूदा परियोजनाओं और गतिविधियों के विस्तार या आधुनिकीकरण पर उनके संभावित पर्यावरणीय प्रभावों का अध्ययन कर रिपोर्ट तैयार करना है।

खास बात

केंद्र में लैटरल एंट्री बंद हो गई?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्र के विभिन्न पदों पर लैटरल एंट्री के माध्यम से बाहर से लाये गए विशेषज्ञों की नियुक्ति कर रहे थे। यूपीएससी का कोई मतलब नहीं रह गया था। सरकार जिसे चाहती थी, उसे संयुक्त सचिव बना देती थी। पिछली बार वैकेंसी निकाली थी। लेकिन उसे रोक दिया था। यह लैटरल एंट्री क्यों रुकी है, यह लोगों को समझ नहीं आ रहा है। कुल मिलाकर लैटरल एंट्री का रायता बिखर चुका है। भारतीय सेवा के अधिकारियों ने राहत की सांस ली है। बाहर से आकर लोग उनके हकों को मार रहे थे। वह सुपर बॉस की तरह व्यवहार करते थे। जल्द ही अब उनसे छुटकारा मिल जाएगा।

घुसपेठियों की राजनीति मे बचाव की मुद्रा

चुनाव आयोग और भाजपा समय-समय पर घुसपैठियों को लेकर बड़े-बड़े दावे करती रही है। इस बार बिहार के चुनाव में एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग ने घुसपैठियों का जो मुद्दा बनाया था। जो प्रमाण मतदाताओं से मांगे थे। उसके बाद से यह मामला तूल पकड़ गया। सभी विपक्षी दलों ने घुसपैठियों के मामले में भाजपा सरकार और चुनाव आयोग को निशाने पर ले लिया है। वोट अधिकार यात्रा के दौरान चुनाव आयोग से यह पूछा जा रहा है। उसे कितने घुसपेठिये मिले। इसी तरह भाजपा और नीतीश गठबंधन की 20 साल से बिहार में सरकार है। विपक्ष उनसे पूछ रहा है, कि घुसपैठिये आए कहां से, अब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को भी निशाने पर लिया जा रहा है। यदि घुसपैठियों पिछले 11 सालों में आए हैं। तो केंद्रीय गृह मंत्री इस्तीफा दें। धार्मिक ध्रुवीकरण का यह मामला अब फेल होता हुआ दिख रहा है।

12वीं वार में घुसपैठिया का मुद्दा?

भारत में पक्ष और विपक्ष के बीच की राजनीति बड़ी उग्र हो गई है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से 11 बार जो भाषण दिए थे उसमें कभी भी घुसपैठियों का मुद्दा उन्होंने नहीं उठाया हाल ही में जब 12वीं बार उन्होंने लाल किले से भाषण दिया तब उन्हें घुसपैठियों की याद आई। अब यही घुसपैठियों के कारण केंद्रीय गृह मंत्री पर निशाना साधा जा रहा है। यह दांव इतना उल्टा पड़ेगा इसे किसी ने सोचा भी नहीं था।

जम्मू पंजाब हिमाचल और उत्तराखंड में तबाही से भगवान याद आए

जब से मानसून की बारिश शुरू हुई है। उसके बाद से ही जम्मू, हिमाचल प्रदेश उत्तराखंड और पंजाब में अभी तक की सबसे बड़ी त्रासदी देखने को मिल रही है। पहाड़ ऐसे दरक रहे हैं, बादल फट रहे हैं। चारों राज्यों में जल प्रलय का जो तांडव देखने को मिल रहा है। उसके बाद अब लोगों में यह चर्चा होने लगी है। जो लोग अपने आप को भगवान समझने लगे थे। भगवान ने उन्हें बता दिया है, इंसान बनकर रहो। भगवान बनने की कोशिश मत करो। पहाड़ी क्षेत्रों में जो तांडव इंसानों ने विकास के नाम पर मचाया था। एक ही झटके में भगवान ने अपनी ताकत दिखा दी है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, भादो शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथी, अष्टमी, रविवासरे, अनुराधा नक्षत्रे, वैश्य योगे, विव करणे, वृश्चिक की चंद्रमा भद्रा 7/42 श्री राधाष्टमी, दुर्वाष्टमी पूर्वा फाल्गुंन रवि 17/54 तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ तथा उत्तम फलदायी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक जिद्दी-हठी, सैनिक, सिपाही, सेना नायक, दस्ता नायक, कमाण्डर, बिग्रेडियर, मेजर तथा सेनापति होगा, डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर, शिक्षाविद्, उत्तम प्रकृति का सैनिक तथा धर्मगुरु व प्रबल ज्ञानी होगा।

मेष- किसी के द्वारा धोखा देने से मनोवृत्ति खिन्न रहेगी, धन का व्यय तथा परिश्रम विफल होगा।

वृष- समय अनुकूल नहीं है, लेन-देन के मामले विफल रहेंगे, व्यर्थ विवाद से बचें।

मिथुन- व्यर्थ समय नष्ट होगा, यात्रा प्रसंग में थकावट व बेचैनी बनी रहेगी, समय समस्या का ध्यान रखें।

कर्क- प्रयत्नशीलता विफल हो, परिश्रम करने में ही कुछ सफलता अवश्य मिलेगी।

सिंह- परिश्रम से कार्यपूर्ण होंगे, तर्क-वितर्क से विजय प्राप्त हो, सफलता मिले, धन का लाभ होगा।

कन्या- व्यवसायिक अनुकूलता से असंतोष किन्तु कार्य-व्यवस्था अनुकूल बनी रहेगी।

तुला- किसी तनावपूर्ण वातावरण से बचिये, कुछ उदविघ्नता से परेशानी बने, मित्रों से लाभ होगा।

वृश्चिक- परिश्रम से कार्य में सुधार होते हुए भी फलप्रद नहीं, कार्य विफलत्व की चिन्ता बनेगी।

धनु- स्त्री वर्ग से उल्लास, इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे तथा रुके कार्य अवश्य ही बन जायेंगे।

मकर- स्वभाव में क्लेश व अशांति, व्यर्थ विभ्रम, भय तथा उद्विघ्नता अवश्य बनेगी।

कुम्भ- कार्यगति अनुकूल रहेगी, चिन्ताऐं कम होंगी तथा विलासिता के साधन जुटायेंगे।

मीन- आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा तथा इष्ट मित्रों का समर्थन फलप्रद होगा।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

31 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति	
सूर्य	सिंह में
चंद्र	वृश्चिक में
मंगल	कन्या में
बुध	सिंह में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	कर्क में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कन्या	06.57 बजे से
तुला	09.08 बजे से
वृश्चिक	11.22 ब.से
धनु	13.38 बजे से
मकर	15.43 बजे से
कुंभ	17.30 बजे से
मीन	19.03 बजे से
मेष	20.33 बजे से
वृष	22.13 बजे से
मिथुन	00.11 बजे से
कर्क	02.25 बजे से
सिंह	04.41 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 243 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल **तिथि** अष्टमी 00.58 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** अनुराधा 17.27 बजे को समाप्त। **योग** वैधृति 15.59 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 11.55 बजे तदनन्तर बव 00.58 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 7.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 08° 37' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872453 **जूलियन दिन** 2460918.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 07 **विशेष** गौरी आवाहन, राधा अष्टमी, मासिक दुर्गाष्टमी, महालक्ष्मी व्रत आरंभ, दूर्वा अष्टमी।

दिन का चौघड़िया				
उद्वेग	05.56	से	07.23	बजे तक
चर	07.23	से	08.51	बजे तक
लाभ	08.51	से	10.18	बजे तक
अमृत	10.18	से	11.46	बजे तक
काल	11.46	से	01.14	बजे तक
शुभ	01.14	से	02.41	बजे तक
रोग	02.41	से	04.09	बजे तक
उद्वेग	04.09	से	05.36	बजे तक

रात का चौघड़िया				
शुभ	05.36	से	07.09	बजे तक
अमृत	07.09	से	08.41	बजे तक
चर	08.41	से	10.14	बजे तक
रोग	10.14	से	11.46	बजे तक
काल	11.46	से	01.19	बजे तक
लाभ	01.19	से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.51	से	04.24	बजे तक
शुभ	04.24	से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सौंधी गीली-सूखी मिट्टी के हैं अचूक फायदे

यह देखा जाता है कि जब कोई जानवर बीमार होता है तो रोग की दशा में पृथ्वी की शक्ति का वह खास तौर पर उपयोग करता है। घायल हुए जानवर तालाब या पोखर के कीचड़ में जा लेटते हैं और अपने आप को स्वस्थ बना लेते हैं।

गीली मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

महीन पिसी हुई मिट्टी को पानी के साथ घोलकर कीचड़ जैसा बना लें एवं उसको शरीर पर लेपकर सुखा लीजिए, कुछ देर बाद मिट्टी सूखने लगती है। फिर ठंडे या गुनगुने पानी से स्नान कर लेने से अनेक रोग दूर हो जाते हैं।

मिट्टी चिकित्सा के अन्य प्रयोग

रोग होने पर आवश्यकतानुसार निम्नलिखित प्रयोगों से उपचार किया जाता है। (1) मिट्टी की गरम पट्टी (2) मिट्टी की ठंडी पट्टी (3) गरम मिट्टी की पट्टी (4) रज स्नान (5) पंक स्नान (6) बालू भक्षण।

सूखी मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

बिजली के मारे या सांप के काटे हुए व्यक्ति को यदि जमीन में करीब दो हाथ गहरा गड्ढा खोदकर उसमें बैठा दिया जाए और गीली मिट्टी से गर्दन और सिर खुला रखकर उसे भर दिया जाए तो 1 से 24 घंटे तक में रोगी के शरीर से जहर निकल जाएगा और वह मरने से बच जाएगा।

शुद्ध साफ मिट्टी को कपड़ा छानकर लीजिए और उसे पूरे अंग पर रगड़िए। पूरे शरीर पर रगड़ने के बाद 10 से 20 मिनट धूप में बैठ जाइए। तत्पश्चात शीतल जल से स्नान कर लें। यह सूखी मिट्टी का स्नान है।

लाभ – त्वचा नरम, लचीली एवं कोमल हो जाती है। रोमकूप खुल जाते हैं। इससे शरीर के विजातीय तत्व पसीने के रूप में बाहर आने लगते हैं। त्वचा के छिद्र भरपूर श्वास लेने लायक हो जाते हैं जिससे त्वचा के अनेक रोग, चर्मरोग, दाद, खाज-खुजली, फोड़े-फुंसियां दूर होने लगती हैं। आयुर्विज्ञान में इसको 'रज स्नान' कहा गया है।

- छान्दोग्य उपनिषद् में मिट्टी को अन्य पंच तत्वों जल, पावक, गगन तथा समीर का सार कहा गया है। स्वास्थ्य सौन्दर्य और दीर्घायु का मिट्टी से प्रगाढ़ सबंध होता है। मिट्टी में अनेक रोगों के निवारण की अद्भुत क्षमता होती है।
- मिट्टी में अनेकों प्रकार के क्षार, विटामिन्स, खनिज, धातु, रासायन रत्न, रस आदि की उपस्थिति उसे औषधीय गुणों से परिपूर्ण बनाती है। औषधियां कहां से आती है? जबाब होगा पृथ्वी, मतलब सारे के सारे औषधियां के भंडार होता पृथ्वी। अत: जो तत्व औषधियों में है, उनके परमाणु पहले से ही मिट्टी में उपस्थित रहते हैं।
- मिट्टी कई प्रकार की होती है तथा इसके गुण भी अलग-अलग होते हैं। उपयोगिता के दृष्टिकोण सें पहला स्थान काली मिट्टी का है, उसके बाद पीली, सफेद और उसके बाद लाल मिट्टी का स्थान है। मिट्टी के विभिन्न प्रकारों और उनकी उपयोगिता को ध्यान में रखकर मिट्टी का चयन करना चाहिए। इसके उपयोग के पहले कुछ बातें जरूर ध्यान में रखें.
- मिट्टी चाहे किसी भी रंग या प्रकार की हो, उसका प्रयोग करते समय यह सुनिश्चित कर लें कि वह साफ-सुथरी हो, उसमें कंकड़, पत्थर, तिनके आदि न हों।
- जहां से मिट्टी लें वह स्थान भी साफ सुथरा होना चाहिए किसी कूड़े के ढेर के पास से मिट्टी न लें। यदि किसी खेत से मिट्टी ली जाए तो एक या डेढ़ फीट जगह खोदकर ही लेनी चाहिए।
- तालाब या नदी के तट की मिट्टी बहुत लाभदायक होती है। दो पकार की मिट्टियों को मिलाकर भी प्रयोग किया जा सकता है। बालू मिश्रित मिट्टी बहुत उपयोगी होती है।

विभिन्न किस्म की मिट्टी के प्रयोग

काली मिट्टी

यह मिट्टी चिकनी और काली होती है। इसके लेप से ठंडक पहुंचती है। साथ ही यह विष के प्रभाव को भी दूर करती है। यह सूजन मिटाकर तकलीफ खत्म कर देती है। जलन होने, घाव होने, विषैले फोड़े तथा चर्मरोग जैसे खाज में काली मिट्टी विशेष रूप से उपयोगी होती है। रक्त के गंदा होने और उसमें विषैले पदार्थों के जमाव को भी यह मिट्टी कम करती है। पेशाब रुकने पर यदि पेडू के ऊपर (पेट की नीचे) काली मिट्टी का लेप किया जाता है तो पेशाब की रुकावट समाप्त हो जाती है और वह खुलकर आता है। मधुमक्खी, कनखजूर, मकड़ी, बर्रे और बिच्छू के द्वारा डंक मारे जाने पर प्रभावित स्थान पर तुरंत काली मिट्टी का लेप लगाना चाहिए इससे तुरंत लाभ पहुंचता है।

पीली, सफेद व लाल मिट्टी

तालाबों तथा नदियों के किनारे पाई जाने वाली यह मिट्टी भी काली मिट्टी के समान ही लाभकारी होती है। सफेद मिट्टी से होने वाले लाभ भी पीली मिट्टी के समान ही हैं। लाल मिट्टी पहाड़ों पर मिलती है। इसके लाभ सफेद मिट्टी से कुछ कमतर होते हैं।

सज्जी मिट्टी

इस मिट्टी के प्रयोग से शरीर की पूरी तरह सफाई हो जाती है। यदि हड्डियां भंगुर और टूटती-सी प्रतीत होती हों तो इस मिट्टी के लेप से बहुत लाभ होता है। जोड़ों के दर्द में इस मिट्टी के लेप से विशेष लाभ पहुंचता है।

गेरू मिट्टी

लाल रंग की इस मिट्टी का प्रयोग मिट्टी खाने वाले बच्चों को मिट्टी के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए किया जाता है। गेरू को घी में तलकर शहद मिलाकर देने से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आता है। जिनका स्वास्थ्य मिट्टी खाने की आदत के कारण बिगड़ गया है।

गोपी चन्दन

सफेद रंग की मिट्टी का लेप मस्तक पर लगाने से दिमाग की गरमी दूर होती है। सिर चकराने तथा सिर दर्द जैसी समस्याओं का निवारण भी इससे हो जाता है। मुंह में छाले होने की स्थिति में, पहले इस का लेप लगाना चाहिए तथा आधे घंटे बाद सादे पानी से कुल्ले कर लेने चाहिएं, छाले दूर हो जाएंगे।

मुल्तानी मिट्टी

गर्मियों में होने वाली घमौरियों के उपचार में मुल्तानी मिट्टी अचूक औषधि है। शरीर पर इसका पतला-पतला लेप खून की गर्मी को कम करता है। उबटन की तरह मुल्तानी मिट्टी का पयोग सुख और शरीर की कान्ति बढ़ाता है। तेज बुखार में तापमान तुरंत नीचे लाने के लिये सारे शरीर पर इसका मोटा-मोटा लेप करना चाहिए। सौंदर्य के लिए इसका विष प्रयोग होता है।

बालू

नदी या समुद किनारे की बालू शरीर की जलन, ताप तथा दाह को शांत करती है। सिर तथा मुंह को छोड़कर, सारे शरीर पर बालू चढ़ाकर घंटे भर पड़ा रहना, घबराहट, शारीरिक ताप, जलन और दाह को दूर करने का सबसे अच्छा उपाय है। आधी चिकनी मिट्टी और आधी बालू मिलाकर बनाए गए लेप की पट्टी बहुत लाभदायक होती है।

इन आसान तरीकों से मिलेगी पेट की हर समस्या से निजात

पेट में गडबडी आम समस्या है, जिसके अलग-अलग कारण हो सकते हैं। क्यों ना इसका तुरंत समाधान कर चुस्त रहा जाए महिलाएं पेट की गडबडी की अधिक शिकार होती हैं। इसके कुछ कारण तो बहुत सामान्य होते हैं, पर कुछ ?से भी होते हैं, जिनके बारे में ज्यादा मालूम नही होता, इसलिए उस ओर हमारा ध्यान भी नहीं जाता। कौन से हैं ये कारण, इस बारे में एक जानकारी।

हारमोन कई महिलाएं माहवारी शुरू होने से पहले पेट में भारीपन, कब्ज और अतिसार की शिकायत करती हैं। माहवारी के शुरू होते ही स्थिति में अचानक बदलाव आता है और यह समस्या अपने आप दूर हो जाती है। सन डियागो में गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ के अध्ययनो से पता चलता है कि एस्ट्रोजन हारमोन नसों के तंतुओं को प्रेरित कर आंतो से गुजरने वाले मल की गति को बढा देता है। इसी तरह माहवारी के पहले और माहवारी के दौरान पेट का फूलना एक आम समस्या है। इसका कारण प्रोजस्ट्रॉन हारमोन के स्तर में बदलाव आना है, जो गुर्दे के लिए पानी और नमक को रोककर रखने का संकेत हो सकता है। गर्भवती महिलाओं में पेट की गडबडी, खासतौर से खट्टी डकारें आने की समस्या अधिक होती है। अमेरिकन गैस्ट्रो एंट्रोलॉजिकल एसोसिएशन के अनुसार 30 से 50 प्रतिशत गर्भवती महिलाएं इस समस्या की शिकार होती है। इसका कारण हारमोनल और शारीरिक बदलाव होता है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि कैल्शियम सप्लीमेंट लेने से पेट के फूले होने और प्रीमेंस्टुरअल सिंड्रोम के अन्य लक्षणों में सुधार हो सकता है। इसके साथ ही पानी भी अधिक मात्रा में पिएं। खट्टी डकारें खासतौर से गर्भावस्था में छुटकारा पाने के लिए रात को सिर के नीचे कई तकिए लगा कर सोएं। सिट्रस, पिपरमिंट, मिर्च-मसालेदार या फिर टमाटर से बनी चीजें खाने से परहेज करे, क्योंकि ये इस समस्या को बढावा देती हैं। तनाव वास्तव में हमारे पेट में एक अलग से नर्वस सिस्टम तंत्रिका तंत्र होता है, जो लाखों-करोडों नर्व कोशिकाओं से मिलकर बना होता है। न्यूयार्क की कोलंबिया युनिवर्सिटी के माइकल गर्शन के अनुसार जब हम तनावग्रस्त होते हैं, तो दिमाग हमारे पेट को एसिड अधिक बनाने और आंतो के सिकुडने के काम में तेजी लाने संबंधी सिगनल भेजता है, जिससे खट्टी डकारें आती हैं, मरोड उठते हैंऔर अतिसार पेचिश हो जाता है। हमारा शरीर भी कुछ ?से हारमोन और रसायन पैदा करता है, जिससे हमारी पाचन क्रिया प्रणाली सुस्त या फिर ज्यादा सक्रिय हो जाती है। वास्तव में दिमाग और पेट के बीच इतना जबर्दस्त संबंध होता है कि जीवन मे तनावपूर्ण लम्हों जैसा तलाक या परिवार में किसी की मौत का असर प्राय: पेट की गडबडियों के रूप में देखने को मिलता है। शरीर का 95 प्रतिशत सेरोटोनिन ''एक ?सा न्यूरोट्रांसमीटर'' ''जिसका संबंध उत्तेजना और अवसाद से है'' पेट में बनता है। यही वजह है कि एंटीडिप्रेसेंट दवाएं, जो सेरोटोनिन के स्तर को प्रभावित करती हैं, गंभीर पाचन संबंधी रोगों में मददगार हो सकती हैं।

इलाज क्या हो

रोज कम से कम 15 मिनट अपने को रिलेक्स करने के लिए निकालें। चाहें तो इस समय में अपनी किसी सहेली से बात क रें, अपनी मनपसंद पत्रिका पुस्तक पढें या फिर तेज चले। योग करें या ध्यान लगाएं। ?सी सेहतमंद डाइट लें, जिसमे रेशे पर्याप्त मात्रा में हों। किसी भी तरह का व्यायाम तनाव को कम करने में सहायक होता है।

पोषक तत्वों से भरपूर है खीरा

खीरा में मौजूद प्रोटीन, वसा, मैग्नीशियम, कार्बोहाइड्रेट, लोहा, और फास्फोरस, विटामिन ए, बी सी सहित कई पोषक तत्व शरीर में ऊर्जा बनाए रखते हैं। गर्मी के सीजन में शरीर को पानी की ज्यादा जरूरत होती है। इसलिए खीरे का इस्तेमाल अधिक होता है। खीरे का इस्तेमाल सलाद के रूप में करते हैं। यह क्षारीय और खनिज तत्वों से भरपूर होता है। इसमे पोटेशियम होता है, जो हाई ब्लड प्रेशर के शिकार लोगों का ब्लड प्रेशर कम करने में मदद करता है। खीरा खाने से खूब पेशाब आता है। यह अल्सर के इलाज में प्रभावकारी है। खीरे में स्टेरोल्स नामक यौगिक होने के कारण शरीर में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है।

- खीरा में पोषक तत्व काफी होते है जो शरीर को लाभदायक है। यह मधुमेह के रोगियों के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। खीरा खाने से मुंह की दुर्गध कम होती है साथ ही मुंह के बैक्टीरिया को भी मारता है। खीरा गुर्दे की समस्याओं को दूर करने का काम करता है।
- खारी त्वचा के लिए बहुत लाभदायक होता है। खीरे में मौजूद पोषक तत्व होने से त्वचा में निखार आता है।

सिर्फ बालों के लिए नहीं है नारियल तेल इन्हें भी आजमाएं

आमतौर पर नारियल तेल को बालों के लिए उपयोगी माना जाता है लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस तेल के और भी कई गुणकारी प्रयोग हैं.चलिए जानते हैं.

- रूखे और फटे होंठों पर सुबह शाम नारियल तेल लगाएं। रूखेपन की समस्या खत्म हो जाएगी।
- फटी एड़ियों के लिए रात में सोने से पहले पेट्रोलियम जैली के साथ नारियल तेल की मालिश करें। सुबह गुनगुने पानी से पैर धो लें।
- धब्बों की समस्या से परेशान हैं तो आधा चम्मच नारियल तेल में आधे नींबू का रस निचोड़े और चेहरे और कोहनी पर रगड़े, फिर गुनगुने पानी से धो लें।
- आंखों का मेकअप साफ करने के लिए कॉटन बॉल पर थोड़ा सा नारियल तेल डाले और हल्के हाथों से आंखों को साफ करें।
- नारियल के तेल की नहाने से पहले या फिर नहाने के बाद भी मालिश की जा सकती है। इससे त्वचा मुलायम और चमकदार रहेगी।
- बदन पर किसी भी तरह की खुजली हो नारियल तेल में कपूर मिलाकर त्वचा पर लगाएं और फायदा खुद देखें।

संक्षिप्त समाचार

वैभव कबड्डी के मैदान में चौके छक्के लगाते हुए दिखे

विशाखापत्तनम। उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी प्रो कबड्डी लीग के 12 सत्र की शुरुआत में पहुंचे। यहां वैभव ने बल्लेबाजी के साथ ही कबड्डी भी खेली। इस युवा बल्लेबाज के आते ही प्रशंसकों का उत्साह भी बढ़ गया। साथ ही कबड्डी खिलाड़ी भी उनसे मिलने के लिए उत्साहित दिखे। वैभव भी इस दौरान खुश नजर आ रहे थे पर असली मजा तो तब आया जब कबड्डी के मैदान में वैभव ने जमकर चौके, छक्के लगा दिये। इसके बाद उन्होंने खिलाड़ियों के साथ कबड्डी भी खेली। इसका एक वीडियो भी वायरल हुआ है। इसमें वह कबड्डी के मैदान में चौके छक्के लगाते हुए नजर आए। इस वीडियो को प्रो कबड्डी के आधिकारिक अकाउंट से शेयर किया गय। वह इस दौरान कबड्डी के दांव पेच भी लगाते दिखे। इसमें वैभव सभी के आकर्षण का केन्द्र रहे। वैभव ने पूर्व प्रो कबड्डी खिलाड़ी प्रदीप नरवाल से भी मुलाकात की।

औकिब ने दलीप ट्रॉफी में डबल हैट्रिक लगाकर बनाया रिकार्ड

बेंगलुरु। यहां खेली जा रही दलीप ट्रॉफी में औकिब नबी ने नोर्थ जोन की ओर से खेलते हुए सेंट्रल जोन के खिलाफ 4 गेंदों पर चार विकेट लेकर डबल हैट्रिक लगायी है। डबल हैट्रिक तब होती है जब कोई गेंदबाज लगातार चार गेंदों पर चार विकेट गिरा दे। औकिब नबी ने 53वें ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर लगातार तीन विकेट लेकर हैट्रिक लगायी। इसी के साथ औकिब नबी दलीप ट्रॉफी में हैट्रिक लेने वाले तीसरे गेंदबाज बने है। उनसे पहले साल 1978-79 में कपिल देव ने और 2001 में साईराज बहुतुले ने भी हैट्रिक ली थी। वहीं डबल हैट्रिक लेने वाले वह पहले गेंदबाज बने हैं। इस गेंदबाज ने 10.1 ओवर में कुल 28 रन देकर 5 विकेट लिए।

सीएएफए नेशंस कप में भारत ने ताजिकिस्तान को 2-1 से हराया

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम ने सीएएफए नेशंस कप 2025 फुटबॉल में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत से शुरुआत की है। नये कोच खालिद जमील के मार्गदर्शन में उतरी भारतीय टीम ने अपने पहले ही मैच में ताजिकिस्तान को 2-1 से हरा दिया। भारत की ओर से अनवर अली और संदेश झिंगन ने दूसरा और विजयी गोल किया। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने अपनी घरेलू धरती पर दो साल में पहली जीत हासिल की है। भारतीय टीम ने इससे पहले नवंबर 2023 में विश्व कप क्वालीफायर में कुवैत को हराया था।

पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में चिया-सोह को दी मात

सात्विक-चिराग की जोड़ी ने पक्का किया पदक

पेरिस ■ एजेंसी

सात्विक-चिराग की जोड़ी का यह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में यह दूसरा पदक होगा। इससे पहले उन्होंने 2022 में कांस्य अपने नाम किया था। एशियाई खेलों की विजेता भारतीय जोड़ी का सामना अब 11वीं वरीयता प्राप्त चीन के चेन बो यांग और लियू यि से मुकाबला होगा।

सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार बैडमिंटन जोड़ी ने बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में भारत का पदक पक्का कर लिया है। सात्विक-चिराग ने पुरुष युगल वर्ग के क्वार्टर फाइनल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता जोड़ी मलयेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक को हराया। भारतीय जोड़ी को पेरिस ओलंपिक में इसी जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया और 43 मिनट तक चले मैच में 21-12, 21-19 से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

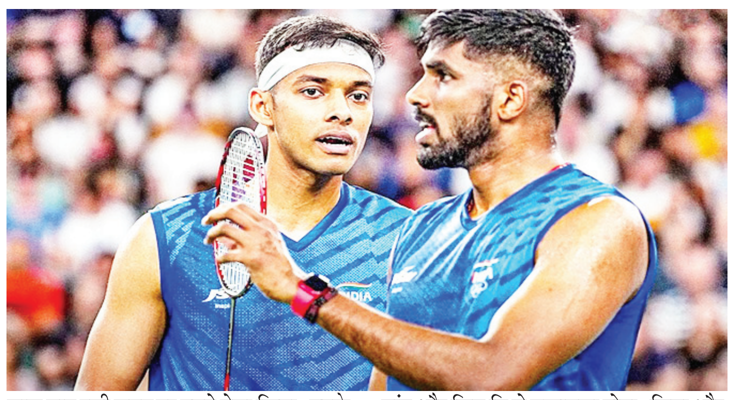

चिराग ने मैच के बाद कहा, काफी अच्छा लग रहा है, यह ओलंपिक मैच का रीकैप जैसा था और मुझे लगता है कि हमने वाकई बदला लिया। यह वही कोर्ट और वही एरेना था। एक साल बाद इसी जगह पर हमने ऐसा किया। उनके खिलाफ खेलना हमेशा खुशी की बात होती है। हमने हमेशा कुछ बहुत ही कड़े मुकाबले खेले हैं। बड़े से बड़े इवेंट में भी। आज जीत हासिल कर पाने की हमें बहुत खुशी है।

सात्विक-चिराग ने बदला चुकता किया: सात्विक-चिराग की जोड़ी का यह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में यह दूसरा पदक होगा। इससे पहले उन्होंने 2022 में कांस्य अपने नाम किया था। एशियाई खेलों की विजेता भारतीय जोड़ी का सामना अब 11वीं वरीयता प्राप्त चीन के चेन बो यांग और लियू यि से मुकाबला होगा। चिया और सोह की जोड़ी ने सात्विक-चिराग को इस साल सिंगापुर और चीन में हराया था और इससे पहले पिछले साल पेरिस ओलंपिक में भी हराकर उनका पदक जीतने का सपना तोड़ दिया था। हालांकि, विश्व चैंपियनशिप में भारतीय जोड़ी ने बदला चुकता किया।

चिराग ने ड्राइव-सर्व विनर से शुरुआत की और फिर 59 शॉट की रैली खेली जो मैच की सबसे लंबी रैली थी। इसके बाद उन्होंने अपने जोरदार मिड-कोर्ट स्मैश से भारत को 4-2 से आगे कर दिया। भारतीय जोड़ी ने लगातार छह अंक हासिल करके 9-3 की बढ़त बनाई। वह इंटरवल तक 11-5 से आगे थी। चिया और सोह ने 49 शॉट की एक और मैराथन रैली में सफलता हासिल की, लेकिन भारतीयों ने जल्द ही लय हासिल कर ली। भारतीय टीम ने 15-8 के स्कोर से ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया और फिर पहला गेम आसानी से अपने नाम किया।

सात्विक की तेज सर्विस तथा चिराग के तेज बैककोर्ट स्मैश की मदद से भारतीय जोड़ी ने दूसरे गेम में भी अच्छी शुरुआत की तथा जल्द ही 10-5 की बढ़त बना ली। सोह दबाव में गलतियां करते रहे, जिससे भारतीय टीम ने 17-12 की बढ़त बना ली। मलयेशिया की टीम ने इसके बाद अच्छा प्रदर्शन किया और 12-17 से वापसी की। चिराग के शानदार खेल के दम पर भारतीयों ने स्कोर 18-14 कर दिया। इसके बाद 15-19 के स्कोर पर एक और लंबी रैली हुई। अच्छे रिटर्न और फिर सात्विक का स्मैश नेट पर लगने से मलेशियाई टीम ने अंतर को 18-19 कर दिया। ऐसे समय में चिराग ने नेट पर मोर्चा संभाला और मैच प्वाइंट हासिल करके भारतीय जोड़ी को जीत दिलाई।

राष्ट्रीय फेंसिंग ट्रायल में इंदौर के खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन

भोपाल, निप्र। टीटी नगर स्टेडियम में 28 अगस्त 2025 को आयोजित 19वीं कैडेट राष्ट्रीय फेंसिंग चैम्पियनशिप 2025 (हल्द्वानी, उत्तराखंड) के चयन ट्रायल में इंदौर ज़िले के तीन खिलाड़ियों ने भाग लिया।

वैष्णवी बोरकर (फॉइल), अश्विन राठौर (ईपी) और मानसी चौरसिया (ईपी) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नॉक आउट राउंड तक क्वालिफाई किया। यद्यपि इस बार राष्ट्रीय चयन से चूक गए, लेकिन आगामी एसजीएफआई राज्य प्रतियोगिता के लिए तीनों खिलाड़ी और अधिक मेहनत करेंगे।

ये खिलाड़ी वॉरियर फाउंडेशन मार्शल आर्ट अकादमी में प्रशिक्षण ले रहे हैं। इन्हें निरंतर सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ – मध्यप्रदेश फेंसिंग संघ के अध्यक्ष विनोद प्रधान, माननीय सचिव डी.के. विद्यार्थी, डीएसओ इंदौर श्रीमती रीना चौहान, डीईओ इंदौर घनश्याम करोले, साई बाबा पब्लिक स्कूल की प्राचार्य डॉ. यामिनी जगताप एवं टीटी नगर स्टेडियम कोच भूपेंद्र सिंह राठौर से। खिलाड़ियों के प्रशिक्षण में कोच हरीओम परमार एवं ट्रेनर करण साहू का विशेष योगदान रहा।

हॉकी इंडिया के महासचिव बोले- पाक ने टीम भेजने पर सहमति दी

जूनियर पाकिस्तानी हॉकी टीम भारत आएगी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

तस्वीर 2023 की है, पाकिस्तान टीम ओमान में हुए जूनियर एशिया कप में रनर-अप रही थी।

जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान की हॉकी टीम भारत आएगी। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने शनिवार को कहा, पाकिस्तान ने इस साल के अंत में तमिलनाडु में होने वाले इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन (स्नद्ध॥) जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप 2025 के लिए अपनी जूनियर टीम भारत भेजने पर सहमति दी है।

जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप 2025 तमिलनाडु के मदुरै और चेन्नई शहर में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक खेला जाएगा। इससे पहले पाकिस्तान राजगीर, बिहार में हो रहे हॉकी एशिया कप से हट गया था। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप कुमार तिर्की ने इसकी पुष्टि की थी। उन्होंने बताया था कि पाकिस्तान ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है।

भारत-पाकिस्तान पूल बी में हॉकी एशिया कप से पाकिस्तान के हटने के बाद, जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर अनिश्चितता थी। भारत और पाकिस्तान को चिली और स्विट्जरलैंड के साथ पूल बी में रखा गया है।

महासचिव ने पाकिस्तानी हॉकी फेडरेशन से बात की टूर्नामेंट में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर महासचिव भोला नाथ ने कहा कि उन्होंने पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन के साथ बातचीत की। वे टूर्नामेंट के लिए अपनी जूनियर टीम भारत भेजेंगे।

नाथ ने मीडिया से कहा, पाकिस्तान ने सहमति दी है कि वे अपनी जूनियर हॉकी टीम जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप 2025 में खेलने के लिए भेजेंगे, जो चेन्नई और मदुरै में होगा।

पाकिस्तान को एशिया कप खेलने आना चाहिए था हाल ही में, भारतीय हॉकी के दिग्गज असलम शेर खान ने एशिया कप में पाकिस्तान के न आने पर कहा, टीम को टूर्नामेंट में हिस्सा लेना चाहिए था। भारत में डरने की कोई बात नहीं है। देश खेल और संस्कृति के मामले में बहुत अच्छा राष्ट्र है।

21 सितंबर को भारत सरकार ने मल्टीनेशनल टूर्नामेंट में खेलने की इजाजत दी पिछले हफ्ते, भारतीय सरकार ने पाकिस्तान के साथ मल्टीनेशनल टूर्नामेंट में भारत को खेलने की इजाजत दी। इसमें कहा गया कि भारतीय एथलीटों और टीमों को उन अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भाग लेने दिया जाएगा, जिनमें पाकिस्तान की टीमें या खिलाड़ी भी हों। हालांकि, भारत पाकिस्तान में होने वाले टूर्नामेंट में भाग लेना जारी नहीं रखेगा और किसी भी द्विपक्षीय प्रतियोगिता में शामिल नहीं होगा।

गर्मी के कारण एशिया कप के मैचों का टाइम बदला

शाम 7:30 की बजाय रात 8 बजे से शुरू होंगे मुकाबले, 9 सितंबर से टूर्नामेंट

नई दिल्ली ■ एजेंसी

क्रिकेट एशिया कप 2025 के मैचों के शुरू होने का टाइम बदल दिया गया है। भारतीय समय अनुसार, इस सीजन के मुकाबलों की शुरुआत अब शाम 7.30 बजे की जगह रात 8 बजे से होगी।

यह फैसला यूएई में काफी गर्म कंडीशन को देखते हुए लिया गया है। एशिया कप की शुरुआत 9 सितंबर से यूएई में होगी। इस टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 28 सितंबर को खेला जाएगा। ये टूर्नामेंट इस बार टी-20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। एशिया कप 2025 की मेजबानी भारत को मिली है, लेकिन भारत-पाकिस्तान के खराब संबंध के कारण यह न्यूट्रल वेन्यू पर खेला जाएगा।

ब्रॉडकास्टर्स ने मंजूरी दे दी सितंबर में जब॒ श्व में टूर्नामेंट खेला जाएगा। उस समय दिन के दौरान तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने और देर शाम तक ऐसे ही रहने की उम्मीद है। इतनी भीषण गर्मी में खेलने से बचने के लिए क्रिकेट बोर्ड्स ने मैचों के समय को थोड़ा आगे बढ़ाने का अनुरोध किया था। ब्रॉडकास्टर्स से यह अनुरोध किया गया और उन्होंने बदलावों पर मंजूरी दे दी।

भारत का पहला मैच यूएई से भारत, पाकिस्तान, ओमान और यूएई को एक ही ग्रुप में रखा गया है। श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और हॉन्ग कॉन्ग ग्रुप-बी में हैं। ग्रुप में सभी टीमें एक-दूसरे के खिलाफ 1-1 मैच खेलेंगी। भारत 10 सितंबर को॒ श्व, 14 को पाकिस्तान और 19 को ओमान से भिड़ेगा।

भारत और पाकिस्तान ने अगर सुपर-4 स्टेज में जगह बनाई तो दोनों टीमें फिर एक बार 21 सितंबर को आमने-सामने होंगी। टूर्नामेंट का फाइनल 28 सितंबर को खेला जाएगा। भारत और पाकिस्तान ने सुपर-4 स्टेज में टॉप किया तो दोनों के बीच टूर्नामेंट में तीसरा मुकाबला भी हो सकता है।

भारत ने 8 बार जीता एशिया कप एशिया कप की शुरुआत 1984 में हुई थी। अब तक 16 बार यह टूर्नामेंट खेला जा चुका है। भारत ने इसे सबसे ज्यादा 8 बार जीता। वहीं श्रीलंका ने 6 और पाकिस्तान ने 2 बार इस टूर्नामेंट को अपने नाम किया है।

व्यापार समाचार

निर्यात को बढ़ावा देने और वैश्विक पहुंच के लिए उपायों की घोषणा जल्द, गोयल बोल

सरकार द्वारा हर संभव मदद की जाएगी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर 50% तक शुल्क लगाने से कपड़ा, चमड़ा, जूते और झींगा जैसे श्रम प्रधान क्षेत्रों के निर्यात पर संकट गहरा गया है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार निर्यातकों को राहत देने के लिए जल्द ही ठोस कदम उठाएगी। वैकल्पिक बाजारों की तलाश, घरेलू खपत को बढ़ावा और वैश्विक पहुंच पर जोर दिया जाएगा। सरकार निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से घरेलू और वैश्विक पहुंच बढ़ाने के लिए जल्द ही विभिन्न उपायों की घोषणा करेगी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, निर्यातकों को व्यापार के मोर्चे पर मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं से निपटने में हर संभव मदद की जाएगी। अमेरिका ने भारतीय सामानों के निर्यात पर 50 फीसदी का भारी शुल्क लगा दिया है। इससे कपड़ा, चमड़ा, जूते और झींगा जैसे कुछ श्रम प्रधान क्षेत्रों के निर्यात पर असर पड़ने की आशंका है।

गोयल ने एक कार्यक्रम में शुक्रवार को कहा, सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि निर्यातकों को किसी एकतरफा कार्रवाई से उत्पन्न मौजूदा स्थिति से निपटने में तनाव या कठिनाई का सामना न करना पड़े। इन शुल्कों से जो मुश्किलें आ रही हैं, उसे आप लोग बताएं। हम वैकल्पिक बाजारों की तलाश कर रहे हैं। हम अपने मिशनों के जरिये दुनिया के अन्य हिस्सों तक पहुंच रहे हैं, ताकि अवसरों का लाभ

उठा सकें। हम घरेलू खपत को बढ़ावा देने पर भी विचार कर रहे हैं। अगले सप्ताह जीएसटी परिषद की बैठक होगी। इससे घरेलू विनिर्माण क्षेत्र में मांग में तेजी आएगी। सरकार निर्यात में विविधता लाने के लिए विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों सहित सभी हितधारकों के साथ बात कर रही है। आने वाले दिनों में सरकार हर क्षेत्र को समर्थन के लिए कई कदम उठाएगी। इससे हमारी वैश्विक पहुंच का विस्तार होगा। इससे इस वर्ष हमारा निर्यात बीते वर्ष के निर्यात से अधिक हो सकता है।

825 अरब डॉलर का रिकॉर्ड निर्यात: गोयल ने कहा, 2024-25 में वस्तु एवं सेवा निर्यात 825 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर था। वैश्विक बाजार में भारत का निर्यात हिस्सा कम है। हमें व्यापार के मोर्चे पर वैश्विक अनिश्चितताओं के बारे में बहुत चिंता करने की जरूरत नहीं है। कोई देश अच्छा व्यापार समझौता करना चाहता है, तो हम उसके लिए हमेशा तैयार हैं।

विपक्षी राज्यों ने जीएसटी राजस्व नुकसान पर केंद्र से मांगा मुआवजा, दो लाख करोड़ सालाना घाटे का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। *विपक्ष शासित आठ राज्यों ने जीएसटी सुधार से संभावित 1.5 से 2 लाख करोड़ रुपये के राजस्व नुकसान के मद्देनजर पांच साल तक मुआवजे की मांग की है। 5% और 18% के अलावा 40% टैक्स स्लैब प्रस्तावित होने से राज्यों के वित्तीय ढांचे अस्थिर होंगे। राज्यों का कहना है कि शुल्क को साझा किया जाना चाहिए। विपक्ष शासित राज्यों ने प्रस्तावित जीएसटी सुधार से होने वाले नुकसान के भरपाई के लिए पांच साल तक मुआवजे की मांग की है। इनका दावा है कि टैक्स का दो स्लैब करने से 1.5 लाख करोड़ से 2 लाख करोड़ तक के राजस्व का नुकसान हो सकता है। आठ राज्यों-हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, केरल, पंजाब, तमिलनाडु, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री जीएसटी परिषद की बैठक में मांग रखेंगे। सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में पांच और 18 फीसदी के अलावा कुछ सामानों पर 40 फीसदी टैक्स का प्रस्ताव दिया है। विपक्ष शासित राज्यों की मांग है, यह शुल्क राज्यों के बीच बांटा जाना चाहिए। कर्नाटक के वित्त मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा ने कहा, हर राज्य को मौजूदा जीएसटी राजस्व में 15 से 20% की कमी होने की उम्मीद है।*

जीटीआरआई का सुझाव

वैश्विक प्रदर्शनियों में भागीदारी के लिए निर्यातकों को 2500 करोड़ मिलने चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा है कि पिछले वर्षों में केवल 250 करोड़ रुपये के मामूली बजट के साथ, यह योजना 440 अरब डॉलर से अधिक की निर्यात अर्थव्यवस्था के लिए पहले से ही बहुत छोटी थी। इसे सालाना 2,500 करोड़ रुपये के बड़े बजट के साथ फिर से शुरू किया जाना चाहिए।

सरकार को बाजार पहुंच पहल (एमएआई) के तहत वैश्विक प्रदर्शनियों में भाग लेने के लिए निर्यातकों को 2,500 करोड़ रुपये आवंटित करने पर विचार करना चाहिए। एमएआई को इस वित्त वर्ष में कोई धनराशि नहीं मिली है। आर्थिक थिंक टैंक जीटीआरआई ने निर्यात संवर्धन निधि में गिरावट पर चिंता व्यक्त करते हुए यह बात कही है। जीटीआरआई ने कहा कि निर्यातकों ने अप्रैल से अगस्त के बीच वैश्विक प्रदर्शनियों में भाग लेने के महत्वपूर्ण अवसर गंवा दिए हैं।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, पिछले वर्षों में केवल 250 करोड़ रुपये के मामूली बजट के साथ, यह योजना 440 अरब डॉलर से अधिक की निर्यात अर्थव्यवस्था के लिए पहले से ही बहुत छोटी थी। इसे सालाना 2,500 करोड़ रुपये के बड़े बजट के साथ फिर से शुरू किया जाना चाहिए। इसमें कम से कम एक साल पहले धनराशि जारी की जानी चाहिए ताकि भारतीय फर्मों को वैश्विक मेलों में उच्च-दृश्यता वाले स्लॉट सुरक्षित करने का मौका मिल सके।

उन्होंने अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के बीच निर्यात को बढ़ावा देने के लिए ब्याज समानीकरण योजना (आईईएस) को फिर से शुरू करने, निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) को तुरंत लागू करने और ई-कॉमर्स निर्यात केंद्रों की स्थापना का भी आह्वान किया। इसके अलावा, श्रीवास्तव ने सीमा शुल्क निकासी में तेजी लाने, निर्यातित उत्पादों पर शुल्कों और करों की छूट योजना के लाभों को पूर्वानुमानित बनाने और अग्रिम प्राधिकरण योजना को सरल बनाने की सिफारिश की। उन्होंने कहा, विदेशी प्रदर्शनियों में भाग लेने में निर्यातकों की मदद करने वाले एमएआई को वित्त वर्ष 2025 में कोई धनराशि नहीं मिली है, जो दशकों में पहली ऐसी चूक है। नतीजतन, निर्यातकों ने अप्रैल और अगस्त के बीच महत्वपूर्ण अवसरों को गंवा दिया, और अगर बाद में धनराशि जारी भी की जाती है, तो 1-2 साल पहले बुक किए गए प्रमुख प्रदर्शनी स्थल अब उपलब्ध नहीं होंगे।

रिजर्व बैंक ने बंधन बैंक पर लगाया 44.70 लाख का जुर्माना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वैधानिक और नियामकीय निर्देशों के उल्लंघन पर बंधन बैंक पर 44.7 लाख का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई 31 मार्च, 2024 तक बैंक की वित्तीय स्थिति के आधार पर किए गए निरीक्षण के बाद की गई। आरबीआई ने बताया कि बैंक ने कुछ कर्मचारियों को अनुचित रूप से कमीशन के रूप में पारिश्रमिक दिया। इसके अलावा बैंक ने खातों के डेटा में 'बैक-एंड' के माध्यम से हस्तक्षेप किया और सिस्टम में उपयोगकर्ताओं के ऑडिट ट्रेल्स/लॉग्स दर्ज नहीं किए, जिससे पारदर्शिता में कमी आई। इन उल्लंघनों के आधार पर बैंक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। जांच और उत्तरों की समीक्षा के बाद जुर्माना लगाया गया।

रूसी उर्वरकों का रिकॉर्ड आयात, छमाही में 20 फीसदी बढ़ा

मॉस्को। वर्ष 2025 की पहली छमाही में भारत ने रूस से 25 लाख टन उर्वरक आयात किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक है। रूसी उर्वरक उत्पादक संघ के एक प्रमुख अ ?धिकारी के अनुसार इससे भारत के कुल उर्वरक आयात में रूस की हिस्सेदारी बढ़कर रिकॉर्ड 33 प्रतिशत हो गई है। इसका मतलब है कि भारत द्वारा आयात किए जा रहे हर तीसरे टन उर्वरक की आपूर्ति अब रूस से हो रही है। एक रूसी समाचार एजेंसी के मुताबिक पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बाद भारत ने मित्र देश के रूप में रूस से उर्वरक खरीद में अग्रणी भूमिका निभाई है। इस साझेदारी से भारत को सस्ती और स्थिर उर्वरक आपूर्ति मिल रही है, जबकि रूस को अपने निर्यात का नया बाजार प्राप्त हो रहा है। यह दोनों देशों के बीच मजबूत होते व्यापारिक संबंधों का संकेत है।

2026 में भारत की अर्थव्यवस्था 6.5% बढ़ने का अनुमान, बीओबी ने कहा

टैरिफ पैदा कर सकता है जोखिम

नई दिल्ली ■ एजेंसी

वित्त वर्ष 26 में भारत की अर्थव्यवस्था में लगभग 6.5 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। यह स्थिर घरेलू गति को दर्शाता है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी एक रिपोर्ट में यह बात कही है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने यह भी कहा है कि टैरिफ से जुड़ी बढ़ती चिंताएं जोखिम पैदा कर सकती हैं।

बीओबी के अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक के 6.5 प्रतिशत के अनुमानों के अनुरूप हैं। आरबीआई ने 6 अगस्त को हुई मौद्रिक नीति समिति की नवीनतम बैठक में अपने अनुमान जताए थे। देश में जीडीपी अनुमानों को वित्त वर्ष की मजबूत शुरुआत से बल मिल रहा है, जिसमें सकल घरेलू उत्पाद पिछले वर्ष की इसी अवधि के 6.5 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत हो गया। विनिर्माण, कृषि और सेवा क्षेत्रों ने उल्लेखनीय वृद्धि प्रदान की, साथ ही उपभोग माँग में भी उचित वृद्धि हुई। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि आगामी त्योहारी सीज़न में खर्च और शहरी उपभोग में सुधार से विकास को और बढ़ावा मिलने की संभावना है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि आरबीआई की ओर से एक और ब्याज दर में कटौती और संभावित राजकोषीय समर्थन की उम्मीदें भी आर्थिक प्रगति को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकती हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, भारत की नाममात्र जीडीपी अप्रैल-जून तिमाही के दौरान 8.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने यह भी कहा कि जीडीपी वृद्धि के आंकड़े मजबूत मैक्रोइकॉनॉमिक फंडामेंटल्स से समर्थित अर्थव्यवस्था में मजबूत गति को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि आपूर्ति पक्ष की वृद्धि विनिर्माण, निर्माण और सेवाओं से संचालित थी।

रिपोर्ट के अनुसार सरकार के पूंजीगत व्यय ने सकल स्थायी पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) की वृद्धि की गति को भी बनाए रखा है।

टैरिफ का असर सीमित, मुख्य आर्थिक सलाहकार बोले

भारत की अर्थव्यवस्था में दिख रहा सकारात्मक संकेत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में कई सकारात्मक पहलू दिख रहे हैं, जो अमेरिका के टैरिफ के असर को सीमित कर सकते हैं। उन्होंने जीएसटी सुधार, कर कटौती, रोजगार प्रोत्साहन योजनाओं और घरेलू मांग को मजबूती का कारक बताया। नागेश्वरन ने कहा कि जीडीपी की मजबूत वृद्धि, ग्रामीण आय और डिजिटल भुगतान का बढ़ना भी अर्थव्यवस्था को सहारा देगा।

भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि देश की अर्थव्यवस्था में कई सकारात्मक संकेत दिखाई दे रहे हैं, जो अमेरिका के टैरिफ से पड़ने वाले असर को संतुलित कर सकते हैं।

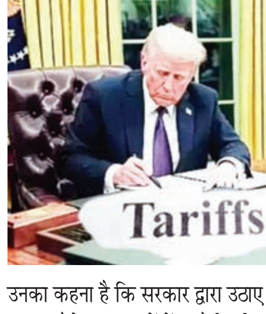

उनका कहना है कि सरकार द्वारा उठाए गए कदम, जैसे प्रत्यक्ष करों में कटौती, जीएसटी सुधार और रोजगार आधारित प्रोत्साहन योजनाएं, आर्थिक मजबूती को सहारा दे रही हैं।

नागेश्वरन ने कहा कि केंद्र सरकार ने कारोबार में सुगमता और ईमानदारी से व्यवसाय करने जैसे संरचनात्मक सुधारों पर जोर दिया है। इससे टैरिफ से जुड़ी अनिश्चितता कम होगी। उन्होंने बताया कि अगस्त महीने के आंकड़े भी अर्थव्यवस्था के मजबूत प्रदर्शन की ओर इशारा करते हैं। उनका मानना है कि भले ही अमेरिका के टैरिफ का असर बाहरी मांग और घरेलू उत्पादन पर कुछ हद तक पड़ेगा, लेकिन यह अस्थायी और सीमित होगा।

मजबूत जीडीपी का योगदान: सीईए ने बताया कि अप्रैल-जून तिमाही (वित्त वर्ष 2025-26) में भारत की वास्तविक जीडीपी 7.8 प्रतिशत बढ़ी है, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही के 6.5 प्रतिशत की तुलना में ज्यादा है। वहीं, नाममात्र जीडीपी 8.8 प्रतिशत रही। इस मजबूत प्रदर्शन के पीछे विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के साथ-साथ सरकारी खपत का बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी घरेलू मांग के सहारे अर्थव्यवस्था स्थिर रह सकती है।

रोजगार और घरेलू मांग पर असर: नागेश्वरन ने माना कि अमेरिका के टैरिफ से निर्यात आधारित इकाइयों में कुछ नौकरियों पर असर पड़ सकता है।

आईफोन्स पर आरसीएस मैसेजिंग उपलब्ध कराने का ऐलान

नई दिल्ली। रिलायंस जियो के साथ साझेदारी कर एप्पल ने आईफोन्स पर आरसीएस मैसेजिंग उपलब्ध कराने का ऐलान किया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, इस इंटीग्रेशन के बाद जियो यूजर्स को आईमैसेज जैसी सुविधाएं मिलेंगी। यानी अब बिना किसी अतिरिक्त चार्ज के वाई-फाई या मोबाइल डेटा के जरिए हाई-रेजॉल्यूशन मीडिया के साथ 'ब्लू टिक' वाले आरसीएस टेक्स्ट भेजे जा सकेंगे। भारत में आरसीएस का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है और यह व्हाट्सऐप जैसे चैटिंग ऐप्स को टक्कर देता दिखाई दे रहा है।

संक्षिप्त समाचार

महानदी जल विवाद सुलझाने को छत्तीसगढ़-ओडिशा ने की पहल

रायपुर/नई दिल्ली। भारत की प्रमुख नदी, महानदी को लेकर छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच लंबे समय से चल रहे विवाद को हल करने के लिए शनिवार को नई दिल्ली में एक अहम बैठक हुई। महानदी छत्तीसगढ़ से निकलकर ओडिशा होकर बंगाल की खाड़ी में जाकर मिलती है। बैठक में छत्तीसगढ़ और ओडिशा के मुख्य सचिवों और जल संसाधन विभाग के सचिवों ने हिस्सा लिया। बैठक में दोनों राज्यों ने माना कि यह समस्या बहुत पुरानी और कठिन है, लेकिन लोगों और दोनों राज्यों के भले के लिए इसका समाधान मिल-बैठकर निकालना ही होगा। इस दौरान बैठक में यह तय हुआ कि, सितंबर 2025 से दोनों राज्यों की तकनीकी समितियां, जिनमें इंजीनियर और विशेषज्ञ होंगे, हर हफ्ते बैठक करेंगी। ये समितियां मुख्य मुद्दों को पहचानेंगी और उनका हल निकालने की कोशिश करेंगी। साथ ही, वे यह भी देखेंगी कि कैसे दोनों राज्यों के बीच बेहतर तालमेल बनाया जा सकता है। इसके साथ ही आगामी अक्टूबर, 2025 में दोनों राज्यों के मुख्य सचिव एक और बैठक करेंगे। इसमें बैठक में जल संसाधन सचिव भी शामिल होंगे। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो दिसंबर तक दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री भी मुलाकात कर सकते हैं ताकि महानदी जल विवाद का हल ऐसा निकले जो सबके लिए लाभकारी हो।

केदारनाथ की ध्यान गुफा का संचालन अब बीकेटीसी करेगी

देहरादून। केदारनाथ धाम की प्रसिद्ध ध्यान गुफा का संचालन अब बदरी-केदार मंदिर समिति (बीकेटीसी) करेगी। अब तक गढ़वाल मंडल विकास निगम (जीएमवीएन) की ओर से रूद्र ध्यान गुफा का प्रबंधन किया जा रहा था। जीएमवीएन ने बीकेटीसी को ध्यान गुफा हस्तांतरित करने के लिए अनापत्ति दे दी है। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने बताया कि शासन के निर्देश के क्रम में केदारनाथ धाम स्थित ध्यान गुफा को बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति को हस्तान्तरण किये जाने के लिए जीएमवीएन की ओर से बीते 29 अगस्त को अनापत्ति दे दी है? । उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद ने इस संबंध में बीकेटीसी को अवगत कराया है। महाप्रबन्धक (पर्यटन) गढवाल मंडल विकास निगम ने बताया कि केदारनाथ धाम स्थित ध्यान गुफा का संचालन वर्तमान में जीएमवीएन के माध्यम से किया जा रहा है। उक्त गुफा का संचालन बीकेटीसी को दिये जाने पर जीएमवीएन को कोई आपत्ति नहीं है, वहीं गुफा के बीकेटीसी को हस्तांतरित किये जाने पर माह सितम्बर 2025 से अक्टूबर 2025 तक 15 पर्यटकों द्वारा ध्यान गुफा के लिए ऑनलाइन अग्रिम आरक्षण किया है जोकि पूर्व की भांति बना रहेगा तथा शीघ्र जीएमवीएन ध्यान गुफा बीकेटीसी को हस्तांतरित करेगा।

बलोचिस्तान में बीएलए के हमलों में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के आठ जवान मारे गए

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने हाल के दिनों में बलोचिस्तान के कई जिलों में हुए आठ हमलों की जिम्मेदारी ली है। बीएलए ने कहा है कि इन हमलों में पाकिस्तान सुरक्षा बलों के कम से कम आठ जवान मारे गए। विस्फोट कर सुरक्षा बलों के अनेक वाहन उड़ा दिए गए। खबर के अनुसार, बीएलए प्रवक्ता जीयंद बलूच ने कहा कि ये हमले पंजगुर, कच्ची, क्वेटा, जीवानी, खरान, बुलेदा और दलबंदिन में किए। बलोच लिबरेशन आर्मी के लड़ाकों ने सुरक्षा बलों की टुकड़ियों, पुलिस दल और वाहनों पर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), ग्रेनेड और बमों का इस्तेमाल किया। बीएलए ने कहा कि पंजगुर जिले के पारोम इलाके में गुरुवार को एक चौकी से रवाना होते समय सेना के एक वाहन पर रिमोट-नियंत्रित आईईडी से हमला किया, जिसमें छह जवान मारे गए। इस हमले में वाहन पूरी तरह से नष्ट हो गया। इसी तरह कच्छी जिले के कोलपुर इलाके में रेलवे ट्रैक साफ कर रहे एक बम निरोधक दस्ते को निशाना बनाया गया। इसमें एक सैनिक मारा गया। 28 अगस्त को इसी इलाके में एक और हमला किया गया।

अवैध रिश्तों के चक्कर में गई बुजुर्ग की जान, प्रेमिका भी घिरी मुसीबत में

बीजिंग। अपने अवैध रिश्तों और रंगीनमिजाजी की वजह से चीन के एक 66 वर्षीय शख्स ने ऐसा कदम उठाया जिसने न सिर्फ उसकी जिंदगी खत्म हो गई, बल्कि उसकी प्रेमिका के लिए भी बड़ी कानूनी मुश्किलें खड़ी कर दीं। एक रिपोर्ट के मुताबिक शादीशुदा यह बुजुर्ग शख्स अपनी प्रेमिका से चोरी-छिपे मिल रहा था। दोनों की पहचान करीब चार दशक पहले 1980 के दशक में एक फैक्ट्री में काम करने के दौरान हुई थी। लंबे अरसे तक संपर्क टूटने के बाद वर्ष 2023 में एक पार्टी में उनकी दोबारा मुलाकात हुई और तभी से उनका रिश्ता दोबारा नजदीकी में बदल गया। मुलाकातें बढ़ती गईं और आखिरकार 24 जुलाई को दोनों ने एक होटल में मिलने का फैसला किया।

रक्षा उपकरण, ड्रोन इकाई, एयरक्रॉफ्ट इंजन, डिफेंस एयरोस्पेस टेस्ट फेसिलिटी का लोकार्पण

नॉलेज और टेक्नोलॉजी साम्राज्यवाद का नया चेहरा : राजनाथ सिंह

गौतमबुद्ध नगर ■ एजेंसी

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के जनपद गौतमबुद्ध नगर में रक्षा उपकरण एवं ड्रोन निर्माण इकाई, एयरक्रॉफ्ट इंजन और डिफेंस एयरोस्पेस टेस्ट फेसिलिटी का लोकार्पण किया। भारतीय सशस्त्र बलों एवं पुलिस बल के लिए ड्रोन, मानव रहित यान के इंजन व अन्य सिस्टम का निर्माण करने वाली राफे एमफाइबर कंपनी के बनाए गए ड्रोन ऑपरेशन सिंदूर में सेना ने प्रयोग किए थे।

इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज हर देश की रक्षा टेक्नोलॉजी और ड्रोन पर टिकी हुई है। उन्होंने कहा कि भारत इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पहले हमें ड्रोन बाहर से मंगाने पड़ते थे, लेकिन आज हम लोग खुद ड्रोन बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी इस प्रगति में भारत के अनेक उद्योगपति हिस्सेदारी निभा रहे हैं। पहले जमीन के आसपास सत्ता घूमती थी, लेकिन 80 दशक के बाद उद्योग आर्थिक केंद्र बना। अब आर्थिक व्यवस्था का केंद्र उद्योग से निकलकर टेक्नोलॉजी की तरफ आ गया है। दुनिया में साम्राज्यवाद का नया चेहरा सामने आया है। पहले यहां धन और जमीन पर साम्राज्य होता था, लेकिन अब यह ज्ञान और टेक्नोलॉजी पर निर्भर कर रहा है। भारत की हमेशा यही नीति रही है कि हम सबको साथ लेकर चलें। उन्होंने कहा कि भारत को विश्व में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करने के लिए टेक्नोलॉजी और नवाचार में और काम करना होगा। इसी से हम अपना हित सुनिश्चित कर सकते हैं, तथा विश्व में अपना योगदान दे सकते हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पहले उद्योग लगाने का माहौल नहीं था। यहां गुंडे, बदमाशों के बीच उद्योगों को सुरक्षा नहीं थी। अपराध, गुंडागर्दी, वसूली, रंगदारी और न जाने कितनी चुनौतियां उत्तर प्रदेश के उद्यमियों के सामने थीं, लेकिन आज मैं विश्वास के साथ कहना चाहूंगा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश तेजी से औद्योगिकीकरण की ओर बढ़ रहा है। यह प्रदेश कानून व्यवस्था के लिए नई सोच और नई नीतियों की पहचान बनता जा रहा है। यहां स्टार्टअप का ईको सिस्टम खड़ा हो रहा है। इन्वेस्टर आ रहे हैं। इन्वेस्ट मीट हो रही हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह का उत्साह उत्तर प्रदेश में देखने को मिला, वह किसी और राज्य में नहीं मिला। उन्होंने कहा कि नोएडा में आईटी पार्क, ऐरो स्पेस, फिल्म सिटी जैसे उद्योग स्थापित हो रहे हैं। यह सारे बदलाव भविष्य में उत्तर प्रदेश को नया स्वरूप देंगे। उन्होंने कहा कि यह दौर पूरे उत्तर प्रदेश के लिए एक नया और सुनहरा अध्याय है। उन्होंने कहा कि आमतौर पर एयरक्रॉफ्ट शब्द सुनकर हम लोगों के कान में फाइटर प्लेन की तस्वीर सामने आ जाती है। उन्होंने कहा कि लेकिन आज के दौर में ड्रोन ने एयरोस्पेस सेक्टर में अपनी बड़ी भूमिका निभाई है। आज ड्रोन का इस्तेमाल उन जगहों पर भी किया जा रहा है जहां बड़े इक्विपमेंट नहीं पहुंच सकते।

उन्होंने कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच में युद्ध में बड़े पैमाने पर ड्रोन का इस्तेमाल हुआ। उन्होंने कहा कि आज के युग में ड्रोन के महत्व को समझना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि ड्रोन का इतिहास बहुत दिलचस्प है। उन्होंने कहा कि शुरुआती दिनों में ड्रोन सर्विलांस और जांच पड़ताल के लिए प्रयोग हो रहा था। बाद में कुछ देशों ने सीमाओं पर होने वाली लड़ाइयां पर इनका प्रयोग प्रारंभ किया। जिन देशों में टेक्नोलॉजी में इन्वेस्ट किया, उन्होंने इस क्षेत्र में बहुत बड़ी बढ़त हासिल की। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि नोएडा में हर जगह अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। आज जितने भी नवाचार हो रहे हैं उसमें नोएडा सबसे आगे है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में नोएडा देश के विकास में और भी मजबूत भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि यहां आकर जो अनुभव मुझे हो रहा है वह बिल्कुल अलग है, और नया है। उन्होंने कहा नौजवानों द्वारा देश में टेक्निकल विकास करना मुझे बहुत अच्छा लगता है।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश 1947 के बाद से लगातार विभिन्न प्रकार की चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर ने युद्ध के एक नए दौर में प्रवेश किया। उसने भारत के सामर्थ्य और शक्ति का एहसास दुनिया को करवाया। लेकिन हम सब की आंखों को खोलने के लिए बहुत सारे ऐसे अवसर और मौके भी दिए हैं। जो हमें भविष्य की चुनौतियों से जूझने और सामना करने के लिए एक नई प्रेरणा प्रदान कर चुकी है। उन्होंने कहा कि उसी तरह से हमें अपने आपको तैयार करना होगा।

अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण के लिए केन्द्र-राज्य समन्वय अत्यंत आवश्यक : ओम बिरला

भुवनेश्वर ■ एजेंसी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदायों के सशक्तिकरण और कल्याण के लिए केन्द्र और राज्य सरकारों के बीच गहन समन्वय जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह तभी सुनिश्चित किया जा सकेगा कि विकास और प्रगति के लाभ समाज के अंतिम पायदान तक पहुंचे।

बिरला शनिवार को भुवनेश्वर में आयोजित दो दिवसीय अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण पर संसद और राज्य विधानमंडलों की समितियों के अध्यक्षों के राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। बिरला ने कहा कि संसद में इन समुदायों के कल्याण की निगरानी के लिए समितियां सक्रिय हैं, लेकिन कुछ राज्यों में ऐसी संस्थागत व्यवस्थाओं का अभाव है। उन्होंने सभी राज्य विधानसभाओं से आग्रह किया कि वे भी विशेष समितियां गठित करें ताकि नीतियों और योजनाओं के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा हो सके और समस्याओं का समयबद्ध समाधान संभव हो। लोकसभा अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि समिति की सिफारिशों को आलोचना नहीं बल्कि रचनात्मक मार्गदर्शन के रूप में देखा जाना चाहिए। यह सिफारिशें सरकार को योजनाओं की प्रभावशीलता बढ़ाने, नीतियों को सुगम बनाने और समुदायों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप बदलाव करने में मदद करती हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने अनुसूचित जाति और जनजातियों के अधिकारों को सुदृढ़ करने और उन्हें समकालीन आकांक्षाओं के अनुरूप बनाने के लिए व्यापक सुधार किए हैं। इस प्रक्रिया में समितियां महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं-वे बजटीय प्रावधानों की समीक्षा करती हैं, कल्याण योजनाओं के प्रदर्शन का आकलन करती हैं और सुधार के सुझाव देती हैं। बिरला ने इस बात पर बल दिया कि शिक्षा और प्रौद्योगिकी भविष्य में एससी व एसटी युवाओं के सशक्तिकरण के प्रमुख साधन होंगे। इन उपकरणों का उपयोग कर ही हम आत्मनिर्भर और सशक्त समुदाय का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि भुवनेश्वर एजेंडा 2025 संसद और राज्य विधानमंडलों के लिए आने वाले वर्षों में मार्गदर्शक दस्तावेज का काम करेगा। उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ के आशीर्वाद और डॉ. भीमराव अंबेडकर की दृष्टि से प्रेरित होकर भारत 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की ओर अग्रसर होगा, जहां हर अनुसूचित जाति और जनजाति का सदस्य गरिमा, समानता और न्याय के साथ जीवन व्यतीत करेगा।

एआईसीटीई और डीएसटी ने राष्ट्रीय क्वांटम मिशन के तहत क्वांटम प्रौद्योगिकियों में एम.टेक कार्यक्रम शुरू किया

नई दिल्ली। भारत को उन्नत प्रौद्योगिकियों में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के सहयोग से क्वांटम प्रौद्योगिकियों में एम.टेक कार्यक्रम की शुरुआत की है। यह पहल राष्ट्रीय क्वांटम मिशन के तहत की गई है। इस नये शैक्षणिक कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को क्वांटम कंप्यूटिंग, क्वांटम कम्युनिकेशन और क्वांटम सेंसिंग जैसे उभरते क्षेत्रों में उच्च स्तरीय कौशल उपलब्ध कराना है। इसे इस तरह डिज़ाइन किया गया है कि इसमें सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण, अनुप्रयुक्त अनुसंधान और वास्तविक दुनिया की चुनौतियों पर समाधान विकसित करने की क्षमता भी शामिल हो। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय के प्रो. एके सूद, डीएसटी के सचिव डॉ. अभय करंदीकर, एचसीएल टेक्नोलॉजीज के सह-संस्थापक डॉ. अजय चौधरी, एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. टीजी सीताराम, एआईसीटीई की सदस्य सचिव प्रो. श्यामा रथ समेत वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पाक के हालात: गरीबों की आह निकल रही और अमीरों के महल सज रहे

इस्लामाबाद ■ एजेंसी

पाकिस्तान कर्ज में डूबा है, महंगाई ने आम पाकिस्तानी के लिए दो वक्त का खाना भी मुश्किल कर दिया है और कई सूबे बाढ़ जैसी आफत से जूझ रहे हैं। दो वक्त का खाना पाकिस्तानी जनता के लिए लग्जरी से कम नहीं, लेकिन इन हालातों के बीच वहां के नेता और अफसर आलीशान जिदगी जीते हुए ऐश और भ्रष्टाचार में डूबे नजर आते हैं। सबसे ताजा उदाहरण पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज का है। दक्षिण पंजाब के छह जिले बाढ़ में डूबे हुए हैं, सैकड़ों परिवार बेघर हो गए, 178 लोगों की जान चली गई। ऐसे में मरियम नवाज राहत कैंपों में नहीं, बल्कि हांगकांग में शॉपिंग करती दिखीं।

पूर्व एनएसए ने सुनाई खरी-खरी कहा-भारत और चीन को दोस्त बनने के लिए मजबूर कर रहे हैं ट्रंप

वाशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने भारत के खिलाफ आक्रामक टैरिफ नीति अपनाने के लिए ट्रंप प्रशासन की आलोचना की है। उनके मुताबिक अमेरिका के राष्ट्रपति अपनी इन नीतियों की वजह से भारत को जानबूझकर चीन की ओर धकेल रहे हैं, जो कि अमेरिका के हितों के बिल्कुल विपरीत है। पूर्व अमेरिकी अधिकारी का यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतांत्रिक देशों के संबंध सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। अमेरिका ने भारत के ऊपर 25 फीसदी का व्यापार टैरिफ और रूसी तेल खरीदने के लिए 25 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया गया है। ट्रंप प्रशासन की तरफ से लगातार भारत को निशाना बनाया जा रहा है। भारत ने इसका भरपूर विरोध किया है। और अपने किसानों के हितों और संप्रभुता को बचाने के लिए किसी भी हद तक जाने की बात कही है। बाइडेन के समय में सुरक्षा सलाहकार रहे सुलिवन ने दुनियाभर के देशों में अमेरिका के प्रति बढ़ते अविश्वास के मुद्दे पर भी बात की। उन्होंने कहा कि आज हमारे सहयोगी देश हमें एक विघटनकारी देश के रूप में देखते हैं, आज चीन लोकप्रियता और स्थायी नीतियों के मामले में हमसे आगे निकल गया है। उन्होंने कहा, जब मैं अब इन जगहों पर जाता हूं और नेताओं से बात करता हूं, तो वे संयुक्त राज्य अमेरिका से जोखिम कम करने की बात कर रहे होते हैं। वह अब अमेरिका को एक विघटनकारी देश के रूप में देखते हैं, जिस पर भरोसा नहीं किया जा सकता। आज हालात यह हैं कि चीन वैश्विक स्तर पर एक लोकप्रिय खिलाड़ी है, जबकि हमारा अमेरिकी ब्रांड टॉयलेट में नजर आता है। पॉडकॉस्ट में जैक ने अपनी बात पर जोर देते हुए भारत का उदाहरण दिया और कहा कि अमेरिका के भारत के गहरे और अधिक टिकाऊ संबंध बनाने को लेकर पिछले कई सालों से काम किया जा रहा था। हालांकि, अब ट्रंप ने नई दिल्ली के ऊपर भारी टैरिफ लगा दिए, जिससे भारत को मजबूरन चीन के साथ बैठने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा, एक उदाहरण के तौर पर भारत को ले लीजिए। यह एक ऐसा देश है, जिसके साथ हम मजबूत और टिकाऊ द्विपक्षीय संबंध बनाने के लिए वर्षों से काम कर रहे थे।

कार्यालय क्षेत्रसंचालक, सतपुडा टाइगर रिजर्व नर्मदापुरम, म.प्र.
Phone No. 07574-254394 (O) Fax, 07574-252133 E-mail: fdsatnp.hbd@mp.gov.in
Satpuda Tiger Reserve

क्र. **7013** सामग्री क्रय हेतु निविदा आमंत्रण सूचना दिनॉक **26.8.2025**

ई-निविदा विज्ञप्ति

सतपुडा टाइगर रिजर्व के अंतर्गत वर्ष 2025-26 विभिन्न योजना अंतर्गत विभागीय कार्य हेतु **RCC Hume Pipe** क्रय करने के लिए प्रदायकर्ताओं से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा दस्तावेज मध्य प्रदेश के www.mptenders.gov.in में प्रकाशन दिनॉक से दिनॉक 10.09.2025 को सायं 05.00 बजे तक ऑनलाईन क्रय किये जा सकते है।

क्र.	विवरण	
1	निविदा प्रपत्र की उपलब्धता	निविदा प्रपत्र बेवसाइड www.mptenders.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
2	निविदा प्रपत्र का मूल्य	500/- रूपये (पांच सौ रूपये मात्र)
3	धरोहर राशि	30,000/- (रूपये तीस हजार रूपये मात्र)
4	निविदा प्रपत्र की ऑनलाईन उपलब्धता	www.mptenders.gov.in में प्रकाशन दिनॉक से
5	ऑनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथी एवं समय	दिनॉक 10.09.2025 को सायं 05:00 बजे तक
6	निविदा खोलने की तिथी व समय	दिनॉक 12.09.2025 को प्रातः 11:00 बजे

(ऋषिभा सिंह नेताम)
भा.व.से.
उपसंचालक
सतपुडा टाइगर रिजर्व
नर्मदापुरम

जी 17977/25

कार्यालय क्षेत्रसंचालक, सतपुडा टाइगर रिजर्व नर्मदापुरम, म.प्रं.
Phone No. 07574-254394 (O) Fax, 07574-252133 E-mail: fdsatnp.hbd@mp.gov.in
Satpuda Tiger Reserve

क्र. **7071** सामग्री क्रय हेतु निविदा आमंत्रण सूचना दिनॉक **26.8.2025**

ई-निविदा विज्ञप्ति

सतपुडा टाइगर रिजर्व के अंतर्गत वर्ष 2025-26 विभिन्न योजना अंतर्गत क्षेत्र सुरक्षा कार्य में उपयोग हेतु **चैनलिंक जाली, पोल एवं यू क्लीप** क्रय करने के लिए प्रदायकर्ताओं से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा दस्तावेज मध्य प्रदेश के www.mptenders.gov.in में प्रकाशन दिनॉक से दिनॉक 10.09.2025 को सायं 05.00 बजे तक ऑनलाईन क्रय किये जा सकते है।

क्र.	विवरण	
1	निविदा प्रपत्र की उपलब्धता	निविदा प्रपत्र बेवसाइड www.mptenders.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
2	निविदा प्रपत्र का मूल्य	500/- रूपये (पांच सौ रूपये मात्र)
3	धरोहर राशि	7,50,000/- (रूपये सात लाख पचास हजार मात्र)
4	निविदा प्रपत्र की ऑनलाईन उपलब्धता	www.mptenders.gov.in में प्रकाशन दिनॉक से
5	प्री-बिड मीटिंग	दिनॉक 02.09.2025 को दोपहर 12.00 से 12.30 बजे तक कार्यालय क्षेत्रसंचालक, सतपुडा टाइगर रिजर्व, पिपरिया रोड, नर्मदापुरम में होगी या ऑनलाईन हेतु लिंक https://meet.google.com/vte-qjbg-pyr
6	ऑनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथी एवं समय	दिनॉक 10.09.2025 को सायं 05:00 बजे तक
7	निविदा खोलने की तिथी व समय	दिनॉक 12.09.2025 को प्रातः 11:00 बजे

(ऋषिभा सिंह नेताम)
भा.व.से.
उपसंचालक
सतपुडा टाइगर रिजर्व
नर्मदापुरम

जी 17962/25

भीलवाड़ा में सुविचार अभियान संगोष्ठी में भैयाजी जोशी बोले-

गांव की परंपराओं से ही भारत का भविष्य सुरक्षित रहेगा

भीलवाड़ा ■ एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरकार्यवाह सुरेश जोशी (भैयाजी) ने कहा कि गांव भारत की आत्मा हैं। एक-दूसरे के सुख-दुख में सम्मिलित होना हमारी परंपरा रही है और यही हमारी सामाजिक ताकत है। आधुनिकता और औद्योगीकरण ने समाज को नई दिशा दी है, लेकिन संतुलन खोने से संकट भी बढ़ा है। इसलिए हमें विज्ञान और प्रकृति के बीच तालमेल बनाकर चलना होगा।

भैयाजी शनिवार को आरसीएम वर्ल्ड, भीलवाड़ा में आयोजित सुविचार अभियान की द्वि-दिवसीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्राचीन समय में गांव आत्मनिर्भर हुआ करते थे, उनकी हर जरूरत गांव में ही पूरी हो जाती थी। परंतु औद्योगीकरण के चलते गांवों की व्यवस्था डगमगाई है। उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है कि भारत में कॉर्पोरेट मार्केट आया है, लेकिन कॉर्पोरेट एग्रीकल्चर नहीं। कृषि उत्पादन के बल पर ही किसान मजबूत हो सकता है।

उन्होंने कहा कि भारत की जलवायु विविधतापूर्ण है, कश्मीर से कन्याकुमारी तक विभिन्न प्रकार की जलवायु यहां मौजूद है। लेकिन उद्योग प्रधान व्यवस्था के कारण हमने प्रकृति के साथ अन्याय किया है। भूमिगत जल, नदियां और वायु प्रदूषित हो गई हैं। आज हवा बनाने वाली कोई फैक्ट्री नहीं है। हवा में घुलते जहर से इंसान कैसे बचेगा? यह प्रश्न हम सबके सामने है। भारतीय परंपरा में धरती को धरती माता और भारत माता कहा गया है, लेकिन स्वार्थवश हम इसका शोषण कर रहे हैं। वंदे मातरम् और भारत माता की जय केवल नारे नहीं, बल्कि इस भूमि से आत्मीय संबंध का उद्घोष है। शासन और समाज दोनों को मिलकर संतुलित व्यवस्था कायम करनी होगी। उन्होंने चेताया कि जब से विज्ञान प्रकृति के विपरीत चला, समस्याएं बढ़ी हैं। इसलिए विज्ञान और प्रकृति के सामंजस्य से ही चेतन जगत की सुरक्षा संभव है। भारतीय चिंतन हमेशा जितनी आवश्यकता उतना ही उपभोग के सिद्धांत पर आधारित रहा है। यही सोच आज विश्व को भारत से सीखनी चाहिए। संगोष्ठी के द्वितीय सत्र में राजस्थान सरकार के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि सरकार और समाज दोनों पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने चारागाहों के विकास और पौधरोपण को जरूरी बताया। दिलावर ने कहा कि विलायती बबूल ने गोचर भूमि को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। पशु चरने में असहज हैं। हमें मिलकर इस विलायती बबूल का उन्मूलन करना होगा।

संक्षिप्त समाचार

टिमरनी में बेटे ने की बुजुर्ग मां की निर्मम हत्या

हरदा। मध्य प्रदेश के हरदा जिले के टिमरनी थाना क्षेत्र में एक बेटे ने अपनी 80 साल की बुजुर्ग मां की हत्या कर दी। घटना ग्राम पिपल्या कलां की है। शनिवार सुबह बुजुर्ग कमलाबाई का छोटा बेटा रामू मवेशियों के लिए चारा काटने के लिए घर से बाहर गया था। इसी दौरान बड़े बेटे राजू ने मां की हत्या कर दी। राजू ने अपनी मां का मुंह और नाक दबाकर उनकी जान ले ली। हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस को जब घटना की सूचना मिली, तब एसडीओपी आकांक्षा तलया और टीआई सुभाष दृश्यामकर दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचनामा बनाया और पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। पुलिस के अनुसार आरोपी राजू कहार आपराधिक प्रवृत्ति का है और पहले भी जेल जा चुका है। मृतका के पति संतोष का पहले ही निधन हो चुका था। वह अपने छोटे बेटे रामू के साथ रहती थीं। दोनों बेटों की शादी हो चुकी है, लेकिन उनकी पत्नियां उनके साथ नहीं रहतीं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और उसकी तलाश जारी है।

हरदा में तेज बारिश से गांवों का संपर्क टूटा

हरदा। हरदा जिले में शुक्रवार रात वनक्षेत्रों में हुई तेज बारिश से नदी-नाले उफान पर आ गए। कई ग्रामीण क्षेत्रों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया। पुल-पुलियाओं पर पानी भरने से बच्चों और शिक्षकों को स्कूल नहीं जाने की नौबत आ गई। ग्राम कुकरावद में मटकुल नदी के रपटे पर अचानक पानी बढ़ गया। इसी दौरान नेपानगर से ससुराल आए दिनेश प्रजापति पानी के तेज बहाव में बह गए। ग्रामीणों ने बताया कि वह करीब आधा किलोमीटर तक बहते चले गए। पेड़ की डाल पकड़कर बैठे रहे, फिर दोबारा गिरे। पैर फिसलने से दिनेश प्रजापति नदी में जा गिरे। तेज बहाव के बीच उन्होंने पेड़ की डंगाल पकड़कर काफी देर तक खुद को संभाले रखा। लेकिन कुछ देर बाद वे फिर नदी में गिर गए। गांव के लल्लू कहार, शुभम कहार और राहुल प्रजापति ने जान जोखिम में डालकर नदी में छलांग लगाई। तीनों ने ट्यूब की मदद से दिनेश को बाहर निकाला। पूर्व सरपंच बलराम पटेल ने बताया कि ग्रामीण कई सालों से इस जगह पुल बनाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक काम नहीं हुआ।

हरदा में अतिक्रमण से जाम और यातायात प्रभावित

हरदा। हरदा में अतिक्रमण की समस्या गंभीर रूप धारण कर चुकी है। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन के अतिक्रमण हटाने के आदेश के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। जिला अस्पताल के सामने की सड़क पर दुकानों का अतिक्रमण और बेतरतीब खड़े वाहनों से पूरे दिन जाम लगा रहता है। इससे एम्बुलेंस को आने-जाने में परेशानी होती है। गंभीर मरीजों को लेकर आने वाली एम्बुलेंस को जाम में फंसना पड़ता है। शव वाहन के निकलने में भी कठिनाई होती है। शहर के प्रमुख स्थलों पर यातायात की समस्या विकराल है। नार्मदीय ब्राह्मण समाज धर्मशाला से चांडक चौराहे तक, प्रताप टॉकीज चौक और घंटाघर चौक के आसपास रोजाना जाम लगता है।

संयुक्त संचालक ने किया त्रैमासिक परीक्षा का आकस्मिक निरीक्षण

नर्मदापुरम। संभागीय संयुक्त संचालक नर्मदापुरम डॉ. मनीष वर्मा ने विगत दिवस शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नर्मदापुरम का आकस्मिक निरीक्षण कर दोपहर 1:30 से आयोजित कक्षा 11वीं एवं 12वीं की त्रैमासिक परीक्षा का अवलोकन किया। इस दौरान सभी परीक्षा कक्षों में शिक्षकों को पर्यवेक्षण कार्य जिम्मेदारी के साथ मुस्तैदी से करने के निर्देश दिए गए। यह गौरतलब है कि कक्षा 11वीं का अर्थशास्त्र एवं भौतिक शास्त्र विषय का एवं कक्षा 12वीं में हिंदी विषय की आयोजित परीक्षा में कक्षा 11वीं में उपस्थित 180 व 12वीं में उपस्थित 168 छात्राओं को एकांतर क्रम में बैठाया गया।

मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण

माखननगर ■ निसं

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नर्सिंह गेहलोद नर्मदापुरम ने शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माखननगर का निरीक्षण किया। और समस्त मैदानी अमलों की बैठक ली जिसमें विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा कर समस्त अधिकारियों कर्मचारियों को अपने कार्य दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा के साथ किए जाने तथा समस्त गर्भवती माता पंजीयन एवं संपूर्ण जांच, टीकाकरण विधिवत रूप से समय पर किए जाने एवं शत प्रतिशत लक्ष्य उपलब्धि प्राप्त किए जाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण एवं समीक्षा बैठक के दौरान खंड चिकित्सा अधिकारी डा.कल्याणी यादव, बीईई भीमसिंह यादव ,बीसीएम सुनील परनामे , मनीष त्रिपाठी सहित समस्त सेक्टर सुपरवाईजर , सीएचओ, एएनएम, एमपीडब्ल्यू, के साथ ही समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

पीएम मोदी मोदी और उनकी मां पर टिप्पणी का मामला

भाजपा ने राहुल गांधी का फूंका पुतला, जिला अध्यक्ष बोले- ये जनता का अपमान

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां को लेकर की अशोभनीय टिप्पणी और अपशब्दों का नर्मदापुरम में शनिवार को विरोध किया गया। भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला फूंका। भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष दीपक महालहा के नेतृत्व में एसपीएम गेट नं. 4 पर पुतला दहन किया गया। बता दें बिहार के दरभंगा में राहुल गांधी के स्वागत मंच के दौरान एक युवक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी स्वर्गवासी मां को लेकर अपशब्दों का प्रयोग किया। जिसका देशभर में भाजपा विरोध कर रही है।

इस विरोध प्रदर्शन में सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया,नपा अध्यक्ष नीतू यादव, भाजपा जिला महामंत्री प्रसन्ना हर्णे, लोकेश तिवारी, राजेश तिवारी, अध्यक्ष रूपेश राजपूत, भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ये देश की जनता का अपमान

जिलाध्यक्ष महालहा ने कहा कि राहुल गांधी इस देश की परंपराओं और इस लोकतंत्र को तारतार कर रहे है। पहले तो उन्होंने झूठ की यात्रा निकाली और अब उनकी इस वोट अधिकार यात्रा में प्रधानमंत्री को गाली देना खेदजनक है। इस देश की कभी ये परंपरा नहीं रही कि आप प्रधानमंत्री को गाली दे रहे है। राहुल गांधी को चाहिए और खुद आगे आकर जनता से माफी मांगे, ये नरेंद्र मोदी का अपमान नहीं बल्कि देश की जनता का अपमान है।

हरदा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव का पुतला फूंका

हरदा। हरदा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने वोटर अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां पर की गई कथित अमर्यादित टिप्पणी का विरोध किया। कार्यकर्ताओं ने शनिवार शाम परशुराम चौक पर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव का पुतला दहन किया। भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष नीतेश बादर ने कहा कि प्रधानमंत्री की मां पर टिप्पणी भारतीय संस्कृति के विरुद्ध है। उन्होंने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव से सार्वजनिक माफी की मांग की। उनका कहना है कि इस तरह की बयानबाजी से समाज में गलत संदेश जाता है। युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष विजय जेवल्या ने कहा कि यात्रा के मंच से ऐसे शब्दों का इस्तेमाल राजनीति के पतन की पराकाष्ठा है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में मां को भगवान से भी ऊंचा दर्जा दिया गया है। मां का अपमान पूरे समाज की मर्यादाओं पर चोट है।

नर्मदापुरम-इटारसी रेल ट्रैक पर चलती ट्रेन से गिरा यात्री

पुलिस-एंबुलेंस स्टाफ और राहगीरों ने एक किमी पैदल स्ट्रेचर उठाकर पहुंचाया अस्पताल

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

नर्मदापुरम-इटारसी के पास कंचननगर इलाके में शनिवार सुबह चलती ट्रेन से एक यात्री गिर गया। युवक घायल अवस्था में रेलवे ट्रैक किनारे पड़ा था। सूचना मिलने पर पुलिस, 108 एंबुलेंस स्टाफ और राहगीर मौके पर पहुंचे। गाड़ी घटनास्थल तक नहीं पहुंच सकी तो सभी ने मिलकर स्ट्रेचर उठाकर करीब एक किमी पैदल ट्रैक पर चलते हुए घायल को एंबुलेंस तक पहुंचाया। इसके बाद जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है।

ट्रेन से गिरकर घायल हुआ युवक: घटना शनिवार सुबह करीब 7.30 बजे की है। कंचननगर-रसूलिया रेलवे लाइन के पास प्रदीप कमलेश अहिरवार निवासी बनखेड़ी, इटारसी से भोपाल जाने वाली ट्रेन में बैठा था। इसी दौरान वह ट्रेन से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

स्ट्रेचर उठाकर एक किमी पैदल चले पुलिस और लोग: सूचना पर थाना देहात नर्मदापुरम से प्रधान आरक्षक संजय गौर टीम सहित मौके पर पहुंचे। गाड़ी न पहुंच पाने से पुलिस, एंबुलेंस स्टाफ और राहगीरों ने मिलकर स्ट्रेचर पर घायल को उठाया और करीब एक किमी पैदल ट्रैक पर चलते हुए एंबुलेंस तक लाए।

अस्पताल पहुंचाने पर परिजनों ने जताया आभार: घायल प्रदीप को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिसकर्मियों और एंबुलेंस स्टाफ द्वारा की गई त्वरित मदद की परिजनों ने सराहना की और आभार जताया।

नर्मदापुरम में बिहार के मखाने की खेती होगी

जिले के 30 किसानों ने दरभंगा जाकर सीखा खेती का तरीका, आय बढ़ेगी

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

नर्मदापुरम में अब बिहार के दरभंगा की मखाने की फसल उगाई जाएगी। जिले के 30 किसानों को मखाना उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन की तकनीक सीखने के लिए बिहार भेजा गया। यह कदम किसानों की आय बढ़ाने और आजीविका संवर्धन के लिए उठाया गया।

उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों ने किसानों को मखाना की नई किस्मों, प्रति हेक्टेयर लागत और उत्पादन विधियों की जानकारी दी। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनोज कुमार ने विस्तार से प्रशिक्षण दिया और उत्पादन से जुड़ी तकनीक समझाई।

प्रगतिशील कृषकों ने कराया भ्रमण: प्रगतिशील कृषक अमरेंद्र कुमार और अमरजीत साहनी ने अपने प्रक्षेत्र पर किसानों को मखाना की खेती का व्यावहारिक भ्रमण कराया। किसानों के सवालों का समाधान किया और मखाना के ग्रेडिंग, सॉर्टिंग, पैकिंग एवं कलेक्शन प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया।

आजीविका संवर्धन और वैज्ञानिक जानकारी: उद्यानिकी अधिकारी रीता उईके ने बताया कि भ्रमण का उद्देश्य किसानों को मखाना की उन्नत खेती और विपणन की वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध कराना है। इससे जिले में मखाने की खेती की संभावनाओं को समझकर किसान अपनी आय बढ़ा सकेंगे।

इटारसी में रिहायशी इलाके में तेंदुआ सड़क पार करते दिखा

सीसीटीवी आया सामने, दो दिन पहले आर्डिनेंस फैक्ट्री के पास घूम रहा था

इटारसी ■ निसं

इटारसी में पांडरी ग्राम पंचायत के आबादी क्षेत्र में शुक्रवार रात को सड़क पार करते तेंदुआ देखा गया है। इसका वीडियो आज शनिवार को सामने आया है। तेंदुए की मौजूदगी से ग्रामीणों में डर का माहौल है। पिछले दो दिनों में तेंदुआ पहले पॉवरग्रिड के पास और अब आर्डिनेंस फैक्ट्री चेकपोस्ट के निकट देखा गया है। सीसीटीवी कैमरे में तेंदुए की गतिविधियां रिकॉर्ड हुई हैं।

लोगों ने वन विभाग से कार्रवाई की मांग की: गांव संतोष कुमार और पांडरी के सचिव अनिल वर्मा और ग्रामीणों ने वन विभाग से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। इन्होंने कहा कि स्थानीय लोग शाम होते ही घरों में दुबक जाते हैं। बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर विशेष चिंता है। ग्रामीण अपने पालतू पशुओं की सुरक्षा को लेकर भी चिंतित हैं। अभिभावकों ने बच्चों को अकेले बाहर जाने से रोक दिया है।

इन गांवों में भी देखा गया तेंदुआ: इससे पहले केसला के ग्राम पोडार, हिरनचापड़ा, नया मल्लूपुरा और गोंटाखार में भी तेंदुए को देखा गया था। वन विभाग ने उसे पकड़कर जंगल में छोड़ा था। यह तीसरी बार है जब तेंदुआ इन गांवों के आस-पास आया है।

वन विभाग के डीएफओ मयंक गुर्जर ने कहा कि रहवासी क्षेत्र में तेंदुए को पकड़ने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के पास घने जंगल की वजह से अक्सर जंगली जानवर सड़क पर दिखाई देते हैं।

नर्मदापुरम में बाघ के शिकार और सागौन कटाई से हड़कंप

लापरवाही पर पीसीसीएफ वीएन अंबाड़े सख्त, एसटीआर का दौरा कर समीक्षा करेंगे

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

नर्मदापुरम जिले में बाघ के शिकार और सागौन के पेड़ों की अवैध कटाई की घटनाओं से वन विभाग में हड़कंप है। भोपाल तक इन मामलों की गूंज पहुंचने के बाद प्रदेश के प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) और वन बल प्रमुख वीएन अंबाड़े शनिवार को नर्मदापुरम का दौरा पर है। वे सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) में हुए बाघ शिकार और छीपीखापा बीट में सागौन कटाई की समीक्षा करने आएं है। फॉरेस्ट रेस्ट हाउस में 11 बजे से समीक्षा जारी है। जिसमें सीसीएफ अशोक कुमार चौहान, फील्ड डायरेक्टर राखी नंदा, हरदा, नर्मदापुरम के डीएफओ और डिप्टी डायरेक्टर बैठक में मौजूद है।

जंगल का दौरा भी करेंगे वन बल प्रमुख: वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक पीसीसीएफ अंबाड़े अपने एक दिवसीय दौरे में न केवल संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट लेंगे, बल्कि टाइगर रिजर्व का भ्रमण भी करेंगे। इस दौरे से टेरिटोरियल और एसटीआर अमले में हलचल मच गई है। अधिकारियों को पहले से निर्देश जारी कर सतर्क रहने के लिए कहा गया है।

बाघ और तेंदुए की मौतों पर पहले ही नाराजगी जता चुके हैं पीसीसीएफ: गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में पिछले एक माह में 7 बाघ और तेंदुओं की मौतें हो चुकी हैं। इन घटनाओं पर पीसीसीएफ अंबाड़े पहले ही सभी वाइल्डलाइफ अधिकारियों को पत्र लिखकर नाराजगी जता चुके हैं। उन्होंने कहा था कि, लगातार पेट्रोलिंग के बावजूद ऐसी घटनाएं होना वन्यजीव सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाता है।

संघर्ष में हुई मौतों पर भी उठाए सवाल: पेंच और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में बाघों की आपसी संघर्ष में मृत्यु के मामले सामने आए हैं। इस पर अंबाड़े ने कहा कि यदि बाघों के बीच संघर्ष हुआ है तो उनकी दहाड़ कई किलोमीटर दूर तक सुनाई देती है, फिर भी स्थानीय अमले को समय पर सूचना न मिलना गंभीर लापरवाही का संकेत है।

20 अगस्त को पत्र लिखकर मांगा था जवाब: पीसीसीएफ ने 20 अगस्त को एक विस्तृत पत्र जारी कर सभी संबंधित अधिकारियों से जवाब-तलब किया था। लेकिन उसी पत्र के तीसरे दिन ही बाघ के पंजे को काटकर ले जाने की घटना सामने आ गई, जिससे विभाग और अधिक दबाव में आ गया है। अब अंबाड़े खुद मौके पर पहुंचकर स्थिति की गंभीर समीक्षा करेंगे।

हरदा में आज दो घंटे बिजली कटौती

गुर्जर बोर्डिंग, कलेक्ट्रेट और ग्वालनगर फीडर पर सुबह 10 से 12 बजे तक मेंटेनेंस

हरदा ■ निसं

हरदा में रविवार 31 अगस्त 2025 को बिजली कटौती की घोषणा की गई है। सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक 11 केवी गुर्जर बोर्डिंग, कलेक्ट्रेट और ग्वालनगर फीडर पर अति आवश्यक मरम्मत कार्य किया जाएगा।

बिजली कंपनी के जूनियर इंजीनियर राकेश सिलोरे ने इस संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस दौरान कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। प्रभावित क्षेत्रों में गुर्जर बोर्डिंग, पाठक कॉलोनी और त्रिमूर्ति कॉलोनी शामिल हैं।

इसके अलावा ग्वालनगर, विकास नगर, श्रीनगर और मां रेवा बिहार कॉलोनी में भी बिजली नहीं रहेगी। बीबी सिटी, साईं आर्य, सिद्धिविनायक रेजिडेंसी, औद्योगिक क्षेत्र, विद्या धाम और शिव धाम क्षेत्र भी इस कटौती से प्रभावित होंगे।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा प्रभा काम्पलेक्स के पास, मीनाक्षी चौक, आई.टी.आई. रोड, होशंगाबाद से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। संपादक- डी.पी. गोयल। मो. 9827054436 भोपाल कार्यालय : 4240007. डाक पंजीयन - MP/HSD04/2023-2025 व्यवस्थापक- डी.सी. पारे, मो. 8878623331 Email: amritdarshan@yahoo.com (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।